जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

A LEGACY OF KNOWLEDGE
A COMMITMENT OF HUMANITY

PROF. (Dr.) BALVIR S. TOMAR

M.B.B.S., M.D., M.C.H.(USA), M.I.A.P., M.A.H.T.(ENGLAND)
F.I.A.P.(USA), F.A.A.P.(USA), F.I.C.A.(USA), F.A.C.U.(LONDON)

Pediatric Hepatology - Kings College, London
Pediatric Gastroenterology - Harvard University, USA
W.H.O. Fellow in Child Health in USA
Common Wealth Medical Fellow in London (England)

Founder & Chancellor
Nims University Rajasthan, Jaipur

proudly announcing

BALVIR SINGH TOMAR
INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH

SHAPING THE FUTURE OF HEALTHCARE

OFFERING ADMISSION IN 150 MBBS SEATS FROM SESSION 2025-26

EQUIPPED WITH WORLD CLASS INFRASTRUCTURE AND CUTTING EDGE TECHNOLOGY EQUIPMENTS

Anatomy Lab

Physiology Lab

Biochemistry Lab

Microbiology Lab

Pathology Lab

Pharmacology

24x7 Emergency

Skill Lab

Premium Wards

Modular OT(s)

Central Lab

Library

- 650+ Beds
- 50+ ICU Beds
- 40+ Specialities
- 24x7 Emergency & Trauma Care
- Modular OT
- Critical Care
- NICU | PICU
- Dialysis
- Blood Bank
- MICU | SICU
- 3.0 Tesla MRI
- 4D Ultrasound
- 1152 Slice CT Scan

Balvir Singh Tomar Institute of Medical Sciences & Research
24x7 Emergency Services

Add: Science Tech City, Jaipur-Delhi Highway (NH-11C), Jaipur-303002
www.bstmedicalcollege.com

Admission in MBBS is through NEET Counselling only
For more details please visit - www.rajugneet2025.in
Contact for more information at **+91 97999 53457**

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

देश में मतदाता सूचियों का एसआईआर यानी (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रारम्भ होने जा रहा है

चुनाव आयोग अब बिहार के बाद पूरे देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR), मतदाता सूचियों का करने जा रहा है। राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों को इस हेतु आदेश जारी किये जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशन जारी किये हैं और कहा है कि अपने–अपने राज्यों के मतदाता की स्थिति, गत पुनरीक्षण प्रक्रिया और वर्तमान् तैयारी के बाबत प्रेजेन्टेशन तैयार करें ताकि भविष्य में शीघ्र ही विशेष बैठक में इस विशेष विषय पर चर्चा हो सके और अगला रोड मैप तैयार कर सकें।

बिहार में एसआईआर को लेकर कई रिट् याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई हैं, उनमें वैधानिक व कानूनी आपत्तियां मतदाता सूचियों के बाबत उठाई गई हैं। इस विवाद ने गम्भीर रूप धारण कर लिया है, देश में जगह–2 आन्दोलन हो रहे हैं बिहार में यात्रायें निकाली जा रही हैं। रिट् याचिका में SIR की कार्यवाही पर रोक नहीं लगाई है, मतदाता सूचियों का ड्राफ्ट प्रकाशित हो चुका है, उन पर सुधार हेतु प्रतिवेदन मांगे गये हैं। 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाये गये हैं। सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी है। समय–2 पर दिये गये निर्देशनों पर अमल हो रहा है। निर्णय शीघ्र होने की संभावना है।

चुनाव आयोग का मानना है कि शहरीकरण और मजदूरों के पलायन व अवैध माइग्रेन्ट के और अन्य कारणों से मतदाता सूचियों में कई दोष व त्रुटियां पाई गई हैं। अत: चुनाव आयोग बहुत गम्भीरता से मतदाता सूचियों की SIR कराकर शुद्धिकरण युद्ध स्तर पर कराना चाहता है और उसका संवैधानिक दायित्व भी है।

बिहार में एक बडी समस्या बांग्लादेश व म्यांमार व अन्य देशों से आये वहां के नागरिकों के बसने के कारण उत्पन्न हुई है, वे अवैध प्रवासी हैं। ऐसे में उनकी पात्रता की गहन जांच आवश्यक है।

उपरोक्त स्थिति में चुनाव आयोग 10 सितम्बर 2025 को राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों का सम्मेलन बुलाया है, जिसमें अगली SIR पर चर्चा होगी। इस काम में लगने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों को परीक्षण भी दिया जावेगा। चुनाव आयोग अधिकारियों से सुधार हेतु सुझाव भी आमंत्रित करेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है। संविधान के अनुच्छेद 326 में चुनाव में मतदाता को वयस्क मताधिकार दिया है, अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को जो भारत का नागरिक है उसे मतदाता माना है। चुनावों की प्रक्रिया क्या होगी, इसके सम्बन्ध में संसद को अधिकार दिया है, वह कानून बना कर संचालन की व्यवस्था करेगी, जो संविधान के उपबन्धों के अधीन होगी। इसका अर्थ है कि संसद का कानून किसी भी प्रकार अनुच्छेद 324, 326 में दिये गये अनुबन्धों को सीमित नहीं करेगा। साथ ही अनुच्छेद 329 में यह भी स्पष्ट कर दिया कि निर्वाचन (चुनाव) के मामलों में न्यायालय का हस्तक्षेप वर्जित कर दिया। हाँ, यदि कोई निर्वाचन सम्बन्धित मामला है तो वह चुनाव याचिका दायर कर ही निर्णित कराया जा सकेगा। चुनाव याचिका सुनने का अधिकार राज्यों के हाईकोर्ट को दिया गया है।

यहाँ लिखना समीचीन होगा कि सुप्रीम कोर्ट में जिन रिट् याचिकायों की सुनवाई हो रही हैं वे सब रिट् याचिकायें संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत् हैं, और विषय है 'मतदाता सूची' अर्थात् मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) ताकि मतदाता सूचियों की त्रुटियां सही की जा सके। चूंकि मतदाता केवल देश का नागरिक ही हो सकता है और नागरिक कौन है, इसका मापदण्ड संविधान के अनुच्छेद 6 से अनुच्छेद 11 में दिया गया। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति की पहिचान और पात्रता की गहन जांच आवश्यक। अत: सम्मेलन में तय किया जावेगा कि ऐसे कौनसे डोकूमेन्ट्स हो सकते हैं, जिनसे इस सम्बन्ध में सहायता ली जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने दिनांक 08.09.2025 के आदेश में माननीय खण्डपीठ ने SIR रिट्स (No. 640/2025) की सुनवाई करते हुये दिया उसमें कहा कि आधार 12वां डोकूमेंट की लिस्ट में लिया जावे, जिनके आधार पर Identity (पहिचान) के हेतु रिवाइज्ड वोटर्स लिस्ट में नाम जोड़ा जा सकता है। साथ ही यह भी स्पष्ट कर दिया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। न्यायालय ने यह भी इंगित किया कि आधार की प्रमाणिकता की जांच भी की जा सकती है। चुनाव आयोग के एडवोकेट ने न्यायालय को स्पष्टीकरण देते हुये बहस की है कि नागरिकता को साबित करने के लिए आधार का उपयोग नहीं किया जा सकता और जिन डोकूमेन्ट की पहिचान (Identity) के लिए माना है, उस पर चुनाव आयोग को आपत्ति नहीं है, चुनाव आयोग अवैध माइग्रेन्टस को मतदान के हेतु योग्य नहीं मान सकता, केवल उन्हें ही मतदाता सूची से अलग किया जावेगा। बहस के हेतु 15 सितम्बर, 2025 की आगामी तारीख दी गई है। आशा है बैठक में भी इन विवादों पर चर्चा से कोई ठोस परिणाम समस्या के निदान का निकलेगा।

यहां यह कहना आवश्यक है कि किसी भी देश में जहां लोकतंत्र है, वहां चुनावों की प्रक्रिया की शुद्धता पर ही उसकी प्रगति व सफलता निर्भर करती है। भारत के संविधान में चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया है और संविधान के अनुच्छेद 324 में सांसदो, विधायकों, संवैधानिक पदों के निर्वाचनों के लिये निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का दायित्व चुनाव आयोग को दिया है।

उपरोक्त को भली–भांति समझने के लिये पाठकों की सुविधा के लिये संविधान के अनुच्छेद 324, 326 व 329 को यहां उद्धृत किया जा रहा है:–

"अनुच्छेद 324. निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का निर्वाचन आयोग में निहित होना।"

(1) इस संविधान के अधीन संसद् और प्रत्येक राज्य के विधान–मंडल के लिए कराए जाने वाले सभी निर्वाचनों के लिए तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के पदों के लिए निर्वाचनों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने का और उन सभी निर्वाचनों के संचालन का अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण, एक आयोग में निहित होगा (जिसे इस संविधान में निर्वाचन आयोग कहा गया है)।

(2) निर्वाचन आयोग मुख्य निर्वाचन आयुक्त और उतने अन्य निर्वाचन आयुक्तों से, यदि को हों. जितने राष्ट्रपति समय–समय पर नियत करे, मिलकर बनेगा तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, संसद् द्वारा इस निमित्त बना ग विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी।

(3) ....

(4) ....

(5) ......

(6) जब निर्वाचन आयोग ऐसा अनुरोध करे तब राष्ट्रपति या किसी राज्य का राज्यपाल निर्वाचन आयोग या प्रादेशिक आयुक्त को उतने कर्मचारिवृंद उपलब्ध कराएगा जितने खंड (1) द्वारा निर्वाचन आयोग को सौंपे गए कृत्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हों।"

"अनुच्छेद 326– लोक सभा और राज्यों की विधान सभाओं के लिए निर्वाचनों का वयस्क मताधिकार के आधार पर होना। – लोक सभा और प्रत्येक राज्य की विधान सभा के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति, जो भारत का नागरिक है और ऐसी तारीख को, जो समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग किसी विधि द्वारा या उसके अधीन इस निमित्त नियत की जाए, कम से कम (अठारह वर्ष) की आयु का है और इस संविधान या समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग किसी विधि के अधीन अनिवास, चित्तविकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अन्यथा निरर्हित नहीं कर दिया जाता है, ऐसे किसी निर्वाचन में मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का हकदार होगा।"

"अनुच्छेद 329. निर्वाचन संबंधी मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का वर्जन।"

(क) अनुच्छेद 327 या अनुच्छेद 328 के अधीन बना ग या बना जाने के लिए तात्पर्यित किसी ऐसी विधि की विधिमान्यता, जो निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन या ऐसे निर्वाचन–क्षेत्रों को स्थानों के आबंटन से संबंधित है, किसी न्यायालय में प्रश्नगत नहीं की जाएगी;

(ख) संसद के प्रत्येक सदन या किसी राज्य विधान–मंडल के सदन या प्रत्येक सदन के लिए को निर्वाचन ऐसी निर्वाचन अर्जी पर ही प्रश्नगत किया जाएगा, जो ऐसे प्राधिकारी को और ऐसी रीति से प्रस्तुत की ग है जिसका समुचित विधान–मंडल द्वारा बना ग विधि द्वारा या उसके अधीन उपबंध किया जाए, अन्यथा नहीं।"

आशा की जा सकती है कि चुनाव आयोग द्वारा उक्त बैठक में स्पष्ट निर्देश जारी किये जावेंगे और शुद्ध मतदाता सूची विधिवत जारी करने का मार्ग प्रशस्त होगा। चुनाव आयोग ने न्यायालय के समसक्ष अपने एडवोकेट के द्वारा, स्पष्ट किया है कि कुल 7.24 करोड़ वोटर्स के नामों में से 99.6इ वोटर्स ने अपने नाम ड्राफ्ट वोटर्स लिस्ट में शामिल करने हेतु फॉर्म भर कर दे दिये हैं। विवाद जो शेष है वह घ्र्त्तुंत् र्शृैहू (अवैध प्रवासियों) का है। 65 लाख तथाकथित मतदाताओं के नाम काटे हैं, उसमें तीन केटेगरी के लोग हैं, मृतक, अवैध प्रवासी और वे हैं जिनके नाम दो जगह हैं। अब तक आरजेडी नेता ने केवल 265 नाम बताये हैं, जिनका नाम काटा गया है। फर्जी कागजात पेश करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही होगी।

राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की बैठक हो चुकी है। बैठक में चुनाव अधिकारियों को निर्देश देते हुये स्पष्ट किया है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जावे और अपात्र इसमें शामिल नहीं हो। आधार कार्ड को 11 अन्य दस्तावेजों के साथ शामिल किया जावे। राज्य के बाहर से आने वाले विदेशी अवैध प्रवासियों की जांच की जावे उनसे घोषणा–पत्र लिया जावे कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पूर्व भारत में हुआ था, विकल्प में जिनका जन्म भारत में 1 जुलाई, 1987 और 2 दिसम्बर, 2004 के बीच हुआ है, उन्हें अपने माता–पिता की जन्मतिथि/जन्म स्थान के सम्बन्ध के दस्तावेज लिये जावें। यह भी निर्देश दिये हैं कि चुनाव अधिकारी मतदाता घर–घर जाकर सत्यापन करें ताकि मतदाता सूची दोष मुक्त हो।

गलतियाँ हुई हैं, उन्हें सुधारा जा सकता है। अन्य राज्यों में एैं के विरूद्ध नई याचिकाओं का उद्देश्य भी यही है कि सभी राज्यों में शुद्ध मतदाता सूची तैयार हो। मतदान करना नागरिक का संवैधानिक अधिकार है न कि मूल अधिकार।

सबको सन्मति दे भगवान्!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

उपराष्ट्रपति और उनके संवैधानिक दायित्व

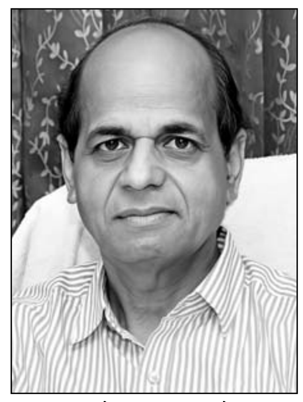

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति चन्द्रपुरम मोन्नुसामी राधाकृष्णन यानी सी.पी. राधाकृष्णन के नाम के साथ ही भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का स्मरण होना स्वाभाविक है। 20 अक्टूबर 1957 को जब तमिलनाडु में इनका जन्म हुआ तो इनके माता–पिता ने उनके नाम के साथ राधाकृष्णन जोड़ दिया, ताकि उनका बेटा भी डॉ. एस. राधाकृष्णन की तरह बड़ा आदमी बने। माता–पिता ने जिस उम्मीद से बेटे का नाम रखा आखिर वह 9 सितम्बर 2025 को इनके उपराष्ट्रपति चुने जाने के साथ ही साकार हो गई। एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को जब उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी बनाया तब उनकी माता जानकी अम्माल ने उनके नाम के पीछे की यह कहानी बताई थी।

सी.पी. राधाकृष्णन भारत के 17वें तथा व्यक्तियों के हिसाब के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए। निर्वाचित 15 उपराष्ट्रपतियों में डॉ. एस. राधाकृष्णन (1952–57, 1957–62) तथा मोहम्मद हामिद अंसारी (2007–2012, 2012–17) दो–दो बार इस पद पर रहे।

उपराष्ट्रपति रहे भैरोंसिंह शेखावत एवं जगदीप धनखड़ ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। देश के 15 उपराष्ट्रपतियों में से डॉ. राधाकृष्णन, डा. जाकिर हुसैन, वी.वी. गिरि, बी.डी. जत्ती, एम. हिदायतुल्लाह, आर वेंकटरमन, शकंर दयाल शर्मा और के.आर. नारायणन आगे चलकर राष्ट्रपति भी निर्वाचित हुए। नये उपराष्ट्रपति की शालीनता और संगठनात्मक अनुभव के आधार पर यह आशा की जा सकती है कि वे संसदीय शुचिता सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी और उत्पादक हो सकती है, विशेषकर जब पक्ष और विपक्ष के बीच खींचतान के चलते संसद के कामकाज में निरंतर व्यवधान होना एक निन्दनीय परम्परा सी बनी हुई है।

हमने उपराष्ट्रपति के पद के संवैधानिक दायित्व की अवधारणा को राष्ट्रपतीय शासन प्रणाली वाले अमेरिका से लिया है जहां की सीनेट (उच्च सदन) का अध्यक्ष उपराष्ट्रपति होता है। संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के पदेन सभापति के रूप में उसकी भूमिका सभा के सुचारू संचालन और सदन की गरिमा एवं मर्यादा को बनाये रखने के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह नियमों का उल्लंघन करने वाले सदस्य के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने का अधिकार रखता है। वह सत्र के दौरान सदस्यों द्वारा उठाये गये औचित्य के प्रश्नों पर निर्णय लेने तथा विधेयकों और प्रस्तावों को समितियों को विस्तृत जांच के लिए सम्बन्धित संसदीय समितियों को भेजता है। राज्य सभा में किसी मामले पर मतदान के दौरान मत बराबर होने की स्थिति में, सभापति को निर्णायक मत देने का अधिकार है। राष्ट्रपति के निधन या पदत्याग या अन्य किसी कारण से पद रिक्त हो तो उपराष्ट्रपति नये राष्ट्रपति की नियुक्ति तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं। साथ ही राष्ट्रपति की अनुपस्थिति या उनकी बीमारी या अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ होने पर उपराष्ट्रपति द्वारा उनके कृत्यों का निर्वहन किया जाता है। भारत में कई बार उपराष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रपति के दायित्वों का निर्वहन किया गया है। इसके लिए उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के पद की शपथ दिलाई जाती है। उदाहरण है कि राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की सोवियत संघ की यात्रा के समय वर्ष 1960 में तथा बाद में उनके अस्वस्थ होने पर 1961 में उपराष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उपराष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन ने भी राष्ट्रपति डॉ. राधाकृष्णन की अस्वस्थता व अन्य कारण से दो बार राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन किया।

राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन के निधन पर उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने तथा राष्ट्रपति डॉ. फखरुद्दीन अली अहमद के निधन पर उपराष्ट्रपति बी.डी. जत्ती ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उपराष्ट्रपति मोहम्मद हिदायतुल्लाह ने भी राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह के विदेश में उपचार हेतु जाने पर उनके पद के दायित्वों का निर्वहन किया। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं तो वे राष्ट्रपति की समस्त शक्तियां और उन्मुक्तियों का उपयोग करते हैं। कार्यकारी राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा वे सभी कार्य सम्पादित किये जाते हैं जो राष्ट्रपति नियमित रूप से करते हैं। उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हैं उस अवधि के दौरान वह राज्य सभा के सभापति के कत्तर्व्यों का पालन नहीं कर सकते। ऐसी स्थिति में राज्य सभा के उपसभापति द्वारा सभा का संचालन किया जाता है। सभापति के समान ही उप सभापति भी राज्य सभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते समय सदन के समस्त नियमों और प्रक्रियाओं को लागू कर सकते हैं। राज्यसभा की कार्यवाही के संचालन में उपसभापति की भूमिका और अधिकार सभापति के समकक्ष होते हैं। आवश्यक होने पर सभापति सभा के आदेशों के क्रियान्वयन के लिए वारंट जारी करता है।

दिनांक 21.12.1967 एवं 18.3.1982 को राज्य सभा की दर्शक दीर्घा से पर्चे फेंकने व नारे लगाने वाले व्यक्तियों को साधारण कारावास का दंड देने पर सभापति ने अपराधियों को जेल अधीक्षक को सौंपने के वारंट जारी किये थे। दिनांक 21.11.1983 को दर्शक दीर्घा से नारे लगाने एवं चप्पल फेंकने वाले एक दर्शक को सभा ने एक संकल्प द्वारा जब सत्र की समाप्ति तक साधारण कारावास का दंड दिया तो सुपुर्दगी वारंट उप सभापति के हस्ताक्षर से जारी किया गया था। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति को, उपराष्ट्रपति के रूप में तो कोई वेतन नहीं मिलता। वह राज्य सभा के सभापति के रूप में ही वेतन प्राप्त करता है। उसका वेतन एवं भत्ते संसद के अधिकारी वेतन एवं भत्ता अधिनियम 1953 और इसके अधीन बनाये गये नियमों द्वारा विनियमित होते हैं। चूँकि उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति तो होता है लेकिन वह राज्य सभा का सदस्य नहीं होता इसलिए उसे राज्य सभा से पेंशन नहीं मिलती। भारत के उपराष्ट्रपति को पेंशन तो मिलती है लेकिन वह उसके त्यागपत्र देने या कार्यकाल की समाप्ति के बाद 'उपराष्ट्रपति (पेंशन) एक्ट, 1997' के अन्तर्गत मिलती है। यदि उपराष्ट्रपति दुर्व्यवहार के कारण हटाए गए हों, तो उन्हें पेंशन और बाकी सुविधाएं नहीं दी जाती हैं। उपराष्ट्रपति सम्बन्धी प्रावधान पर संविधान सभा में 28 दिसम्बर 1948 को कोई ठोस बहस नहीं हुई थी। प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 53 पर उपराष्ट्रपति को राज्य सभा का पदेन सभापति बनाना तय किया गया। यह भी निश्चित किया गया कि वह कोई अन्य लाभ का पद धारण नहीं करेगा। परंतु प्रारूप संविधान के अनुच्छेद 54 के अधीन किसी अवधि के दौरान जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, तब वह राज्य सभा के सभापति के पद के कत्तर्व्यों का पालन नहीं करेगा। यह भी तय किया गया कि उपराष्ट्रपति जब राष्ट्रपति के रूप में काम करेगा तब उसे राष्ट्रपति का वह वेतन दिया जायेगा जो उस पद के लिए दिया जाता है। ऐसी स्थिति में वह संविधान के अनुच्छेद 97 के अधीन राज्यसभा के सभापति को देय वेतन और भत्तों का हकदार नहीं होता।

उपराष्ट्रपति का चुनाव संविधान के अनुच्छेद 66 के अन्तर्गत लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों के द्वारा होता है। उपराष्ट्रपति संसद के किसी सदन या किसी राज्य के विधान–मण्डल का सदस्य नहीं हो सकता। लोकसभा अध्यक्ष के समान राज्य सभा के उपसभापति का निर्वाचन राज्यसभा के सदस्यों में से ही किया जाता है जो अधिक लोकतांत्रिक कहा जा सकता है। यह राज्यसभा का पूर्णकालिक अधिकारी होता है। उसे भी सभापति के समान संसद के अधिकारी वेतन और भत्ता अधिनियम के तहत वेतन भत्ते प्राप्त होते हैं। जब सभापति का पद रिक्त हो या उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहा हो तब सभापति के कत्तर्व्यों का पालन उपसभापति द्वारा ही किया जाता है।

यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक होगा कि वर्ष 2019 से लोकसभा के उपाध्यक्ष का पद रिक्त है, इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सभा का कामकाज सभापति तालिका के सदस्यों के सहयोग से सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। ऐसे में राज्यसभा के उपसभापति को यदि सभापति के रूप में सम्पूर्ण दायित्व सौंप दिये जाये तो भी राज्यसभा का कामकाज उपसभाध्यक्ष तालिका के सदस्यों के सहयोग से सक्षम रूप से संचालित किया जा सकता है।

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
पूर्व मुख्य शोध एवं संदर्भ अधिकारी
राजस्थान विधानसभा,
जयपुर

"राजस्थान रत्न" कन्हैयालाल सेठिया – साहित्य की अखंड ज्योत

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की जन्म जयंती पर विषेश...........

रचना सरन

"धरती धोरां री!
आ तो सुरगां नै सरमावै,
ई पर देव रमण नै आवै,
ई रो जस नर नारी गावै,
धरती धोरां री!"

बचपन में जब यह गीत स्कूल में सुनते थे, तब यह किसी देववाणी से कम नहीं लगता था। यह गीत राजस्थान के राष्ट्रगान के रूप में राजस्थान की पहचान था और मुझे बहुत अपना सा लगता था। वर्षों बाद कोलकाता में जब सिद्धार्थ सेठिया जी से भेंट हुई तो उनका परिचय भी इन पंक्तियों के साथ हुआ था की आप "धरती धोरा री" गीत के रचयिता कन्हैयालाल सेठिया जी के पौत्र हैं। मेरी खुशी का पारावार ना रहा जब उन्होंने मुझे कन्हैयालाल सेठिया जी की हिन्दी कविताओं का संग्रह समग्र (खण्ड एक और दो) भेजा। जुगल किशोर जैथलियाजी द्वारा संपादित समग्र के दो खण्डों में सेठिया जी के हिंदी के 18 ग्रन्थों एवं उर्दू के दो ग्रन्थों का समावेश है। प्रथम खण्ड में 'वनफूल' से लेकर 'अनाम' तक के ग्रन्थों की रचनाओं को संग्रहित किया गया है। द्वितीय खण्ड में 'निर्ग्रन्थ' से लेकर 'गुलचीं' तक के दस ग्रन्थों का संग्रह है। इन रचनाओं के शीर्षक का विस्तार 'अ' से वर्णमाला के 'ह' अक्षर तक है। क्ष,त्र,ज्ञ से प्रारंभ होने वाले शीर्षक की रचनाएं भी हैं।

'वनफूल' ग्रन्थ की शुरुआत से पहले सेठिया जी का संदेश है, जो उनके जीवन की दुभरताओं का भान कराता है। वे लिखते हैं, 'वनफूल' आपके सामने है। यह अभी कुछ कुम्हलाया हुआ–सा है, क्योंकि निष्ठुरता की लू के झकोरे प्रबल थे और जीवन की भरी दुपहरी में यह लाया गया है।" पहली कविता 'कली–कली' की कोमल अभिव्यक्ति ने उनकी मानवीय संवेदनाओं को प्रबलता से दर्शा दिया। कविताओं में प्रेम की व्यथा, निराशा, विरोध, कहीं क्रोध तो कहीं संतोष का भाव उजागर होता है।

सरल शब्दों में बड़ी बात लिख दी गई हैं --

"जग है कारागार!
क्रोध– द्वेष की कटु जंजीरें,
मोह– जाल की दृढ़ प्राचीरें,
बन्दी रखती हैं मानव को, दे चिंता का भार।
जग है....."

1942 में प्रकाशित ग्रन्थ 'अग्निवीणा' की कविताओं में तेज है, बल है, प्रेरणा है और देश के प्रति उनके हृदय में बसी भक्ति व समर्पण की भावना है। और होती भी क्यों नहीं... उन्होंने अपने छात्रजीवन के अनेक वर्ष स्वतंत्रता संग्राम को समर्पित किये हैं। 'अग्निवीणा' पर बीकानेर राज्य में इन पर राजद्रोह का मुक़दमा चला , जस्ट स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ही समाप्त हुआ। बाद में राजस्थान सरकार ने इनको स्वतंत्रता–संग्राम सेनानी के रूप में सम्मानित भी किया, किंतु उन्होंने पेंशन लेने से इनकार कर दिया था। 'मेरा युग' 1947 ई0 में पहली बार प्रकाशित हुआ ,जिसके प्रवेश में सेठिया जी कहते हैं," मेरा युग आपका युग भी है। इस युग में एक और जहां महामानव बापू की पावन तपस्या फलीभूत हुई तो दूसरी और मानव पशुओं का नशंस ताण्डव भी इसकी ही छाती पर हुआ। चरमता और निम्नता दोनों की ही स्वाभाविक आकृतियों ने युग की खिड़की से झांक कर देखा है..." यह ग्रन्थ स्वतंत्रता, बापू व उनका गांधीवाद और उस समय की सामयिकता को समर्पित है। उनकी कविता "मन्दिर–मस्जिद" आज के परिप्रेक्ष्य में भी प्रासंगिक प्रतीत होती है। विनोबा, माउंटबेटन, जयप्रकाश, बापू का फ्यूहरर को पत्र, दो कलंक – जिसमें सालाजर, हिटलर और चर्चिल विषय–वस्तु हैं, हैदराबाद और एशिया इत्यादि ऐसी कविताएं हैं जो पाठकों को साहित्य के माध्यम से इतिहास का मर्म समझा देती हैं। 1948 में जब देशी रियासतों का एकीकरण करके राजस्थान बनाया था तब माउंट आबू राजस्थान में शामिल नहीं था। वह गुजरात को दे दिया गया था। सेठिया जी ने इसके विरोध में आंदोलन प्रारंभ किया और 1956 में उन्हें सफलता प्राप्त हुई। "खण्डित राजस्थान" कविता में उनका आक्रोश एक एक शब्द से छलक रहा है। इस ग्रन्थ की 'नोआखाली' कविता ने स्वयं राष्ट्रिपता महात्मा गांधी को इतना प्रभावित किया कि उन्होंने सेठिया जी को अपने हाथों से आशीर्वचन लिखकर भेजे थे। अपने ग्रन्थ "आज हिमालय बोला" के लिए वे कहते हैं कि, "क्षमा कायरता का पर्यायवाची है, आक्रामक पड़ोसी कि इस भ्रांत धारणा को अगर आने वाली पीढ़ी संशोधित कर सकी तो मूक हिमालय के बोलने की मेरी कल्पना निस्संदेह सत्य बन जाएगी।" इस संग्रह में "जननी की जय बोल", 'प्रयाण गीत', 'मोरचे का गीत!', 'विजय का गीत', 'अपना शीश चढ़ाओ तो' जैसी ओजपूर्ण रचनाएं अनायास ही पाठकों के मन में राष्ट्रप्रेम की लौ सुलगा देती हैं। इनमें चीन के ऊपर तंज कहती रचनाओं 'भ्रांत चीन', 'चंगेजिज्म', 'सिपाही का गीत', 'बर्बर चीनी' इत्यादि में 1962 के भारत–चीन युद्ध और चीन के दोगलेपन के प्रति रोष स्पष्ट झलकता है। समग्र एक का अंतिम ग्रंथ है "मर्म जो 1971 में प्रकाशित हुआ था , जिसके लिए स्वयं सेठिया जी लिखते हैं"–

अथ–इति मर्म मर्मज्ञों के लिए है अल्पज्ञों और सर्वज्ञों के लिए नहीं।"

और सच में ऐसे समझने के लिए मर्मज्ञ होना आवश्यक है चंद शब्दों में महत्त बात रखी गई है जैसे अंजुलि में सागर भर लिया हो। इस ग्रंथ की किसी भी कविता में 9 से अधिक पंक्तियां नहीं है।कुछ कविताएं तो मात्र दो–दो पंक्तियों की ही हैं। इन कविताओं से प्रभावित होकर डॉक्टर हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था, "आपकी कविता क्या मंत्र ही हैं। ये छोटे–छोटे सूत्रों में जीवन का गहन रहस्य। बधाई!" कन्हैयालाल सेठिया जी ने उर्दू में भी 'ताजमहल' और 'गुलचीं' नाम से दो ग्रन्थों की रचना की। डॉ हरिवंश राय बच्चन ने लिखा था "रचना नाज़ुक और नफ़ीस है.... यह तो नया ही रंग दिखाया आपने!" सेठिया जी के शब्दों का जादू उर्दू भाषा में भी बरक़रार रहा। सेठिया जी की कविताओं के लिए रामधारी सिंह दिनकर जी ने लिखा है," आपकी कविताएं आनंद देती हैं और हिंदी के भविष्य के विषय में आशा और उत्साह। बधाई!" 1947 में आप "हरिजन सेवक संघ" की अखिल भारतीय कार्यसमिति के सदस्य नियुक्त हुए। जब चुरु जिले के हरिजनों ने धर्मांतरण करने का निर्णय लिया तो आपके प्रयासों ने उन्हें निरस्त करवा दिया। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलाने के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को पत्र लिखे। राजस्थानी भाषा में रचनाधर्मिता को कायम रखा और 14 ग्रन्थों का सृजन किया। भारत सरकार के फिल्म डिवीजन ने "पदचाप: प्रज्ञा पुरुष की" के नाम से सेठिया जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर फिल्म बनाई, जिसे दूरदर्शन के माध्यम से देश भर में प्रदर्शित किया गया। उनका अमर गीत 'धरती धोरां री' राजस्थान के कण–कण में जैसे रचा बसा है।

बालकवि बैरागी ने उस गीत के संदर्भ में सेठिया जी के लिए लिखा था," वे अपनी अकेली एक रचना के दम पर शाश्वत और सनातन है।" इस गीत में न केवल सेठिया जी को अपितु पूरे राजस्थान को साहित्य में एक अलग ही स्थान प्रदान करवा दिया था। सेठिया जी को संयुक्त राज्य अमेरिका संसद कॉंग्रेस लाइब्रेरी द्वारा "20वीं सदी के जीवित दिग्गज" के रूप में सम्मानित किया गया था। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त फिल्मकार गौतम घोष ने एक डॉक्यूमेंट्री बनाई थी "धरती धोरां री –द लैंड ऑफ़ सैंड ड्यून्स", जिसे भारत सरकार की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा सर्वोच्च गोल्डन लोटस सम्मान प्रदान किया गया था। यह मेरा परम सौभाग्य है कि आज उनकी 101 जयन्ती पर मैं महान् समग्र के दोनों खण्डों को अपने हाथों से सहेज रही हूं और स्व. कन्हैयालाल सेठिया जी जैसे परम् चिन्तक और साधक के बारे में लिख रही हूं। उस महान् जनकवि को शत् शत् नमन है।

–रचना सरन,
सदस्य -पश्चिम बंग हिंदी अकादमी, कोलकाता

राशिफल शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र दिन 11:59 तक, व्याघात योग दिन 1:43 तक, तैतिल करण प्रात: 9:59 तक, चन्द्रमा आज सायं 5:31 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–सिंह, चन्द्रमा–मेष, मंगल–कन्या, बुध–सिंह, गुरू–मिथुन, शुक्र–कर्क, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

ज्वालामुखी योग दिन 9:59 तक है। रवियोग 1:59 से आरम्भ होगा। आज छठ और कृत्तिका का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:47 तक, लाभ–अमृत 7:47 से 10:51 तक, शुभ 12:23 से 1:55 तक, चर 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:15, सूर्यास्त 6:32

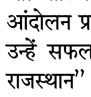

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

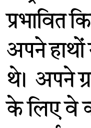

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

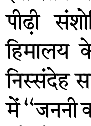

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

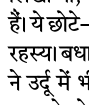

सिंह
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी।

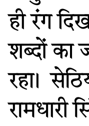

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

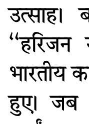

तुला
परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

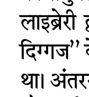

धनु
परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

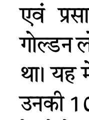

मकर
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में वाद–विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

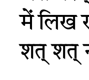

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

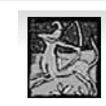

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटके कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेंगी।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 42 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 12 सितम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
epaper.rashtradoot.com
राष्ट्रदूत
Rashtradoot
Metro

ARBIT

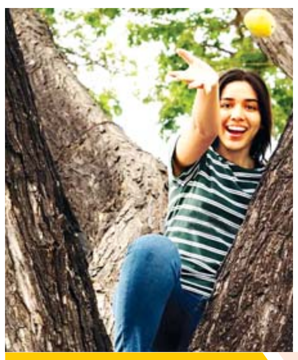

The Jungle Flower
Life was a predictable tapestry woven with sun-drenched days and star-studded nights, until the day the thread snapped
How Did Delhi Get Its Name?
Dragon Man Is A Denisovan
Ancient 'Dragon Man' Skull Confirmed to Be Denisovan in Groundbreaking Genetic Study

ट्रम्प के प्रबल समर्थक, राजनीति में हिंसा के प्रवर्तक की गोली मारकर हत्या

मृत चार्ली कर्क का फेमस व्यंगात्मक कथन हुआ करता था, "बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं"

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कर्क की मृत्यु के बाद, ट्रंप ने उन्हें, अमेरिका का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया
- विश्व इस हत्या से व सम्मान से स्तब्ध है। यह सच है कि, अमेरिका की राजनीति प्रारंभ से हिंसा से रक्त रंजित रही है, तथा वहां के कई राष्ट्रपति गोली से मारे गये हैं। पर, समाज में इतनी कटुता कभी नहीं थी। जितनी अब ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पैदा हुई।
- ट्रंप का नारा "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" और इस दर्शन के अंतर्गत चलाए गए अभियान ने अमेरिका के समाज में गहरी खाइयां बना दी हैं, जिसकी कीमत अब अमेरिका चुका रहा है।

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। अमेरिका में एक प्रमुख युवा अतिवादी दक्षिणपंथी कार्यकर्ता की हत्या ने पूरे देश को हिला दिया है। यह घटना दिखाती है कि डॉनल्ड ट्रंप के दौर में अमेरिकी राजनीति कितनी विभाजित हो गई है और किस तरह गहरी कटुता और वैमनस्य की काली परत समाज में फैल चुकी है।

अमेरिका में हिंसा का बेकाबू फैलाव और पूरे तंत्र में इसका संक्रमण भारत के लिए भी सबक है। मतभेदों को इस हद तक नहीं बढ़ने देना चाहिए कि आपसी संबंध ही खतरे में पड़ जाएं।

चार्ली कर्क, जो "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (मागा) विचारधारा के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थे, ने स्वयं अक्सर हिंसा की प्रशंसा की थी। उन्होंने तो यहां तक कहा था कि "बंदूक से हुई कुछ हत्याएं जायज़ हैं" कर्क डॉनल्ड ट्रंप और अप्रवासियों को प्रताड़ित करने वाले उनके सख्त कार्यक्रमों के सबसे बड़े समर्थक थे।

उनकी मौत के तुरंत बाद, डॉनल्ड ट्रंप ने स्वयं उन्हें अमेरिका का एक सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी प्रदान किया।

अमेरिका और उसकी राजनीति शुरू से ही हिंसा से भरी रही है। कई राष्ट्रपति बंदूकधारियों द्वारा मारे जा चुके हैं। लेकिन कटुता और नफरत इस स्तर पर पहले कभी नहीं देखी गई, जैसी डॉनल्ड ट्रंप के समय में दिख रही है।

ट्रंप ने अमेरिकी संस्थाओं को चुनौती दी और चुनाव परिणाम को ठुकराते हुए राजधानी में अराजकता फैलाई। उन्होंने अपने समर्थकों को वॉशिंगटन बुलाया, जिन्होंने बाद में कैपिटल हिल पर धावा बोला। इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती पेपरलीक प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर

जयपुर, 11 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में भर्ती रद्द करने के संबंध में एकलपीठ की ओर से दिए आदेश पर रोक लगाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

एसएलपी में अधिवक्ता ऋषभ संचेती ने कहा कि हाईकोर्ट की खंडपीठ

- खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में केविएट पेश किया गया।

ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए, चयनित अभ्यर्थियों को फील्ड ट्रेनिंग कराने की छूट दी है, जबकि फील्ड ट्रेनिंग में कुछ हद तक ट्रेनी एसआई को स्वतंत्र निर्णय और काम करने की छूट दी जाती है। इसके अलावा, एकलपीठ ने जिन रिपोर्ट्स के आधार पर भर्ती को रद्द करने योग्य माना था, खंडपीठ ने उन रिपोर्ट्स को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स ऑपरेशनल मोड में - वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लघु उद्योग भारती के "आइडियोथॉन-2025" में पुरस्कार प्रदान किये

- अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्वस्तरीय इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप एवं फंडिंग प्लेटफार्म स्थापित करने के लिये भारत सरकार व राज्य सरकार समन्वय से काम करेंगे।
- आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारु वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप के रेलवे में परीक्षण के निर्देश दिये।

जयपुर, 11 सितम्बर। रेल, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जयपुर में लघु उद्योग भारती के कौशल केंद्र में जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में 5 हजार युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के ज़रिए युवाओं को आधुनिक तकनीकों में दक्ष कर बेहतर प्लेसमेंट के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। वे लघु उद्योग भारती के सोहन सिंह स्मृति कौशल केंद्र पर आयोजित "आइडियोथॉन-2025" के पुरस्कार समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका की तर्ज पर राजस्थान में विश्व स्तरीय इनक्यूबेशन, मेंटरशिप और फंडिंग प्लेटफॉर्म स्थापित करने की दिशा में भारत सरकार और राज्य सरकार परस्पर समन्वय से कार्य करेंगी।

वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग अब देश में ही हो रही है, जिससे यह सेक्टर 11.5 लाख करोड़ का बन चुका है और 25 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में पहली बार 55 हजार करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स एक साथ ऑपरेशनल मोड में हैं। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री प्रकाशचंद्र ने कहा कि उद्यमशीलता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए संगठन स्किल्ड वर्क फोर्स तैयार कर रहा है। राज्य के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कौशल विकास में संगठन की भूमिका की सराहना की, जबकि उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने तकनीकी शिक्षा में हुई प्रगति को साझा किया। आइडियोथॉन में जयपुर के तन्मय व्यास और चारू वैष्णव के स्टार्टअप को प्रथम पुरस्कार मिला। रेल मंत्री ने इनके -बनाए ट्रेन स्पीड कंट्रोल प्रोटोटाइप को रेलवे में परीक्षण करने का निर्देश भी दिया। कार्यक्रम में स्टोनमार्ट-2026 के ब्रोशर का विमोचन भी हुआ। इस मौके पर लघु उद्योग भारती प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, महेंद्र खुराना, नरेश पारीक, नटवरलाल अजमेरा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महिला एईएन सहित पांच कर्मचारी 3 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर एसीबी टीम ने गुरुवार को धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में छापा मारकर रंगे हाथ पकड़ा

- एसीबी एडी-एसपी के अनुसार, धौलपुर नगर परिषद के आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से पूछताछ की जा रही है।

भरतपुर, 11 सितम्बर (निसं)। धौलपुर जिले में भरतपुर एसीबी की टीम ने धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। महिला एईएन समेत पांच कर्मचारियों को तीन लाख दस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। ठेकेदार से बिल पास कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही थी।

भरतपुर एसीबी के एडिशनल एसपी अमित सिंह ने बताया कि राजकीय संवेदक ने एसीबी कार्यालय भरतपुर में एक शिकायत दर्ज कराई थी। परिवादी ने आरोप लगाया था कि धौलपुर नगर परिषद कार्यालय में कार्यरत एईएन प्रिया, वरिष्ठ सहायक भरत कुमार, वरिष्ठ सहायक नीरज, संविदाकर्मी हरेन्द्र और चालक देवेन्द्र बरसात के पानी निकासी का बिल पास करने के एवज में अलग-अलग तरीके से रिश्वत की मांग कर रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब 35 से 40 लाख रुपए का ठेकेदार का बिल था। गत एक साल से ठेकेदार को परेशान किया जा रहा था। ठेकेदार की शिकायत मिलने के बाद मामले का गुप्त तरीके से भौतिक सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन में मामला सही पाए जाने के बाद गुरुवार को नगर परिषद कार्यालय में एसीबी की टीम ने छापा मारकर पांच कर्मचारियों को 3 लाख 10 की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में नगर परिषद आयुक्त अशोक शर्मा की भूमिका संदिग्ध दिखाई दे रही है। आयुक्त से भी पूछताछ की जा रही है। भौतिक सत्यापन में आयुक्त अशोक शर्मा के नाम का भी जिक्र हुआ है। फिलहाल धौलपुर में अचानक की गई एसीबी की कार्रवाई से सरकारी विभागों में हड़कंप मच गया है। एसीबी की कार्रवाई के बाद नगर परिषद कार्यालय का पूरा दफ्तर खाली हो गया है। एडिशनल एसपी ने बताया कि इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है। अनुसंधान के बाद आरोपियों को भरतपुर एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

ब्लूटूथ से नकल के द्वारा चयनित दो कनिष्ठ लिपिक गिरफ्तार

जयपुर, 11 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए दो कनिष्ठ लिपिकों को गिरफ्तार किया है, जो कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी

- दोनों ही गत 6-7 माह से गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे।

भर्ती की संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 में ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल कर चयनित हुए थे। फिलहाल एसओजी की टीम उनसे पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल कर चयनित हुए कनिष्ठ लिपिक राम प्रकाश जाट निवासी कुचेरा जिला नागौर और सुनील विश्नोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़े को बताया "विकसित भारत 2047" का आधार

भाजपा कार्यशाला में प्रदेश प्रभारी अग्रवाल की नाराज़गी ने बदला माहौल, वे बिना मंच साझा किए लौटे

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जायेगा तथा शहरी व ग्रामीण प्रशासन शिविर व सहकारिता सदस्यता अभियान के माध्यम से जनता के साथ जुड़ाव और गहरा किया जायेगा।
- सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे। प्रभारी अग्रवाल ने अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी।

जयपुर, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कृषि अनुसंधान केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत 2047' विजन को जमीन पर उतारने का अभियान है। राज्य सरकार ने इस वर्ष 11 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा है और सेवा पखवाड़े के दौरान हर बूथ पर वृक्षारोपण किया जाएगा।

धर्मांतरण बिल पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, "कांग्रेसी नेता सदन में बोलने की बजाय सोशल मीडिया पर बयानबाजी करते हैं। जाति और तुष्टिकरण की राजनीति अब नहीं चलेगी।'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आ ान किया कि वे सेवा पखवाड़े को केवल एक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जनसेवा और संगठन विस्तार का अवसर समझें।

लेकिन कार्यक्रम के दौरान उस समय अचानक माहौल गर्मा गया, जब प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल कार्यशाला के पहले सत्र के बाद नाराज़गी के भाव में बिना मंच साझा किए ही निकल गए।

सूत्रों के अनुसार, कार्यशाला में कम उपस्थिति को लेकर प्रभारी नाखुश थे। उन्होंने मंच से ही कहा कि "जो पार्टी का काम नहीं करना चाहता, उसे पार्टी में भी स्थान नहीं मिलना चाहिए।" उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से बिना बताए अनुपस्थित रहे सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों से लिखित जवाब मांगने की बात कही। कार्यशाला में केवल 5 सांसद, 72 विधायक, 42 प्रत्याशी और 13 जिलाध्यक्ष ही पहुंचे थे, जिस पर अग्रवाल ने नाराज़गी जताते हुए अनुपस्थितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ दूसरे सत्र में मंच साझा करने से पहले ही अग्रवाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सोनिया गांधी पर मुकदमा दर्ज करने की याचिका खारिज

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग वाली एक याचिका गुरुवार खारिज कर दी।

यह याचिका गांधी के कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से करीब तीन साल पहले यहां की मतदाता सूची में नाम शामिल होने के आरोप से

- याचिका में कथित तौर पर भारत की नागरिकता लेने से तीन साल पहले मतदाता सूची में नाम शामिल होने का आरोप था।

संबंधित है। इसमें उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश देने की गुहार लगाई गई थी।

राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता से कहा, "हमने शिकायत खारिज कर दी है।"

अदालत ने विकास त्रिपाठी की याचिका पर सुनवाई के बाद बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता पवन नारंग की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस ने भाजपा व प्र.मंत्री मोदी पर व्यंगों की बौछार की

मोदी के लेख पर कांग्रेस का कटाक्ष

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुरुवार को देश के कई अखबारों में प्रकाशित लेख, जिसमें उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर

- कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भागवत के 75वें जन्मदिन पर मोदी ने उनका जो प्रशस्ति गान किया है वह संघ नेतृत्व का समर्थन पाने की हताशा भरी कोशिश है।

उनकी प्रशंसा की, को कांग्रेस ने संघ नेतृत्व की कृपा पाने की मोदी द्वारा की गई कोशिश के रूप में देखा है।

कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आरएसएस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मोदी कार कंपनियों पर दबाव डाल रहे हैं "थैंक यू मोदी" के पोस्टर लगाने के लिए'

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्र.मंत्री और केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि वाहन निर्माता कंपनियों के एग्ज़ीक्युटिव्स ने पुष्टि की है कि हैवी इण्डस्ट्री मिनिस्ट्री ने, सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मार्फत यह आदेश भिजवाया और कहा, पोस्टर में मोदी का फोटो लगाना अनिवार्य है।
- एग्ज़ीक्युटिव ने कहा, पहले कभी ऐसा नहीं हुआ इसलिए हम पोस्टर का डिज़ाइन मंत्रालय को भिजवा रहे हैं।
- सूत्रों के अनुसार, इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर का 20 से 30 करोड़ रुपया खर्च होगा।

नई दिल्ली, 11 सितंबर। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सभी कार और दोपहिया वाहन निर्माताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अपने सभी डीलरशिप्स पर जीएसटी दरों में हुए बदलाव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर वाले पोस्टर लगाएं। मंत्रालय के इस आदेश की आज केरल कांग्रेस समिति (के पी सी सी) ने तीखी आलोचना की।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के जवाब में केपीसीसी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि भारी उद्योग मंत्रालय ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को ऐसे पोस्टर लगाने के निर्देश दिए हैं।

के पी सी सी ने तंज कसते हुए लिखा, "मोदी ने कार कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया है कि वे पुरानी और नई कीमतों की सूची के साथ उनकी फोटो लगाएं। हम सभी कंपनियों से अनुरोध करते हैं कि वे मोदीजी की फोटो बाईं ओर लगाएं, जो पहले के उच्च जीएसटी दरों को लागू करने के लिए ज़िम्मेदार थे। जूते और अंडरगारमेंट्स बनाने वाली कंपनियां भी आदेश का इंतजार किए बिना अपने उत्पादों पर मोदी की फोटो लगाने की योजना बना रही हैं।"

भारी उद्योग मंत्रालय ने यह निर्देश भारतीय ऑटोमोबाइल निर्माताओं के संगठन के माध्यम से जारी किया है, जिसमें यह भी कहा गया है कि पोस्टर में प्रधानमंत्री की तस्वीर अवश्य हो।

बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, कई वाहन कंपनियों के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वे अब पोस्टरों को डिजाइन कर रहे हैं और इन्हें मंत्रालय को मंजूरी के लिए भेज रहे हैं।

एक उद्योग एक्जीक्युटिव ने कहा, "इस तरह की गतिविधि का कोई पूर्व उदाहरण नहीं है, इसलिए हमें यह देखना होगा कि क्या केवल मुख्य पोस्टर, जो अंग्रेज़ी में होगा, की मंजूरी लेनी है या हर क्षेत्रीय भाषा के पोस्टर की भी।"

इस कवायद पर ऑटोमोबाइल सैक्टर को लगभग 20-30 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, पोस्टरों को सप्ताह के अंत तक सभी डीलरशिप्स पर लगा दिया जाएगा, लेकिन लग्जरी कार कंपनियों को इस निर्देश से छूट दी गई है। मारुति सुजुकी, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टोयोटा और किया जैसी कंपनियों ने पहले ही पुष्टि की है कि वे जीएसटी दर में हुई कटौती का पूरा लाभ ग्राहकों को देंगे।

जीएसटी परिषद ने छोटी कारों (4 मीटर से कम, 1200 सीसी पेट्रोल या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केदारनाथ, 2500 रुपये में वीआईपी दर्शन का लंबा इंतजार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 सितम्बर। "वीआईपी लाइन के लिए 2,500 रुपये दो, या छह घंटे और इंतजार करो।" केदारनाथ धाम में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर

- भारत के सभी बड़े हिंदू मंदिरों की यही स्थिति है, चाहे वह बैद्यनाथ हो, द्वारका हो या हरिद्वार। एक टैंपल चार्टर की मांग की जा रही है।

निकिता गुप्ता को यह दो टूक विकल्प दिया गया।

अपनी तीर्थ यात्रा के अंत तक, उनकी इस तथाकथित "आध्यात्मिक यात्रा" पर लगभग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

- उन्होंने कहा, भागवत ने समता-समरता की भावना को सशक्त करने में पूरा जीवन समर्पित किया।

मोदी ने देश और समाज के प्रति भागवत के सेवा कार्य का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई संदेश में कहा, "भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।"

उन्होंने कहा, "मां भारती की सेवा में सदैव तत्पर मोहन जी के 75वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर मैंने उनके प्रेरक व्यक्तित्व को लेकर अपनी भावनाएं रखी हैं। मैं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।"

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया में डॉ. भागवत को लेकर एक लेख लिख कर संघ प्रमुख से अपने गहरे संबंधों का उल्लेख किया है।

‘टैरिफ का सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल में 70 फीसदी तक यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जायेगी’

वूलन और यार्न फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर, एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी संकट खड़ा हुआ

- कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है
- बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है, इसी धागे से कालीन तैयार होता है, 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं

बीकानेर, (निसं)। अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ से बीकानेर सहित राजस्थान की वूलन और यार्न (सूत) इंडस्ट्री कमजोर पड़ गई है। फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर हैं। एक से सवा लाख मजदूर और भेड़पालकों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है।

कारोबारियों का कहना है कि टैरिफ के कारण प्रदेश में 1200 करोड़ की इंडस्ट्री का आकार घटना शुरू हो गया है। 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर चले गए हैं। अगर सॉल्यूशन नहीं निकला तो एक साल के भीतर इंडस्ट्री 70 फीसदी तक खत्म हो जाएगी। वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के अनुसार टैरिफ के बाद राजस्थान में अगर वित्तीय सहायता नहीं मिली तो करीब एक लाख लोग बेरोजगार हो जाएंगे। राजस्थान की वूलन और यार्न इंडस्ट्री की 70 फीसदी खपत अमेरिका में होती है। जिस तरह से भारतीय घरों में टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन जरूरी है, उसी तरह अमेरिका में कालीन जरूरी सामान है। वहां लोग इसे फर्श और दीवारों पर लगाते हैं।

राजस्थान वूलन इंडस्ट्री एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल कल्ला ने बताया कि बीकानेर, ब्यावर और भीलवाड़ा सहित प्रदेशभर में सवा लाख लोग है, जो वूलन और यार्न इंडस्ट्री से जुड़े हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या मजदूरों की है। भेड़ मालिकों की भी बड़ी तादाद है। अमेरिकी टैरिफ का असर सिर्फ फैक्ट्री मालिक पर नहीं पड़ रहा है। लेबर के लिए रोजी-रोटी का संकट आ जाएगा। अगर ऑर्डर 30 प्रतिशत रहेगा, तो 70 प्रतिशत लेबर भी कम हो जाएगी। बीकानेर में हर रोज 2 से ढाई लाख किलो यार्न बनती है। अब ये आधा हो गया है। इसे भी स्टॉक किया जा रहा है। फिलहाल लेबर एक्सेस है, इसलिए उसे रोक कर काम करवा रहे हैं।

बीकानेर सहित राजस्थान में करीब 350 यूनिट्स में भेड़ के बालों से धागा बनाने का काम होता है। इसी धागे से कालीन तैयार होता है। 50 फीसदी टैरिफ के बाद अमेरिका से कालीन के ऑर्डर लगभग बंद हो गए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के भदोही सहित देशभर में कालीन उद्योग संकट में आ गया है। इसी का सीधा असर बीकानेर और ब्यावर में भी दिखाई दे रहा है। भारतीय सामानों पर 27 अगस्त को अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। इसका असर अब उन भारतीय कारोबार पर दिखने लगा है, जिनका माल अमेरिका एक्सपोर्ट होता था। टैरिफ लगने से भारत के प्रोडक्ट महंगे हो गए। लिहाजा अमेरिकी बाजार में उनकी डिमांड कम होना तय है। एक्सपोर्ट रुकने से प्रोडक्शन घटेगा, इससे रोजगार पर संकट आ रहा है।

बीकानेर में धागा बनाने की फैक्ट्री के संचालक संजय राठी का कहना है कि पिछले एक महीने से हम सिर्फ धागा बना रहे हैं। इसका एक्सपोर्ट नहीं कर रहे। पहले बना धागा अगर एक्सपोर्ट नहीं होगा तो हम किसके लिए बनाएंगे। बीकानेर की अधिकांश धागा बनाने वाली फैक्ट्रियां जैसे-तैसे काम तो कर रही हैं, लेकिन आगे माल नहीं जा रहा। ऐसे में कब तक इसका स्टॉक किया जा सकता है। हालात देखते हुए आने वाले दिनों में धागा बनाने का काम बंद करना पड़ सकता है। केंद्र सरकार अगर वित्तीय सहायता नहीं देगी, तो ये उद्योग बंद हो सकता है। वूलन और यार्न फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूर बिहार व अन्य प्रदेशों से आते हैं। फैक्टरी मालिक ऑर्डर नहीं होते हुए भी काम करवा रहे हैं, ताकि मजदूर यहीं रहें। उन्हें डर है कि अगर ये मजदूर चले गए तो वापस नहीं आएंगे। अगर टैरिफ वार खत्म होने के बाद कालीन उद्योग के अच्छे दिन आ भी गए तो उन्हें मजदूर नहीं मिलेगा। इस डर से फिलहाल स्टॉक तो बढ़ाया जा रहा है, लेकिन एक्सपोर्ट नहीं होने से स्टॉक जस का तस पड़ा है।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े जय सेठिया का कहना है कि कालीन बनाने वाले अधिकांश ऑर्डर होल्ड पर आ गए हैं। ऐसे में कालीन नहीं बन रहे हैं। इसके कारण धागे के ऑर्डर भी होल्ड पर आ गए हैं। बीकानेर की 300 से ज्यादा फैक्ट्रियों में 150 से 200 करोड़ के ऑर्डर होल्ड पर हैं। धीरे-धीरे यूनिट्स बंद हो रही हैं। टैरिफ लगने से पहले दो-तीन महीने के ऑर्डर एडवांस चल रहे थे, लेकिन अब धीरे-धीरे रुक गए हैं। सिर्फ लेबर को बनाए रखने के लिए काम करवा रहे हैं। ये भी कब तक चलेगा।

एसोसिएशन अध्यक्ष कमल कल्ला का कहना है कि व्यापारी और फैक्टरी मालिक एक महीने से लेबर से काम करवा रहे हैं, लेकिन ऑर्डर नहीं है। अब कुछ दिन और बिना काम लेबर को रखा जा सकता है। ये लेबर एक बार चली गई तो वापस नहीं आएगी। फिर ऑर्डर होंगे तो भी काम मुश्किल होगा।

वूलन इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारी बृजमोहन चांडक का कहना है कि अमेरिका में घर बड़ा होता है, जिससे कालीन भी बड़ा लगता है। भारत की रेट अमेरिका के हिसाब से किफायती है, लेकिन टैरिफ के बाद कीमतें बढ़ गई हैं, इससे माल का रुकना तय है। इसका सीधा असर फैक्ट्रियों पर पड़ रहा है और हमारी रफ्तार धीमी पड़ कर जल्द ही यार्न इंडस्ट्री खत्म हो जाएगी।

पॉक्सो के दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म मामले में पॉक्सो कोर्ट ने दोषी को आजीवन उम्रकैद की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में दोषी सुखपाल जाट सात साल की बच्ची को बहला फुसला कर ले गया था। वहां पहले उसकी अश्लील फोटो लिए फिर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची घर आई तो गुमसुम रहने लगी। मां ने प्यार से पूछा तो बच्ची ने हेवानीयत के बारे में खुलासा कर दिया। पुलिस में मामला दर्ज कराया गया। दोषी सुखपाल जाट को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय जिला परिषद, कोटा
(महात्मा गांधी नरेगा)
सी.ए.डी. सर्किल, कोटा (राजस्थान), फोन. नं. 0744-2503588, ई-मेल : pd-kot-rj@nic.in

क्रमांक :- एफ/स्टोर/2025-26/117 दिनांक :- 09/09/2025

बोली आमंत्रण सूचना

कार्यालय जिला परिषद कोटा (महात्मा गांधी नरेगा प्रकोष्ठ) में लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय करने हेतु निविदा दिनांक 15.09.2025 को दोपहर 03:00 PM तक आमन्त्रित की जाती है। जो इसी दिनांक को सांय 05:00 PM पर खोली जावेगी।

बोली के क्रम में अन्य विवरण लोक उपापन पोर्टल **https://sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है। **NIB कोड -ZKT2526A0085**
UBN कोड - ZKT2526GSOE00474

अति० जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद् कोटा
राज.संवाद/सी/25/9767

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483 पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.) फोन न. :0291-2742336 फैक्स न. : 0291-2745259
ईमेल : secssjodhpur@gmail.com, वेबसाईट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

No. : Jd.VVNL/SE(CSS)/JU/XEN(RDSS-I)/D. Dated :

ई-निविदा सूचना

टी.एन.टी.डब्लू.-782 (UBN-JVV2526SLOB00502) के माध्यम से विद्युत वितरण क्षेत्र की पुर्नोत्थान संशोधित सुधार- बद्ध परिणाम-आधारित योजना के तहत जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. को परियोजना प्रबंधन में सहायता और समर्थन के लिए एवं परामर्श सेवाएं प्रदान करने के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) की नियुक्ति के लिए पात्र बोलीदाताओं से दो भाग (तकनीकी-वाणिज्यिक एवं मूल्य बोली) में ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की अनुमानित लागत 34.88 करोड़ रुपये है।

निविदा संख्या निविदा लागत, बोली सुरक्षा राशि, निविदा खोलने की तिथि आदि के बारे में विवरण वेबसाइट **http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, http://sppp.rajasthan.gov** पर उपलब्ध हैं। बोलीदाताओं से, उनके अपने हित में, वेबसाइट **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर ऑनलाइन बोली जमा करने से पहले निविदा दस्तावेजों को बहुत ध्यान से पढ़ने का अनुरोध किया जाता है।

नोट : इच्छुक बोलीदाता कृपया ध्यान दें कि भविष्य में उपरोक्त निविदाओं के लिए संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/तिथि विस्तार आदि के संबंध में कोई अन्य सूचना केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर उपलब्ध होगी।

राज.संवाद/सी/25/9734 अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

80 लाख का डोडा-चूरा पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। आईपीएस माधव उपाध्याय सीओ सदर के नेतृत्व ने मंगरोप थाना पुलिस ने 80 लाख रूपये का डोडा-चूरा पकड़ा। वहीं एक लग्जरी कार जब्त करने में सफलता हासिल की है। आईपीएस उपाध्याय ने बताया कि भीलवाड़ा-चित्तौड़ राजमार्ग पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। एक स्कॉर्पियो वाहन को भी किया जब्त किया है। स्कॉर्पियो वाहन से 24 कट्टे में भरा 4 क्विंटल 46 किलो डोडा-चूरा जब्त किया गया। तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए थे।

डीडवाना कलेक्टर, एसडीएम और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश

- आठ साल से अदालत की आदेशों की पालना नहीं करने पर कोर्ट ने फैसला सुनाया
- वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले की आठ साल से पालना नहीं की जा रही थी, कोर्ट ने इसे न्यायालय की अवमानना माना

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना के अपर जिला न्यायाधीश ने बड़ा फैसला सुनाते हुए डीडवाना जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने वक्फ से जुड़े एक मामले में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 8 सालों से बार बार जारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं करने पर फैसला दिया है। न्यायालय ने प्रशासनिक अधिकारियों को कोर्ट की अवमानना का दोषी मानते हुए तीनों अधिकारियों की गाड़ियों को कुर्क करने के आदेश दिए हैं।

कोर्ट ने अपने फैसले में जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी और तहसीलदार तीनों को ही लापरवाह अधिकारी बताया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय में 8 सालों से लंबित प्रकरण में बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासनिक अधिकारी केवल खानापूर्ति कर अगली तारीख प्राप्त कर मामले को टरकाने का प्रयास कर रहे हैं और अपने कर्तव्य से विमुख हो रहे हैं। यह अधिकारी जान बुझकर इजराय की पालना नहीं कर रहे हैं। ऐसे में प्रशासन के इन लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

अपर सेशन न्यायाधीश ने वक्फ कमेटी डीडवाना बनाम राज्य सरकार के मामले में दायर इजराय याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा है कि राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण जयपुर ने सिविल वाद संख्या 43/2003 में 21 दिसंबर 2015 को फैसला सुनाते हुए यह आदेश दिया था कि गजट नोटिफिकेशन में डीडवाना में वर्णित भूमि कब्रिस्तान की वक्फ जायदाद है तथा गजट नोटिफिकेशन के अनुसार जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी व तहसीलदार इस कब्रिस्तान की भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करें तथा कब्रिस्तान की भूमि में किसी प्रकार की तब्दील करने व उसको किसी को अंतरण करने के लिए वह शाश्वत कल तक विरत रहेंगे।

उक्त निर्णय की पालना के लिए अपर जिला न्यायाधीश की अदालत में वर्ष 2016 में इजराय याचिका दायर की गई थी। इस याचिका के बाद न्यायालय ने राजस्थान वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णय की पालना के लिए उपखंड अधिकारी, जिला कलेक्टर व तहसीलदार को बार-बार पत्र लिखे, वहीं 4 जून 2025 को जिला कलक्टर डीडवाना- कुचामन को उक्त आदेश की क्रियान्विति के लिए तहरीर भी जारी की थी, वहीं 7 जुलाई 2025 को उक्त आदेश की पालना हेतु हुकमनामा भी जारी किया गया था। इसके बावजूद डीडवाना-कुचामन प्रशासन की ओर से इजराय की पालना में कोई कार्य नहीं किया गया, जबकि इस न्यायालय के आदेश समीचीन है।

कोर्ट ने माना कि ऐसा प्रतीत होता है कि इस प्रकरण में पारित निर्णय की प्रशासनिक अधिकारी क्रियान्वित करना ही नहीं चाहते, जबकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इजराय प्रकरणों को 6 माह में निस्तारित करने का आदेश है। साथ ही हस्तगत प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायालय के लक्षित प्रकरणों के संबंध में राष्ट्रीय कार्य योजना (चतुर्थ) में भी यह प्रकरण अपना स्थान रखता है।

यह प्रकरण भी 8 सालों से लंबित है और बार-बार आदेश जारी होने के पश्चात भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। इस पर कोर्ट ने इस मामले में जारी हुकुम नामों की पालना न करने को अवमानना की श्रेणी में मानते हुए कहा कि प्रशासन के लापरवाह अधिकारियों को न्यायालय के आदेश न मानने की खुली छूट नहीं दी जा सकती, लिहाजा न्यायालय ने इजरायल की पुष्टि के लिए धारा 51 सीपीसी सपठित आदेश 21 नियम 32 के तहत डिक्री की पालना के लिए जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन, उपखंड अधिकारी डीडवाना और तहसीलदार डीडवाना के वाहनों को कुर्क करने का आदेश दिया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PWD DIVISION DHOLPUR
Notice Inviting Bid

File No. 1742-1747 Date: 01.09.2025

NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11420
NIB CODE PWD2526A3041 and UBN is: PWD2526WSOB11423

Bids For NIT No. 07/2025-26 Mise. Work of PWD Division Dholpur of subject matter(s) of Procurement are Invited from interested bidders date 07.09.2025 11.00 AM to Date 14.09.2025 upto 6.00 Noon. Other particulars of the id may be visited on the procurement portel (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppps.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 50.05 Lacs.

(Naresh chand Meena)
Executive Engineer
PWD Division Dholpur

DIPR/C/13149/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर

क्रमांक-1560 दिनांक-03.09.2025

Short Term Notice Inviting Bid: 17/2025-26

Bid for "Construction of RUB at 231/9-10 Lalgarh Bikaner (Risk and Cost)" are invited from interested bidders from 03.09.2025 (09.30 AM) to 13.09.2025 (06.00 PM) & Open date 15.09.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 155.92 Lakh.

UBN NO. PWD2526WSOB11519

Executive Engineer
PWD City Division, Bikaner

DIPR/C/13126/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड उदयपुर

क्रमांक-टीएस/डी-10 दिनांक-29.08.2025

निविदा सूचना संख्या-10/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विद्युत कार्य (4) अनुमानित राशि 205.75 लाख में दोष निवारण एवं उनके सुधार (मय डीएलपी अवधि) शर्त सहित सार्वजनिक निर्माण विभाग में उपर्युक्त श्रेणी एवं उप श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निर्धारित प्रपत्र में निविदा दिनांक 16.09.2025 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://dipr.rajasthan.gov.in/tender.asp व www.eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल http://sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर अपलोड किये जायेंगे।

NIB CODE: PWD2526A3023, UBN NO. PWD2526WSOB11368, 70, 73, 76

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. विद्युत खण्ड उदयपुर

DIPR/C/12949/2025

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त जयपुर

क्रमांक-1933 दिनांक-29.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 04/2025-26
UBN NO. WRD2526WSOB00920, NIB CODE NO. WRD2526A0378

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Rehabilitation of New Tank Maheshwa Irrigation Project District: Karauli जिसकी अनुमानित लागत 166.01 लाख हे। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 29.08.2025 से दिनांक 15.09.2025 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सक्ती है। निविदा की तकनिकी बिड दिनांक 16.09.2025 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेबसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से देख जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत्त जयपुर

DIPR/C/12943/2025

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनू (राज.)

क्रमांक :-एफ(5)( )विकास/2025-26/10247 दिनांक :- 04.09.2025

ई-निविदा संख्या 10/2025-26
(NIB Code- DLB2526A5467)
कुल राशि - 25.49 लाख

निविदा की कुल लागत (लाखो में)	2549000/-
कुल धरोहर राशि 2 प्रतिशत (रूपये में)	50980/-
कुल धरोहर राशि 1/2 प्रतिशत (रूपये में)	12745/-
निविदा डाउनलोड करने की तिथि	05.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा अपलोड करने की तिथि	05.08.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 15.09.2025 प्रातः 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	15.09.2025 दोपहर 2.00 बजे

निविदा सूचना इंटरनेट साईट **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.raj.nic.in** वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद झुन्झुनू

राज.संवाद/सी/25/9687

राजस्थान सरकार
कार्यालय राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग, जयपुर
सार्वजनिक विज्ञप्ति

माननीय उच्चतम न्यायालय में योजित रिट पिटीशिन (सिविल) संख्या 278/2022 सुरेश महाजन बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य में पारित आदेश दिनांक 10.05.2022 की अनुपालना में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के आदेश क्रमांक एफ11()/रा.रा.पि.वर्ग (राजनैतिक)/बीसी/सान्याअवि/2025/33822 राजकाज रेफरेंस नं. 13616326 दिनांक 09.05.2025 द्वारा राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की पिछड़ेपन की प्रकृति एवं उसके निहितार्थो की अनुभवजन्य तरीके से गहन जाच/अध्ययन के आधार पर पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकाय संस्थाओं के निर्वाचनों में अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के संबंधि में अनुशंषाएं प्रस्तुत किये जाने हेतु श्री मदन लाल भाटी सेवानिवृत न्यायाधीश की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय आयोग का गठन किया गया है। गठनोपरांत आयोग द्वारा इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान द्वितीय तल, जेएल एन मार्ग जयपुर में स्थित कार्यालय में अपना कार्य शुरू कर दिया गया है।

राज्य के जन साधारण/अन्य पिछ्डा वर्ग के कल्याण हेतु कार्यरत संस्थाओं/हितबद्ध व्यक्तियों से आयोग की अपील है कि राज्य के अन्य पिछ्डा वर्ग के पिछ्डेपन के अध्ययन के संबंध में अपना प्रत्यावेदन/सुझाव आयोग की E-MAIL ID obccommission25gmail.com पर अथवा जरिये डाक या किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है।

(अशोक कुमार जैन)
सचिव (सलाहकार)
राजस्थान राज्य अन्य पिछडा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग जयपुर (राजस्थान)

DIPR/C/13223/2025

सरपंच पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। सांगवा सरपंच उदयराम गाडरी और उनके परिजनों पर हुए हमले के विरोध में ग्रामीण गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ कठोर सजा दिलाने की मांग की है। सरपंच उदयराम गाडरी से जबरदस्ती पट्टा बनवाने के मामले में उन पर हुए जानलेवा हमला कर दिया। यहां तक कि जिस तरह से उन पर गैंग बनाकर हमला किया गया उससे लगता है कि आरोपियों को कानून व्यवस्था का किसी तरह खौफ नहीं है। अगर ग्रामीण बीच में नहीं आते तो हमलावर सरपंच उदयराम गाडरी की हत्या तक कर सकते थे। सरपंच गाडरी के परिवार की महिलाओं के साथ भी बदसलूकी की गई है।

एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामला : बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी

- भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के एएनएम भंवरी देवी हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट आदेश के पौने दो साल बाद भी उसके बेटे और बेटियों को पेंशन नहीं दी गई है। इस पर भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत ने 3 सितंबर को हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। उनके वकील का कहना है कि वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है। याचिका पर 9 सितंबर को जस्टिस रेखा बोराणा की कोर्ट ने सुनवाई करते हुए जोधपुर सीएमएचओ सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। कोर्ट ने 7 दिन के अंदर आवश्यक कागजात दाखिल करने के निर्देश दिए है। इसके बाद सुनवाई की अगली तारीख तय की जाएगी।

सरकार ने भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा पर नौकरी दी थी, लेकिन मृत्यु प्रमाण पत्र न होने के कारण पेंशन चालू नहीं की गई थी। याचिकाकर्ता भंवरी देवी के बेटे साहिल पेमावत की ओर से वकील यशपाल खिलेरी ने याचिका लगाई थी। शिकायत अनुसार जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस ने भंवरी देवी का मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं होने का बहाना बनाकर मामले को अटका रखा है। तत्कालीन जोधपुर सीएमएचओ ने ही 16 जनवरी 2012 को आदेश जारी कर भंवरी देवी को मृत मानकर उसे सेवा से पृथक करने का आदेश जारी किया था। इसके अलावा चिकित्सा विभाग ने 28 फरवरी 2012 को अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी कर भंवरी देवी के बेटे साहिल को अनुकंपा नियुक्ति भी दी थी।

एडवोकेट खिलेरी के अनुसार वर्तमान जोधपुर सीएमएचओ ऑफिस भंवरी देवी को मृत मानने को तैयार नहीं है और न ही अधीनस्थ कोर्ट से भंवरी देवी की मूल सेवा पुस्तिका लेने के लिए कोई कार्रवाई की है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार एक तरफ भंवरी देवी की हत्या का केस ट्रायल कोर्ट में साल 2011 से चल रहा है। दूसरी तरफ मृत्यु नहीं मानकर पेंशन और सेवानिवृत्ति परिलाभ नहीं देना चिकित्सा विभाग की गंभीर असंवेदनशीलता है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगर खण्ड उदयपुर

क्रमांक-1292 दिनांक-28.08.2025

NIT NO. 10/2025-26
Notice Inviting Bid No. PWD2526A3003

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगर खण्ड उदयपुर के अधीन उपखण्ड प्रथम, द्वितीय, चतुर्थ एवं पंचम के अन्तर्गत भवन निर्माण/भवन सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त पात्र श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष से पांच वर्ष की गारण्टी अवधि सहित निम्न कार्यो की निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	भवन कार्य-कुल सात (07) कार्य
निविदा की कुल लागत	राशि रू. 344.54 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	04.09.2025 प्रात 9.30 बजे से 14.09.2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	15.09.2025 सायं 4.00 बजे से

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट "http://dipr.rajasthan.gov.in", "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "sppp.rajasthan.gov.in" पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया "http://eproc.rajasthan.gov.in" पर ऑनलाइन सम्पादित की जावेगी।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB11275, 2. PWD2526WSOB11276, 3. PWD2526WSOB11277, 4. PWD2526WSOB11278, 5. PWD2526WSOB11283, 6. PWD2526WSOB11285, 7. PWD2526WSOB11286

(आर.के.मुंदडा)
अधिशाषी अभियंता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
नगर खण्ड उदयपुर

DIPR/C/12897/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बस्सी (जयपुर)

क्रमांक-952 **ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26** दिनांक-03.09.2025

निविदा के कार्य का नाम	-	1. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-01/SDRF Bassi/2025-26) 2. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-02/SDRF Bassi/2025-26) 3. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-I under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-03/SDRF Bassi/2025-26) 4. Rate Contract for Flood Restoration Work on Various Roads in Sub Dn-Bassi-II under PWD Dn-Bassi (Package No. RJ-16-04/SDRF Bassi/2025-26)
निविदा राशि	-	180.12 लाख रूपये।
धरोहर राशि	-	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत (360240.00) एवं 1/2 प्रतिशत (90060.00)
प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	-	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आन लाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क-8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क- 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि- 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 4533
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा शुल्क जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	-	गुरूवार, 04 सितम्बर, 2025 प्रात 9.30 बजे से सोमवार 15 सितम्बर 2025 दोपहर 12.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	-	सोमवार 15 सितम्बर, 2025 को सायं 04.00 बजे।

UBN NO. PWD2526WSOB11616, PWD2526WSOB11617, PWD2526WSOB11618, PWD2526WSOB11619

(दिनेश कुमार मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड-बस्सी (जयपुर)

DIPR/C/13299/2025

कुत्ते ने एक किमी की दूरी में तीन साल के बच्चे सहित चार जनों को काटा

कुत्ते (श्वान) ने बच्चे के होंठ को बुरी तरह नोच डाला, जिससे बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है

- घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के नयागांव उपखंड क्षेत्र के पहाड़ा और करावाडा ग्राम पंचायत में कुत्ते (श्वान) ने एक किलोमीटर के दायरे में चार लोगों पर हमला कर उन्हें काट लिया, जिनमें एक 3 साल का बच्चा भी शामिल है। बच्चे के होंठ को कुत्ते ने बुरी तरह नोच डाला जिससे उसकी हालत गंभीर है। 11 वीं कक्षा के एक छात्र पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने छात्र के हाथ और पैर पर काट लिया। कुत्ते के हमले में घायल हुए सभी लोगों को पहाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उनका इलाज किया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्साधिकारी रवि कुमार ने बताया कि दोपहर में कुत्ते ने सबसे पहले रितिका (18) को काटा, जिसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने उसे बचाया। इसके बाद कुत्ते ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के मुख्य गेट के पास कक्षा 11वीं के छात्र आनंद डामोर पर हमला कर दिया, जिसे अध्यापकों और विद्यार्थियों ने मिलकर बचाया। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पहाड़ा अस्पताल ले जाया गया। पहाड़ा से करीब एक किलोमीटर दूर करावाड़ा पंचायत में भी कुत्ते ने दो लोगों को काटा। करावाड़ा माताजी मंदिर के पास कुत्ते ने देवी (85) को काट लिया जबकि कुछ ही देर बाद उसी गांव में कुत्ते ने बृज (3) के पैर में काट लिया, उसके होंठ को भी नुकसान पहुंचाया। इन दोनों का भी उपचार पहाड़ा में ही किया गया।

पहाड़ा पीएचसी के चिकित्सा अधिकारी रवि कुमार ने बताया कि पीएचसी पर कुत्ते के काटने से घायल हुए सभी चार लोगों का उपचार किया गया और उन्हें एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए गए। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द आवारा कुत्ते को पकड़ने की मांग की है।

कक्षा 11 वीं के छात्र आनंद डामोर ने बताया कि जब वह पहाड़ा स्कूल पहुंचा तो गेट पर एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और उसे काट लिया। आनंद ने शोर मचाया जिसके बाद स्कूल का स्टाफ और अन्य छात्र उसकी मदद के लिए आए और उसे कुत्ते से बचाया। आनंद ने बताया कि उसने तुरंत अपने चाचा को फोन करके घटना की जानकारी दी जिसके बाद उसे पहले पहाड़ा स्कूल में उपचार कराया गया और फिर बेहतर इलाज के लिए गुजरात ले जाया गया।

पहाड़ा सरपंच बिंदू गरासिया ने बताया कि कुत्ते ने स्कूली बच्चों पर हमला किया और इसके बाद उसने करावाड़ा में भी लोगों को काटा। सरपंच ने बताया कि उनकी पंचायत में कुत्ता पकड़ने के लिए कोई संसाधन उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि इस समस्या के बारे में 181 राजस्थान सम्पर्क पर शिकायत दर्ज कराई गई है।

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियन्त्रण मण्डल
प्लॉट संख्या 14-15, मीणा कॉलोनी, जेल के पीछे, सवाई माधोपुर (राज.) 322001

क्रमांक :- रा.प्र.नि.मं./क्षे.का./स.मा./स.मा.-64/ दिनांक :-

आम सूचना

एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी देने पर 15000/- का पुरस्कार

राज्य सरकार द्वारा सम्पूर्ण राज्य में प्लास्टिक कैरी बैग के उत्पादन, भण्डारण, वितरण, परिवहन एवं आयात पर प्रतिबन्ध लगाया हुआ है। साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक यथा प्लास्टिक स्टिक वाले इयर बड्स, गुब्बारे वाली प्लास्टिक स्टिक, प्लास्टिक झंडे कैंडी एवं आइस क्रीम की प्लास्टिक स्टिक, सजावट हेतु थर्मोकोल (polystyrenc), प्लास्टिक प्लेट्स, प्लास्टिक कप, प्लास्टिक ग्लासेज, प्लास्टिक कटलरी जैसे कि चम्मच, कांटे, चाकू, स्ट्रॉ, मिठाई बॉक्स हेतु रैपिंग और पैकिंग फिल्म तथा 120 माइक्रोन से कम मोटाई के प्लास्टिक कैरी बैग एवं 100 माइक्रोन से कम पीवीसी बैनर्स पर भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 12.08.2021 की पालना में 01 जुलाई 2022 से पूर्णतः प्रतिबन्ध लगाया गया है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (RSPCB) ने एकल उपयोग प्लास्टिक (Single Use Plastic) के उत्पादन को रोकने के उद्देश्य से एक नई पुरस्कार योजना की घोषणा 13.08.2025 को की है। इस योजना के तहत, सवाई माधोपुर एवं करौली जिलों में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण इकाइयों की जानकारी देने वाले व्यक्तियों को 15000/- का नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

इस योजना के अन्तर्गत, यदि किसी व्यक्ति को सवाई माधोपुर एवं करौली जिलो में एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक एकल उपयोग प्लास्टिक के बारे में जानकारी मिलती है, तो वह इस कार्यालय को सूचित कर सकता है। सूचना देने वाले की पहचान को गोपनीय रखा जाएगा और जांच के बार सही जानकारी पाए जाने पर उस व्यक्ति को 15000/- का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। सूचना देने वालों को पुरस्कार पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर दिया जाएगा। एक इकाई के विरूद्ध सिर्फ एक बार ही पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

सूचना देने के लिए निम्नलिखित सम्पर्क विवरणों को उपयोग किया जा सकता है:-
1. फोन नम्बर : 9461239662,
2. ईमेल : **rorpcb.swm@gmail.com**
3. पता : राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, प्लॉट नम्बर 14-15, मीणा कॉलौनी, जेल के पीछे सवाई माधोपुर (राज.) 322001

सभी नागरिकों से अपील करते है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और पर्यावरण को सुरक्षित बनाने में अपना योगदान दें। इस पुरस्कार योजना के माध्यम से हम एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबन्धित प्लास्टिक वस्तुओं के उत्पादन पर कड़ी नजर रखेंगें और इसे समाप्त करते के लिए कठोर कदम उठाएंगे।

हम आषा करते है कि इस योजना से हमें एकल उपयोग प्लास्टिक/प्रतिबंधित प्लास्टिक वस्तुओं की एकल उपयोग प्लास्टिक निर्माण इकाइयों की जानकारी मिल सकेंगी और हम पर्यावरण संरक्षण में एक कदम और आगे बढ़ सकेंगे।

नोटः- उक्त पारितोषिक योजना मण्डल मुख्यालय आदेश F16(Gen-475)RPCB/Plastic/181-210 दिनांक 24.06.2023 एवं F16(Gen-475)RPCB/Plastic/72-78 दिनांक 13.08.2025 में निहित शर्तों के अधीन रहेगी।

धन्यवाद
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, सवाई माधोपुर।

राज.संवाद/सी/25/9748

मुरलीपुरा पुलिस ने दबोचा 10 हजार रुपए का इनामी डकैत

आरोपित ने पिस्तौल के दम पर गैंग के साथ मिलकर लूटे थे 60 लाख रुपए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुरलीपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपए के इनामी डकैत को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने पिस्तौल के दम पर गैंग के साथ मिलकर 60 लाख रुपए लूटे थे। वहीं पुलिस से बचने के लिए आरोपित चार राज्यों में छिपकर फरारी काट रहा था। पुलिस पूर्व में डकैती में शामिल चार बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि मुरलीपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपए के इनामी डकैत सचिन मीणा (20) निवासी बसवा जिला दौसा को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपित ने राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में छिपकर फरारी काटना बताया है।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि मुरलीपुरा के विकास नगर निवासी चन्द्रशेखर ने नौ मई को डकैती का मामला दर्ज करवाया था कि आरटीजीएस के बहाने रुपयों को इकट्ठा करवा कर गैंग सरगना तिलक लोहिया ने बुलाया। जहां मास्टरमाइंड तिलक ने अपने चार साथियों के साथ मिलकर पिस्तौल के दम पर डकैती डाली और 60 लाख रुपए का बैग लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने मास्टरमाइंड तिलक लोहिया को दिल्ली के आया नगर बस स्टेंड से धर-दबोचा। जिसके कब्जे से 44 लाख रुपए बरामद किए गए। वहीं डकैती में शामिल बदमाश तिलक, अजयदान और अर्चना सिंह को भी पुलिस ने धर-दबोचा। लूट के मामले में बदमाश सचिन मीणा फरार चल रहा था। पुलिस की ओर से दस हजार रुपए इनाम घोषित कर उसकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी। जहां पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दौसा में दबिश देकर धर-दबोचा।

दस हजार रुपए का इनामी डकैत गिरफ्तार करने में कांस्टेबल अनिल कुमार,पूरणमल और बसवा थाना जिला दौसा के प्रमोद कुमार में विशेष भूमिका रही। इन्होंने आरोपित के निवास स्थान से समन्वय कर हर गतिविधि पर नजर रखर कर काफी प्रयासों के बाद आरोपित को दस्तयाब किया।

मुरलीपुरा थाना पुलिस ने इनामी डकैत को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस से बचने के लिए चार राज्यों में छिपकर काट रहा था फरारी**
- **डकैती के इस मामले में चार बदमाश पूर्व में हो चुके हैं गिरफ्तार**

शहीद स्मारक पर धरना देकर विरोध जताएंगे कर्मचारी

जयपुर (कासं)। महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बजट घोषणाओं को पूरा नहीं करने से विभिन्न विभागों में कार्यरत राज्य कर्मचारियों के साथ साथ निविदा, संविदा, प्लेसमेंट एजेंसी तथा मंत्रालयिक, जेल प्रहरियों आदि कर्मचारियों में गहरा आक्रोश है। इन कर्मचारियों की नाराज़गी अब आंदोलन का रूप ले रही है। इस मामले को लेकर 24 सितंबर को एम.आई. रोड स्थित शहीद स्मारक पर धरना देकर कर्मचारी विरोध जताएंगे।

गजेन्द्र सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा दो-दो बार बजट घोषणा को पूरी करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा डेडलाइन जारी करने के बावजूद कर्मचारियों से जुड़े निर्णयों को विभागों द्वारा लागू नहीं किया गया है। यह सीधा-सीधा कर्मचारियों के साथ छलावा है। इन्हीं मुद्दों को लेकर महासंघ एकीकृत के प्रदेश कार्यालय राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय जयपुर पर महासंघ की आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में पदाधिकारियों द्वारा सरकार द्वारा बजट में की गई घोषणाओं को पूरा नहीं करने पर रोष व्याप्त किया गया। प्रदेश महामंत्री मोहनलाल शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने बजट के दौरान अपनी घोषणा में कहा था कि प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्मिकों को संविदा पर नियोजित किये जाने की व्यवस्था को चरणबद्ध रूप से समाप्त कर कार्मिक विभाग के अधीन राजकीय संस्था का गठन कर ठेकेदारों के शोषण से मुक्त करने का वादा किया गया था परंतु अभी तक पालना नहीं हुई।

आइडियाथॉन में एस.के.आई.टी. के छात्रों ने जीता प्रथम पुरस्कार

जयपुर (कासं)। इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी), एसकेआईटी के विद्यार्थियों ने लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय आइडियाथॉन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर संस्थान एवं प्रदेश का नाम रोशन किया है।

दो दिवसीय इस कार्यक्रम में पहले दिन प्रतिभागी टीमों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनमें से चयनित टीमों को दूसरे दिन अंतिम प्रस्तुति का अवसर मिला। इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राजस्थान के युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, सांसद मंजू शर्मा एवं विधायक गोपाल शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में 13 राज्यों के 30 से अधिक शहरों एवं देशभर के 50 से अधिक विश्वविद्यालयों से कुल 156 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। इनमें एसकेआईटी के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों तनमय व्यास एवं चारु वैष्णव तृतीय वर्ष बी.टेक ने भारतीय रेलवे द्वारा प्रदत्त समस्या का अभिनव समाधान प्रस्तुत कर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। आईआईसी के अध्यक्ष प्रोफेसर मुकेश अरोड़ा (हेड इन्क्यूबेशन सेल) ने छात्रों को बधाई दी एवं मनोबल बढ़ाया । छात्रों ने स्वदेशी एआई-आधारित प्रणाली विकसित की है, जिसमें रीयल-टाइम मैग-टैग्स, एडेप्टिव सेफ स्पीड एवं स्मार्ट शेड्यूलिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ सम्मिलित हैं। यह मेड इन इंडिया, फॉर इंडिया समाधान न केवल लागत को कम करेगा, बल्कि रेलवे संचालन की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाएगा। साथ ही, यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगा।

केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि की प्रशंसा की एवं टीम को वास्तविक रेलवे ट्रैक डेटा उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की। इसके लिए उन्हें उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक से जोड़ा जाएगा, जिससे विद्यार्थी अपनी परियोजना को और अधिक व्यावहारिक रूप से विकसित कर सकें।

प्रदेश में ग्रामीण सेवा शिविर 17 सितंबर से शुरू होंगे

जयपुर । पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने बताया कि ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन 17 सितंबर से किया जाएगा। पूर्व में 18 सितम्बर से आयोजित होने वाले गांव चलो अभियान का नाम अब ''ग्रामीण सेवा शिविर'' किया गया है, जो एक दिन पूर्व 17 सितंबर से प्रारंभ होगा। अभियान के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले शिविर बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार को प्रत्येक दिवस 2 ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जाने है। शेष अभियान के शिविर सप्ताह के प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार एवं शनिवार को प्रत्येक दिवस 2 ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाना है। अभियान की अवधि तब तक होगी जब तक कि प्रत्येक पंचायत समिति की प्रत्येक ग्राम पंचायत में शिविर का आयोजन ना हो जाये। अभियान में सरकारी योजनाओ हेतु आवेदन एवं स्वीकृतियां, स्वास्थ्य शिविर, स्वामित्व योजना के तहत पट्टों हेतु आवेदन, स्वीकृतियां एवं वितरण, दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत 10 हजार और गांव में बीपीएल परिवारों का सर्वे,बिजली तारों एवं खंभों इत्यादि में सुधार के कार्य होंगे।

हैरिटेज निगम ने पांच भवनों का जर्जर हिस्सा ढहाया

किशनपोल जोन ने दूसरे दिन भी जारी रखी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई

जयपुर (कासं)। परकोटे में हो रहे जर्जर भवनों को लेकर हैरिटेज निगम प्रशासन ने लगातार दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी रखी है।

किशनपोल जोन ने सुभाष चौक इलाके में पांच भवनों के जर्जर हिस्से ध्वस्त कर दिया। इस दौरान निगम की इंजीनियरिंग विंग ने जेसीबी की मदद भी ली, वहीं चार अन्य जर्जर भवन को अस्थाई रूप से सीज कर दिया। निगम प्रशासन ने भवन मालिक को सख्त नोटिस भी दिया कि अगर 24 घंटे में भवन की मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया या अपने स्तर पर नहीं गिराया तो निगम की ओर से जर्जर भवन को ध्वस्त कर दिया जाएगा। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई किशनपोल जोन की इंजीनियरिंग विंग में मॉनिटरिंग में की गई, इस दौरान अधिशाषी अभियंता लक्ष्मी नारायण मीणा, सहायक अभियंता मोहम्मद इमरान, कनिष्ठ अभियंता विजेंद्र मीणा सहित अन्य निगम के इंजीनियर मौजूद रहे। इस संबंध में किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रवण वर्मा के निर्देशन में जोन इलाके में जर्जर भवनों का निरीक्षण कर सात भवनों को ध्वस्त के लिए माना, वहीं सात भवनों के रिपेयर के लिए भवन मालिक को नोटिस दिया गया। ऐसे में जोन की इंजीनियरिंग विंग टीम ने बुधवार को दो भवनों के जर्जर हिस्से को ध्वस्त किया, इसके बाद गुरुवार को सुभाष चौक इलाके के रामकुमार धाबाई की गली में पांच जर्जर भवनों को मजदूर और जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। चार अन्य जर्जर भवनों को अस्थाई रूप से सीज किया गया है। जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने बताया कि कमेटी को अन्य जर्जर भवनों के मामले को भी रेफर किया जाएगा, कमेटी की रिपोर्ट के बाद बाकी जर्जर भवनों का मौका निरीक्षण कर आगे भी नियमानुसार ध्वस्त करने की कार्रवाई करेगी।

- **निगम प्रशासन ने चार जर्जर भवन को किया अस्थाई सीज**

हैरिटेज निगम प्रशासन ने सुभाष चौक इलाके में पांच भवनों के जर्जर हिस्से ध्वस्त किए।

आयुक्त ने किया कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण

जयपुर । हैरिटेज निगम आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने गुरुवार को लाल डूंगरी दिल्ली रोड स्थित मॉर्डन कचरा ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान कचरा ट्रांसफर स्टेशन के सिविल निर्माण कार्य में धीमी गति होने पर आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने नाराजगी जाहिर की और निगम अधिकारियों को समय पर गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने बताया कि लाल डूंगरी दिल्ली रोड पर मॉर्डन कचरा ट्रांसफर स्टेशन बनाया जा रहा है। इसका मैकेनिज्म पार्ट बनकर तैयार हो गया है। अब यहां पर सिविल कार्य चल रहा है, जिसे जल्द पूरा करने के निर्देश संबंधित कांट्रेक्टर को दिए है। हेरिटेज निगम के प्रोजेक्ट शाखा अधिशाषी अभियंता मुकेश कुमार चौधरी ने बताया कि मॉर्डन कचरा ट्रांसफर स्टेशन पूर्णतया कवर ट्रांसफर स्टेशन रहेगा। इसके बनने के बाद हूपर के द्वारा यहां वेस्ट सामग्री लाई जाएगी, जिसे जमीन पर गिराए बिना ही दो कैप्सूल नुमा कंटेनर में डाल दिया जाएगा। फिर कंटेनर गाड़ी से जुड़कर सीधा निगम के प्लांट पर चला जाएगा।

सार-समाचार

''डिलिवरिंग इंस्टेंट जस्टिस'' पुस्तक भेंट

जयपुर। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नार्थ अमेरिका के अध्यक्ष प्रेम भंडारी के प्रतिनिधि के रूप में प्लान्टेशन बोर्ड राजस्थान के चेयरमैन सर्वेश्वर शर्मा एवं निदेशक प्रवीण शर्मा ने एवं आध्यात्मिक चिकित्सक तरुण माथुर ने राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल चंचल मिश्रा को पूर्व जज गणपत भंडारी द्वारा लिखित पुस्तकें भेंट की। यह पुस्तकें डिस्ट्रिक्ट जज एवं जो हाईकोर्ट के अधीन आते हैं, को वितरित की जा सकेगी। प्रेम भंडारी ने बताया कि ये पुस्तक पूर्व न्यायाधीश गणपत भंडारी ने लिखी है। इस पुस्तक के बारे में उन्होंने बताया कि भंडारी ने अपने जीवन में 12 हजार ऐसे फैसले किये, जिनका निर्णय भी उसी दिन प्रदान किये। आज देश के कोर्ट में करोड़ों मामले लम्बित है, जो चिंता का विषय है इसे ठीक करने के लिए डिलिवरिंग इंस्टेंट जस्टिस पुस्तक संजीविनी का कार्य कर सकती है। अगर कोर्ट के लंबित मामलों की समय पर सुनवाई हो जाये तो देश की जी.डी.पी.में 2 प्रतिशत का बदलाव आ सकता है। इस सुअवसर पर प्रेम भंडारी ने भारत सरकार के कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को मीडिया के माध्यम से आग्रह किया किया है कि देश के संमस्त हाइकॉर्ट्स से जुड़े हर न्यायालय तक इस पुस्तक का वितरण विधि मंत्रालय द्वारा किया जाना चाहिए। भंडारी ने कहा कि विधि मंत्रालय का लक्ष्य होना चाइए कि इस पुस्तक को में देश की बड़ी से बड़ी और छोटी से छोटी न्यायपालिका तक पहुंचाने जाए।

झोटवाड़ा में रेलवे कार्यों को मिलेगी रफ्तार

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में रेलवे से जुड़े विकास कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। कैबिनेट मंत्री व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर क्षेत्र के कई महत्त्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक के दौरान कर्नल राठौड़ ने कनकपुरा रेलवे स्टेशन को आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी और यात्रीभार को देखते हुए स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएं जरूरी हैं। उन्होंने क्षेत्र के प्रमुख लेवल क्रॉसिंग पर लंबित (रेलवे ओवरब्रिज)/ (रेलवे अंडरब्रिज) परियोजनाओं को भी शीघ्रता से पूरा करने का आग्रह किया। इनमें सिरसी हाथोज लिंक रोड, बिन्दायका, धान्क्या, बेगस-पचार रोड, बोबास, आसलपुर और ढीण्ढा जैसे स्थान शामिल हैं। कर्नल राठौड़ ने बोबास रेलवे स्टेशन पर जयपुर-फुलेरा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 59629) समेत अन्य ट्रेनों के ठहराव की भी मांग रखी, जिससे स्थानीय यात्रियों को सुविधा मिल सके। बैठक में बिन्दायका, श्योसिंहपुरा और ढीढ़ा जैसे नॉन-इलेक्ट्रिफाइड स्टेशनों के विद्युतीकरण और समस्त स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विकास पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर कर्नल राठौड़ ने कहा, झोटवाड़ा की जनता को सुगम यातायात, आधुनिक स्टेशन सुविधाएं और बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने आशा जताई कि रेल मंत्रालय इन परियोजनाओं को प्राथमिकता से आगे बढ़ाएगा।

उम्रकैद की सजा काट रहा बंदी फरार

जयपुर । मालपुरा गेट थाना इलाके में स्थित सांगानेर खुला बंदी शिविर से एक कैदी भाग गया। फरार कैदी जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा था। सुबह कैदियों की गिनती के दौरान उसके फरार होने का पता चला। जेल प्रशासन की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस फरार कैदी की तलाश में जुटी है। जांच अधिकारी पुलिस हेड कांस्टेबल धोली बाई ने बताया कि डॉ. संपूर्णानंद बंदी खुला शिविर सांगानेर के जेल प्रहरी हेमराज वैष्णव ने मामला दर्ज करवाया है कि फरार कैदी फुलचन्द (44) नि खेतड़ी जिला झुंझुनू का रहने वाला है और वह सांगानेर खुली जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। बुधवार को कैदी फूलचंद रॉल-कॉल के समय गिनती करने पर मौजूद नहीं था। कैदी फूलचंद को उसके आवास और आस-पास तलाश किया। लेकिन वह गायब मिला। उसका मोबाइल नंबर भी बंद मिला। रात के अंधेरे में कैदी के फरार होने की सूचना जेल अफसरों को दी गई। जेल प्रशासन की ओर फरार कैदी की तलाश की गई। लेकिन उसका पता नहीं लग सका। मालपुरा गेट थाने में फरार कैदी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस की एक टीम बंदी के सम्भावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

खेल कोटे की भर्ती में आंशिक संशोधन

जयपुर । पुलिस भर्ती एवं पदोन्नित बोर्ड ने कांस्टेबल उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटा भर्ती-2025 के लिए एक महत्वपूर्ण संशोधन किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बिपिन कुमार पाण्डेय ने बताया कि 167 पदों पर जारी भर्ती की विज्ञिप्त में खेल-वार रिक्त पदों के वर्गीकरण में बदलाव किया गया है। यह संशोधन केवल पदों के वर्गीकरण से संबंधित है। भर्ती की अन्य सभी शर्तें और प्रावधान पहले की तरह ही रहेंगे। संशोधित और पूरी जानकारी पुलिस विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वेबसाइट पर जाकर संशोधित विज्ञिप्त को ध्यान से देख लें।

टैंडर में आई सिंगल फर्म को कार्यादेश देने की तैयारी!

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के जोन-7 में सड़क निर्माण के टैंडर में सिंगल फर्म को कार्यादेश देने की तैयारी चल रही है। यूं तो निविदा की वित्तीय बिड खुले करीब 15 दिन बीते चुके हैं, परंतु जेडीए प्रशासन ने निविदा निरस्त करने जैसा कोई कदम नहीं उठाया है। जबकि पिछले दिनों जोन 14 में नाले के बॉक्स डालने के टैंडर में जब सिंगल फर्म ने भाग लिया था तो जेडीए प्रशासन ने तत्काल निविदा रद्द कर दी थी।

सूत्रों ने बताया कि झोटवाडा विधानसभा क्षेत्र की कॉलोनियों मूर्ति नगर, ढाका नगर, लक्ष्मी नगर-डी और शेखावत कॉलोनी की सड़क बनाने के लिए जेडीए के जोन-7 प्रशासन ने पिछले दिनों 2.65 करोड की निविदा लगाई थी, इस टैंडर में सिर्फ अकेली फर्म मैसर्स सरस्वती कंस्ट्रक्शन कंपनी ने भाग लिया। इस फर्म ने करीब 17.89 प्रतिशत कम दर पर यह कार्य करने की सहमति दी है। परंतु हैरानी की बात यह है कि टैंडर में सिर्फ एक फर्म के शामिल होने के कारण फेयर कम्पीटिशन नहीं हुआ, इसके बावजूद भी अधिकारी इस फर्म को ठेका देने की तैयारी में जुटे हुए है। चूंकि आर.टी.पी.पी. एक्ट के मुताबिक निविदाओं में सिंगल फर्म को कार्यादेश नहीं दिया जा सकता। देखा जाए तो निविदा की तकनीकी बिड खोलते समय ही अधिकारियों को यह मालूम पड़ जाता है कि कितनी फर्मों ने इस टैंडर में भाग लिया है। पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जेडीए प्रशासन भी सिंगल फर्म वाली निविदाओं को रद्द करता आया है।

- **झोटवाड़ा क्षेत्र की कॉलोनियों में 2.65 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण के टैंडर का मामला**

निगम ने अतिक्रमण हटाकर 9 ट्रक सामान जब्त किया

जयपुर । हैरिटेज निगम की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9 ट्रक सामान जब्त कर लिया, साथ ही निगम दस्ते ने 20 हजार रुपए परिवहन शुल्क वसूल किया है। हैरिटेज निगम उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सतर्कता शाखा ने गुरुवार को छोटी चौपड़, चांदपोल, संजय सर्किल, जनाना अस्पताल, झोटवाड़ा, पीतल फैक्ट्री, शास्त्री नगर, संसार चंद्र रोड, सी स्कीम, सचिवालय, हाईकोर्ट, पांच बत्ती, चौड़ा रास्ता, बापू बाजार, लिंक रोड, जल महल क्षेत्र में कार्रवाई की।

शातिर नकबजन गैंग का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

जयपुर । शिप्रा पथ पुलिस ने शातिर नकबजन गैंग का पर्दाफाश कर दो शातिर नकबजनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नकदी समेत लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए है। शातिर नकबजनों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए महिला के वेश में वारदात को अंजाम दिया है। ताकी सीसीटीवी फुटेज से बचा जा सकें। पुलिस ने दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर गैंग के अन्य लोगों के बारे में पूछताछ शुरु कर दी है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि गत 7 सितम्बर को परिवादी दीपक राघव ने घर में चोरी होने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने करीब 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें एक महिला के कपड़े और दुसरा आरोपी बैडशीट ओढे नजर आया। मुखबिर व तकनीकी सूचना के आधार पर आरोपियों को डिटेन कर दबिश देकर मुख्य आरोपी जीतराम उर्फ जीतू खटीक (23) खटिको का मोहल्ला लाम्बा ,टोडारासिंह ,टोंक हाल राजीव आवास योजना ,कीरो की ढाणी, मुहाना निवासी व सह अभियुक्त राजा सिंह (22) पुत्र प्रभु सिंह, मोतिहारी बिहार , हाल प्रधान वाटिका सुमेर नगर ,मुहाना निवासी को दबोच लिया।

शहरी सहकारी बैंक अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का कार्य करें : हरिभाऊ बागड़े

डेनमार्क में सहकारिता से कृषि और डेयरी का जो विकास हुआ है, वह प्रेरित करने वाला : राज्यपाल

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के शहरी बैंक मुनाफा कमाने को अपना उद्देश्य नहीं रखकर समाज को आर्थिक रूप से सशक्त करने को अपना ध्येय बनाए।

उन्होंने कहा कि राजस्थान और यहां के व्यवसाई देशभर में आर्थिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। आर्थिक रूप से सुदृढ़ सभी लोग सहकारिता से जुड़े। इसी से राष्ट्र और प्रदेश को तेजी से विकसित किया जा सकेगा। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के जरिए पंक्ति के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को अधिकाधिक लाभान्वित किए जाने पर भी विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब, जरूरतमंद को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सहकारी बैंक कार्य करेंगे तभी सही मायने में ''सबका साथ सबका विकास'' को हम साकार कर पायेंगे। राज्यपाल बागडे गुरुवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में सहकार भारती एवं सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित अर्बन को ऑपरेटिव बैंक के राष्ट्रीय अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कॉपरेटिव बैंक न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि यह लाखों लोगों को, उनके परिवारों के लिए आजीविका का एक मजबूत स्त्रोत भी है। राज्यपाल ने सहकार को लेकर ''बैठने को फटफटी और खर्चे को सोसायटी'' कहावत की चर्चा करते हुए कहा कि सहकार में अपने लिए नहीं सबके विकास की सोच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेनमार्क में सहकारिता से कृषि और डेयरी का जो विकास हुआ है, वह प्रेरित करने वाला है। राज्यपाल ने कहा कि सहकारिता से सभी का समान आर्थिक विकास, रोजगार जनन और सामूहिक विकास संभव है।

उन्होंने राजस्थान में अधिकाधिक सहकारी बैंक स्थापित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान में सरस की सहकारी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि डेयरी के साथ अन्य उत्पादों का भी सहकारिता की सोच से प्रभावी विपणन किए जाने का आव्हान किया।उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन में विश्वभर में हमारा देश पहले स्थान पर है। सहकारिता को प्रभावी गति देने से इस क्षेत्र के माध्यम से हम सर्वांगीण विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे यहाँ सबसे पहले सयाजीराव गायकवाड़ जी ने बडोदा में एक अर्ध-सहकारी कारखाना स्थापित किया था। इसके बाद विखे पाटिल और धनंजयराव गाडगिळ ने 1949 में प्रवरा सहकारी चीनी कारखाना की स्थापना की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गुरुवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित अर्बन को ऑपरेटिव बैंक के राष्ट्रीय अधिवेशन में संबोधित किया।

हरिद्वार, वाराणसी और सारनाथ जाएगी विशेष ट्रेन

जयपुर। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक तीर्थयात्रा योजना 2025 के अंतर्गत विशेष ट्रेन रविवार, 14 सितम्बर को पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के जवाई बांध रेलवे स्टेशन से रवाना होगी। इस ट्रेन को पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। जवाई बांध रेलवे स्टेशन से दोपहर साढे 12 बजे रवाना होकर यह ट्रेन पाली, जोधपुर होते हुए हरिद्वार, ऋषिकेश, अयोध्या, वाराणसी और सारनाथ पहुंचेगी। ट्रेन में आठ जिलों से कुल 676 यात्री सवार होंगे। इस यात्रा में जोधपुर जिले के 350, पाली जिले के 100 और जवाई बांध से 226 वरिष्ठ नागरिक सहित कुल 676 यात्री सम्मिलित होंगे। जवाई बांध रेलवे स्टेशन से सिरोही जिले के 106, जालोर के 120, पाली मारवाड़ जंक्शन से अपराह्न 2:30 बजे पाली जिले के 100, भगत की कोठी, जोधपुर रेलवे स्टेशन से सांय 4 बजे पांच जिलों के 350 वरिष्ठजन सवार होंगे।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
FRIDAY
12 September 2025
A-B

Celebrating the Architects of the Digital World

Programmers' Day is celebrated on the 256th day of the year, which usually falls on September 12 (or September 13 in leap years). The number 256 is significant because it is the highest power of two that fits within one byte, a fundamental unit in computing. This day honours software developers, coders, and programmers who build the digital systems and tools that shape modern life. From writing code for everyday apps to powering critical infrastructure, their contributions are the backbone of our digital world. Programmers' Day is a moment to recognize innovation, problem-solving, and the creativity behind technology.

#PALEO

Dragon Man Is A Denisovan

Ancient 'Dragon Man' Skull Confirmed to Be Denisovan in Groundbreaking Genetic Study

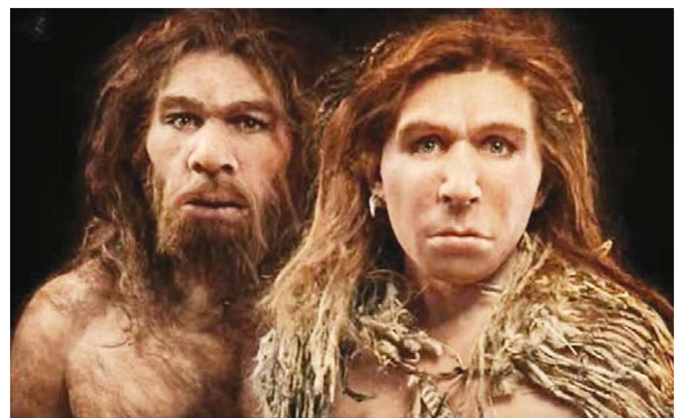

In a major breakthrough for paleoanthropology, scientists have confirmed that the 146,000-year-old skull known as 'Dragon Man' belongs to the Denisovans, a mysterious and long-extinct branch of the human family tree. This finding reshapes our understanding of human evolution in Asia and offers new insights into the ancient relatives of modern humans.

The skull, formally known as the Harbin cranium, was originally discovered in 1933 near Harbin, in northeastern China. However, it remained hidden from the scientific community for more than eight decades. It wasn't until 2018 that the skull was brought to researchers' attention, sparking immediate excitement due to its unusual size and anatomical features. Some scientists even proposed that it represented a previously unknown human species, separate from both Neanderthals and Homo sapiens.

A 2021 study argued that Dragon Man might be the closest known relative of modern humans, based on its morphology. But the mystery surrounding its true identity has now been definitively solved. In a study recently published in Science, a team led by paleoanthropologist Qiaomei Fu from the Chinese Academy of Sciences, conducted a genetic analysis that confirms that the skull is Denisovan.

The breakthrough came from the careful extraction of mitochondrial DNA from a fossilized molar found with the skull. This tiny fragment of genetic material, despite being tens of thousands of years old, was surprisingly well-preserved. When analyzed, the DNA matched sequences from known Denisovan genomes previously recovered from a Siberian cave. Further analysis of ancient proteins extracted from the tooth also showed close similarities with other Denisovan remains found across Asia, including sites in Tibet and Taiwan. This convergence of genetic and proteomic data offers one of the most compelling confirmations to date of the Denisovans' wide distribution and deep evolutionary history.

The Denisovans are a sister group to Neanderthals, believed to have diverged from a common ancestor shared with Homo sapiens between 700,000 and 400,000 years ago. Until now, most evidence of Denisovans came from fragmentary remains discovered in Denisova Cave in Siberia, which made it difficult to understand the full scope of their range and diversity.

The Dragon Man skull now stands as the most complete Denisovan fossil ever found, providing researchers with an unprecedented look at the physical characteristics of this elusive human cousin. With its robust brow ridges, large braincase, and massive teeth, the skull supports the idea that Denisovans were both anatomically distinct and regionally diverse. This discovery is more than just an identification, it offers a new reference point that could help scientists reevaluate existing fossil collections across Asia. It's possible that other Denisovan remains have already been unearthed but misclassified due to a lack of comparative material. As researchers continue to explore ancient DNA and protein analysis, Dragon Man's confirmation as a Denisovan marks a major step forward in unraveling the complex story of human evolution.

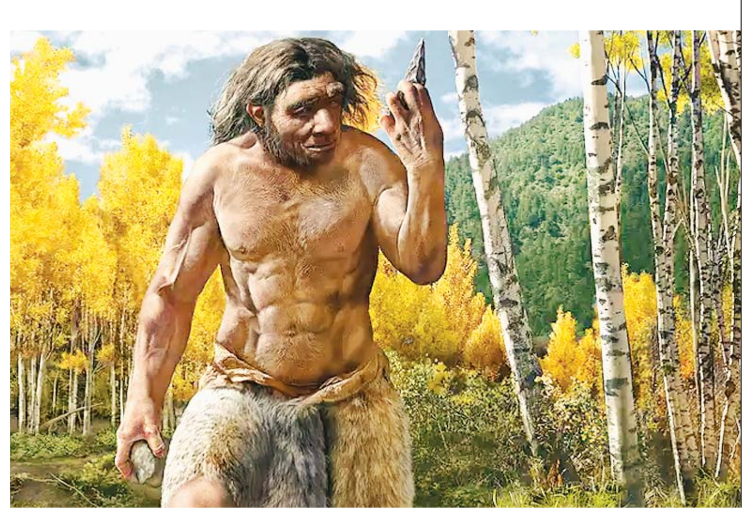

The Jungle Flower

The river was another constant in her life, a shimmering ribbon that carved its way through the landscape, a liquid mirror reflecting the ever-changing sky. She knew it in all its moods: the tranquil whisper of its waters on a still afternoon; the playful gurgle over smooth pebbles; the fierce roar of a monsoon-swollen torrent that could rip trees from their roots. Her father taught her to read its currents, to find the best fishing spots and to navigate its unpredictable depths in their small, hand-carved canoe. She learnt to swim early and loved the feel of the cool water on her skin. She was enthralled by the way it embraced her when she plunged beneath the surface, emerging breathless and renewed.

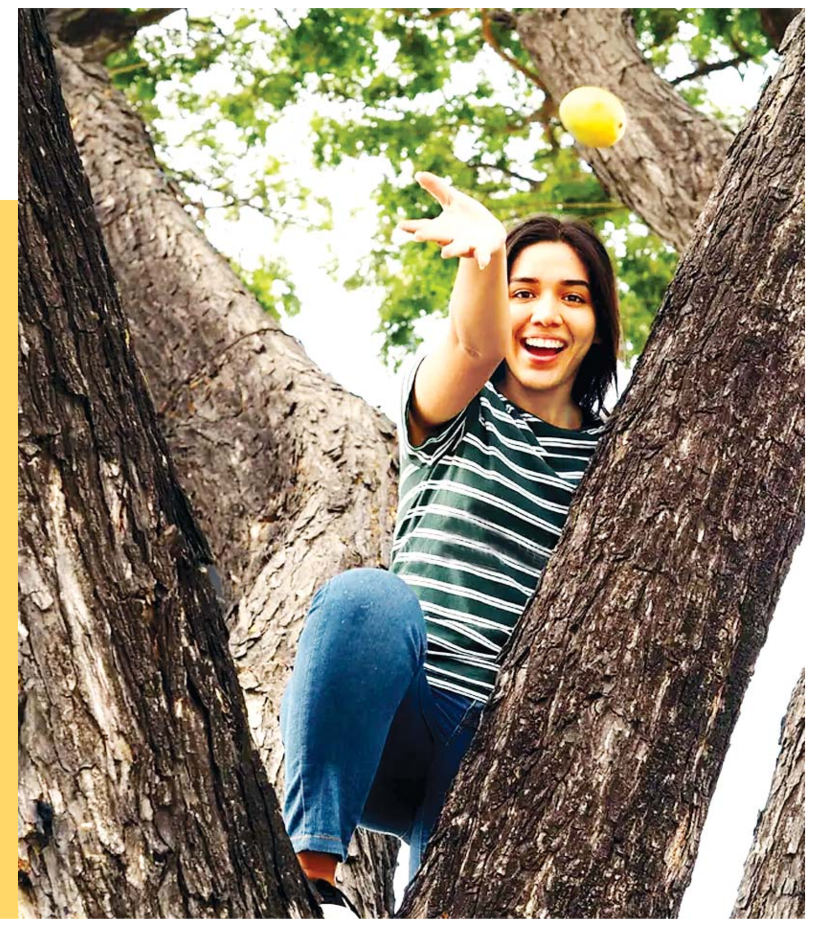

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

#TALES

Champa's favourite perch was the lower horizontal branches of the gnarled mango tree adjoining the hut. When she had finished her chores, she would sit on the branch swinging her legs and enjoy the breeze from the nearby fast flowing river and occasionally sucking at an unripe mango. She had lost her mother soon after her birth. The only person she knew was her father. He was an army veteran, who had married in his forties and lost his young wife within two years of their marriage. They had actually lived together for two short periods, once when he came to get married and later when Champa was born. For Champa, his weathered presence filled her world. His hands, rough from years of tilling the stubborn earth, were also surprisingly gentle when he pointed out the delicate lace-winged dragonfly hovering over the water lilies or traced the intricate patterns on a butterfly's wing.

Her father had chosen to live and farm a piece of land adjoining a dense forest in Madhya Pradesh. He had been awarded the plot for an act of gallantry in the last war. He preferred to live away from his family. The twosomes days were a rhythm dictated by the sun and the seasons. Mornings began with the milking of their single cow and the aroma of roasted maize. Afternoons were for tending the meagre crops and more often than not, for venturing into the jungle with her father. He was her guide, her teacher, her entire universe. The occasional visitor left no impact on her. She avoided them on most occasions. The jungle, to many, was a place of foreboding, a tangle of shadows and unseen dangers. But to Champa, it was a living, breathing entity, a symphony of sounds and colors. Her father taught her its secrets. He showed her how to identify the flame-red blossoms of the forest gladiolus and the velvety leaves of the medicinal banyan. He taught her to distinguish the chattering of monkeys from the rustle of a snake in the undergrowth. The mournful coo of a dove and the piercing cry of a hawk were familiar sounds. He showed her the tell-tale tracks of the elusive panther, the iridescent scales of a cobra coiled in the dappled sunlight, not with fear, but with a deep, abiding respect for their place in the intricate web of life. "Every creature has its purpose, Champa," he'd often say, his voice a low rumble. "Even the ones that bite!"

The river was another constant in her life, a shimmering ribbon that carved its way through the landscape, a liquid mirror reflecting the ever-changing sky. She knew it in all its moods: the tranquil whisper of its waters on a still afternoon; the playful gurgle over smooth pebbles; the fierce roar of a monsoon-swollen torrent that could rip trees from their roots. Her father taught her to read its currents, to find the best fishing spots and to navigate its unpredictable depths in their small, hand-carved canoe. She learnt to swim early and loved the feel of the cool water on her skin. She was enthralled by the way it embraced her when she plunged beneath the surface, emerging breathless and renewed. Survival was not a lesson, but a way of life. Her father, a man of few words but immense practical wisdom, instilled in her the skills needed to thrive in their isolated existence. He was constantly aware that he had to make her self-sufficient, considering the forty years age difference. She would have no back up! She learned to mend fences, to preserve fruits and to track small game. Then, there was the shooting. He'd painstakingly taught her to load the old 12 bore shotgun, the weight of it surprisingly comforting in her small hands.

> The jungle, to many, was a place of foreboding, a tangle of shadows and unseen dangers. But to Champa, it was a living, breathing entity, a symphony of sounds and colors. Her father taught her its secrets. He showed her how to identify the flame-red blossoms of the forest gladiolus and the velvety leaves of the medicinal banyan.

"Accuracy, Champa," he'd emphasise as his eye aimed at a distant mark.

"One shot, true and clean. For sustenance, never for sport." The kick of the gun against her shoulder, the acrid smell of gunpowder, became familiar sensations, not thrilling, but essential.

Life was a predictable tapestry woven with sun-drenched days and star-studded nights, until the day the thread snapped.

Her father had gone into the deeper parts of the jungle, seeking a rare medicinal herb for a persistent cough that had plagued him for weeks. "Will be back by sunset, Champa." He'd called out, his voice slightly hoarse, as he disappeared into the emerald depths. It was quite common for him to do so. Champa went about her daily routine.

Sunset came and went. The sky bled from fiery orange to bruised purple, then deepened into an inky blackness studded with indifferent stars. Champa waited, a knot of dread tightening in her stomach. She lit the lantern, its feeble glow mocking the vastness of the encroaching night. Every rustle of leaves, every distant hoot of an owl, sent a jolt of hope and then despair through her.

By dawn, the dreadful certainty had settled in. He was in trouble.

Frantic, she plunged into the jungle, calling his name until her throat was raw. She retraced the paths they had walked countless times, searching for any sign: a broken branch, a dropped tool, anything. She spent many days combing the dense foliage, her heart a leaden weight in her chest. The jungle, once her sanctuary, now felt vast and indifferent, swallowing her father whole. The river, usually a comforting presence, seemed to murmur secrets she couldn't decipher. Her search was of no avail. He was finally gone.

The silence that descended upon the farm was deafening. His absence was a gaping wound. The first few weeks were a blur of grief and desperate loneliness. She cooked meals she couldn't eat, walked paths she no longer saw. The sheer enormity of her situation pressed down on her, she was alone. Completely, terrifyingly alone! But then, the lessons of her father, who had painstakingly taught her, began to surface, a lifeline in the drowning despair. The need to survive, ingrained deep within her, slowly asserted itself. She fed the cow, tended the garden, harvested what little was ready. She hunted with the old shotgun, her aim still true. She learned to mend her own clothes, to repair the leaky roof, to make decisions she had never had to make before.

> Champa's heart, which had been a tightly closed fist for so long, fluttered with a strange, unfamiliar sensation. Her solitude had been a heavy cloak and now, a sliver of sunlight seemed to have pierced through the darkness. She looked at him, truly looked, taking in the dust on his clothes, the weariness in his eyes, and the genuine exhaustion and hunger.

Gradually, life became steady, if not vibrant. The sharp edges of grief dulled into a constant ache, a quiet companion. She still spoke to her father in her mind, seeking his invisible guidance, but she no longer waited for an answer. She became a creature of habit, a silent guardian of the solitary farm, her movements economical, her gaze keen. She knew no other way of life. The jungle remained her confidante, its beauty still able to pierce through her solitude, a reminder of the life her father had so loved. She navigated its paths with an assuredness born of necessity, gathering herbs, foraging for wild fruits, always alert.

One sweltering afternoon, as she was mending a section of the fence near the edge of the clearing, a shadow fell over her. She straightened hastily, her hand instinctively going to the small, sharp knife she always kept tucked in her belt. Standing a few yards away, silhouetted against the emerald backdrop of the jungle, was a young man.

He was tall, with broad shoulders, and eyes, the colour of the rusty brown leaves of the trees. He carried no weapon and his expression was hesitant, almost apologetic.

"Forgive me," he said, his voice a surprisingly gentle rumble, "I didn't mean to startle you. My name is Shyam. I got lost. My hunting party… we got separated a few days ago. I can't find my way back."

Champa's heart, which had been a tightly closed fist for so long, fluttered with a strange, unfamiliar sensation. Her solitude had been a heavy cloak and now, a sliver of sunlight seemed to have pierced through the darkness. She looked at him, truly looked, taking in the dust on his clothes, the weariness in his eyes, the genuine exhaustion and hunger that seemed to emanate from him.

"You're far from any settlement," she said, her voice a little rusty from disuse. He nodded, a faint smile touching his lips. "I realised that. I saw smoke from your chimney. It raised my hopes. I hope I'm not intruding."

The sun had begun its slow descent, painting the sky in hues of orange and pink. The silence stretched between them, not awkward, but filled with the weight of unspoken stories. Champa, who had learned to be self-sufficient and wary, found herself doing something she hadn't done ever before. "You can stay for the night. There is place in the cow shed. I will give you a blanket," she said, her gaze fixed on the distant tree line. "The jungle gets unforgiving after dark."

"Come! Share my meal."

And so, he stayed. They spoke little at first, a cautious dance around their respective solitudes. Shyam shared tales of the distant villages with bustling markets and noisy celebrations, a world Champa had only ever imagined. She, in turn, found herself describing the subtle changes in the jungle, the different calls of the birds, the ebb and flow of the river. He listened with a quiet attentiveness that surprised her.

Shyam, after resting and regaining his strength, didn't leave immediately. He helped with tasks around the farm, his strength and willingness a welcome addition. He learned about her rhythm of life, about the jungle she loved and about the father she missed so deeply. He never pressed her for details, simply offered a steady, comforting presence. They met often after that first encounter. A sense of familiarity was gently developing.

Their conversations grew longer and deeper. He spoke of his old parents, of the responsibilities that awaited him back in his village. Yet, he didn't rush to return. Champa, guarded and independent, found herself sharing snippets of her life. She reminisced of the lessons her father had taught her. Shyam admired the quiet strength she had found in her solitude. The farm, once a symbol of her isolation, began to feel less like a fortress and more like a home, slowly and tentatively opening its doors to an unexpected companionship. Shyam was long gone. The desire to have him by his side was a constant. One day, he came back in a horse cart. An old couple, in their best clothes, was accompanying him.

rajeshsharma1049@gmail.com

#DELHI OR?

How Did Delhi Get Its Name?

Was it Dhillika, Indraprastha, or something else entirely?

Delhi, a city that has witnessed empires rise and fall, dynasties etched in stone, and myths come alive, is more than just the capital of modern India. Its name alone carries layers of history, legend, and speculation. In his exploration of the city's fascinating origins, author Rajeev Katyal peels back the centuries to trace how this iconic city came to be called 'Delhi.'

Indraprastha: A City of Legends

The journey begins in myth. The Mahabharata, India's great epic, describes the city of Indraprastha, founded by the Pandavas on the banks of the Yamuna. Built with divine architecture and ruled with dharma, it was the capital of a just and noble empire. While historians debate the exact location of Indraprastha, many believe it was situated near Purana Qila, one of the oldest forts in present-day Delhi. Though archaeology hasn't definitively confirmed the existence of Indraprastha, the name remains woven into the cultural and emotional identity of Delhi, reminding us that sometimes, cities are built not just with bricks, but with stories.

The 'Loose Pillar' Legend

One of the more colourful stories tied to Delhi's name involves the famous Iron Pillar of Mehrauli. According to legend, King Anangpal Tomar had the pillar installed to symbolize the city's strength and stability. But when it was later removed, it was found to be loose, dhili in Hindi. This led some to believe the city earned its name from this event, as a kind of poetic irony: a mighty capital named after a wobbly pillar. Though the tale may lean more towards folklore than fact, it reflects a uniquely Indian blend of wit, symbolism, and respect for myth.

Delhi as a 'Threshold'

Linguists and historians have also explored the idea that 'Delhi' may derive from the Prakrit or Persian word 'dehleez,' meaning threshold or gateway. This would make symbolic sense: geographically, Delhi sits at the gateway to the Indo-Gangetic plain, often serving as the frontline for invading empires and the entry point to the heart of the subcontinent.

Though this theory isn't well-supported by ancient records, it reflects the city's strategic importance and its role as the ever-watchful doorkeeper of Indian civilization.

Dhillika: The First Recorded Name

Moving from mythology to history, the earliest documented name of Delhi is Dhillika or Dhillika Puri, dating back to around the 11th century CE. It appears in stone inscriptions during the reign of the Tomara dynasty, particularly under King Anangpal Tomar II, who is credited with either founding or revitalizing the city around 1052 CE.

Over time, the name Dhillika naturally evolved into Dhilli, a transition common in languages influenced by oral tradition and regional dialects. This shortened form is believed to be the linguistic root of the present-day 'Dilli,' which is still commonly used in Hindi and local parlance.

Raja Dhillu and Ancient Origins

Another theory attributes Delhi's name to a Mauryan-era king named Dhillu or Dilu, who may have ruled the region around 50 BCE. This explanation, while cited in some medieval Persian texts, lacks concrete archaeological support. Still, it offers another layer of narrative to Delhi's already rich identity, a city possibly named after a forgotten king, tucked into the folds of ancient Indian history.

The Colonial Influence: Delhi Emerges

The name 'Delhi' was standardized during British colonial rule, anglicized from 'Dilli' for easier pronunciation and administrative convenience. When New Delhi was inaugurated in 1931 as the capital of British India, 'Delhi' had already become the internationally recognized name, a legacy that continues to this day.

A Name with Many Faces

So, was Delhi once Indraprastha, the mythic capital of the Pandavas? Or Dhillika, the fortified city of the Tomaras? Was it named after a 'loose pillar,' a forgotten king, or its status as a threshold between worlds? The answer is: all of the above, and more.

Delhi's name is not just a label, it is a palimpsest, a layered manuscript of India's cultural, historical, and mythological journey. It embodies the dialogue between past and present, between legend and archaeology, between poetry and fact.

THE WALL

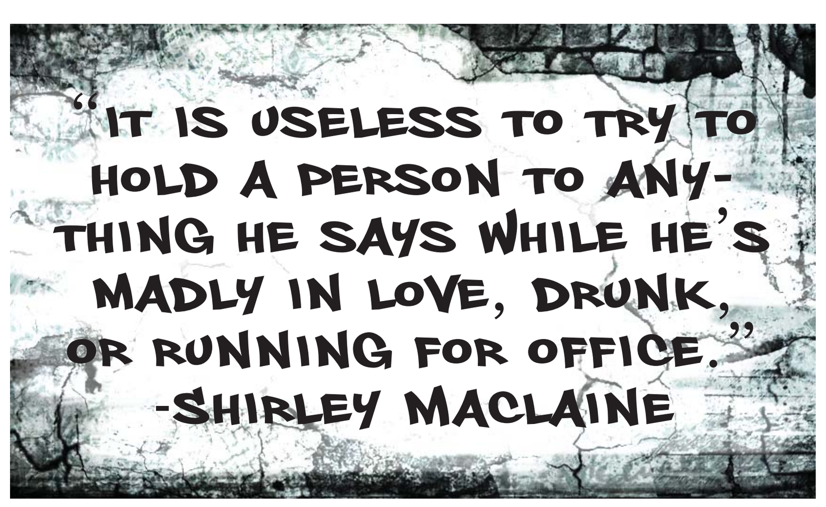

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

मासूम देवांशु के पिता को हथियार बेचने वाला हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

जान को खतरा लगा तो पांच माह पहले देवांशु के पिता मुकेश पटेल ने अवैध पिस्टल खरीदी थी

पावटा, (निसं)। विराटनगर के ग्राम छीतोली के बरड़ा की ढाणी में रविवार को हुई घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल ने बताया कि पुलिस थाने के हैड कॉन्स्टेबल विनोद की ओर से आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज करवाया गया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी मुकेश पटेल ने यह पिस्टल करीब पांच माह पूर्व खरीदी थी।

पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह और उसकी पत्नी कान्हा उर्फ धर्मा गुर्जरी विभिन्न धार्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों में गायक के रूप में प्रस्तुति देते थे। इस दौरान कई बार विवाद की स्थितियां बनीं और उन्हें अपनी जान को खतरा महसूस होने लगा। इसी भय के चलते आरोपी ने बिना लाइसेंस अवैध पिस्टल खरीद ली थी, लेकिन यही पिस्टल उनके घर के नन्हे दीपक की मौत का कारण बन गई।

पुलिस ने अवैध हथियार मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया।

मासूम की जिंदगी छिनने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं अवैध हथियार रखने और उसके चलते हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को सकते में डाल दिया है। पुलिस ने मृतक बच्चे के पिता मुकेश पटेल को अवैध हथियार मामले में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायालय ने आरोपी को जेल भेज दिया। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी ने यह पिस्टल कहां से और किन लोगों की मदद से खरीदी थी।

■ हिस्ट्रीशीटर आरोपी विनोद जाट के खिलाफ पूर्व में 21 प्रकरण दर्ज हैं, थाना प्रागपुरा का हिस्ट्रीशीटर है आरोपी

अनुसंधान करते हुए मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मामले में अनुसंधान के दौरान मृतक बच्चे के पिता मुकेश पटेल ने अवैध हथियार विकास जाट निवासी टोरडा ब्राहमणान से खरीदना बताया।

वहीं पुलिस टीम द्वारा विकास जाट की तलाश की गई तो पता चला कि प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा अवैध गांजा मामले में एनडीपीएस एक्ट में पकड़ा गया था, जोकि न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागृह कोटपुतली में होना पाया गया, जिस पर विराटनगर न्यायालय से प्रोडेक्शन वारंट जारी कराकर जिला कारागृह कोटपुतली से गिरफ्तार किया गया। वहीं मामले की जांच जारी है।

विद्युत कनेक्शन देने में 1095 दिन की देरी विद्युत विभाग को भारी पड़ी

राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ में जिला आयोग बाड़मेर के आदेश को यथावत रखा

जोधपुर, (कासं)। विद्युत विभाग द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत कनेक्शन देरी से करना भारी पड़ गया। राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ में जिला आयोग बाड़मेर के आदेश को यथावत रखते हुए तीन अलग-अलग उपभोक्ताओं को हर्जाने के रूप में प्रत्येक उपभोक्ता को देरी पर 2 लाख 19 हजार रुपए देने के आदेश को उचित ठहराया है।

आयोग के समक्ष जोधपुर डिस्कॉम बाड़मेर के सहायक अभियंता द्वारा जिला उपभोक्ता आयोग बाड़मेर के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कनेक्शन देरी से जारी करने पर जिला आयोग ने 1095 दिन की देरी को सेवा में त्रुटि मानते हुए उपभोक्ताओं को 219000 रुपये का हर्जाना लगाया था व मानसिक हर्जाने के 5 हजार तथा परिवाद व्यय स्वरूप 10 हजार देने के आदेश पारित किए थे। आयोग के सदस्य निर्मल सिंह मेड़तवाल, सदस्य लियाकत अली के समक्ष सहायक अभियंता बाड़मेर की ओर से जिला उपभोक्ता आयोग बाड़मेर के निर्णय के विरुद्ध अपील प्रस्तुत करते हुए जिला आयोग के निर्णय को ख़ारिज करने की अपील की थी। अपील में बताया गया था कि बायतु निवासी गिरधारी राम, राजेश, कुशलाराम तीन विद्युत उपभोक्ताओं ने विद्युत कनेक्शन के लिए वर्ष जनवरी 2018 में आवेदन किया था, परंतु विद्युत विभाग ने कनेक्शन 1095 दिन की देरी से जारी किया, जिस पर तीनों उपभोक्ताओं ने जिला आयोग के समक्ष विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 43 (1) का हवाला देते हुए प्रतिदिन की देरी पर 1000 प्रति दिन के अनुसार 1095 दिन के रुपए 848000 रुपये हर्जाना दिलाने की मांग की थी

■ प्रत्येक उपभोक्ताओं को दो लाख उन्नीस हजार रुपये हर्जाना देने के आदेश यथावत रखे

आयोग के समक्ष विद्युत विभाग की ओर से बताया गया कि उपभोक्ताओं को दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना में शामिल कर नियमानुसार मांग पत्र जारी किया गया था। विद्युत कनेक्शन स्थापित करने के लिए मूल पत्रावली सहायक अभियंता को प्रेषित कर दी गई थी। उपभोक्ताओं को 30 दिन में कनेक्शन का आश्वासन नहीं दिया गया था, बल्कि संसाधनों की उपलब्धता और वरीयता के अनुसार कनेक्शन जोड़ने की जानकारी दी गई थी।

आयोग द्वारा दोनों पक्षों की बहस सुनकर समस्त तथ्यों, परिस्थितियों को देखते हुए पाया कि विद्युत अधिनियम की धारा 2003(1)(3) में एक माह में कनेक्शन नहीं करने पर प्रतिदिन के व्यतिक्रम के लिए 1000 शास्ती तक हो सकती हैं। आयोग ने विद्युत विभाग की अपील अस्वीकार करते हुए जिला आयोग के निर्णय को उचित ठहराया। डिस्कॉम की ओर से अधिवक्ता राजकुमार गहलोत व उपभोक्ताओं की ओर से अधिवक्ता राजेश भार्गव उपस्थित हुए।

फैक्टरी में काम करते हुए मशीन में साड़ी फंसी, महिला श्रमिक की मौत

इस फैक्टरी में ही काम करते हुए महिला के पति का भी हाथ कटा था

उदयपुर, (निसं)। गुरुवार को डबोक थाना इलाके में स्थित कुमार मिनरल्स नाम की फैक्टरी में महिला मजदूर की मौत हो गई। महिला की साड़ी मशीन के रोलर में आने से खींचती चली गई और मौके पर ही मौत हो गई। इस फैक्टरी में ही काम करते हुए महिला के पति का भी हाथ कटा था।

थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि गुडली स्थित रीको इंडस्ट्रियल एरिया में मिनरल्स फैक्टरी है। इसमें सॉप स्टोन का पाउडर बनाने का काम होता है। बुधवार तड़के तीन बजे काम के दौरान महिला कमला मीणा निवासी प्रतापगढ़ की मौत हुई है। परिजन और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग की। दोनों पक्षों के बीच 11 लाख रुपए के मुआवजे पर सहमति बनी। वहीं फैक्टरी रातभर चलने की अनुमति है या नहीं इसकी जांच की जाएगी।

थानाधिकारी के अनुसार महिला कमला मीणा निवासी प्रतापगढ़ फैक्टरी में काम कर रही थी। इस दौरान उसकी साडी मशीन के रोलर में आ गई। महिला साडी के साथ रोलर में खिंचती चली गई और उसके पेट का हिस्सा कट गया। महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

कर्मचारी यूनियन के नेता पुष्कर जोशी ने बताया कि महिला कमला और उसका पति मानसिंह मीणा दोनों इसी फैक्टरी में काम करते हैं। दो साल पहले महिला के पति का भी काम करते वक्त हाथ कट गया था। उसे मुआवजे तौर पर करीब 25 हजार रुपए फैक्टरी की तरफ से दिए गए थे। जब वो काम पर वापस लौटा तो उसके वेतन में से मुआवजे की राशि हर महीने किश्त में काट ली गई थी। यूनियन नेता ने कहा कि मृतक के दो छोटे बच्चे हैं, ऐसे में परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। ग्रामीणों कहना है कि मृतक महिला का पति एक हाथ से अक्षम है। छोटा बेटा एक साल का है। आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर हैं। पत्नी की मौत के बाद पति के जिम्मे पूरे परिवार की जिम्मेदारी है। ऐसे में 50 लाख रुपए के मुआवजे मिलना चाहिए। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में फैक्टरी मालिक और ग्रामीणों और परिवार के बीच वार्ता हुई। परिवार को 11 लाख रुपए देना तय हुआ। इसके बाद धरना खत्म हुआ।

सगतसिंहजी का शौर्य, पराक्रम, सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता अद्धितीय थी : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने गुरुवार को 59वें नाथुला विजय दिवस के अवसर पर सिक्किम के नाथुला दर्रे पर आयोजित चूरू जिले की रतनगढ़ तहसील के गांव कुसुमदेसर में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जी के भव्य और ऐतिहासिक मूर्ति अनावरण समारोह को सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह के पुत्र कर्नल (सेवानिवृत्त) रणविजय सिंह सहित उनके परिजनों व सैनिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

■ राज. विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने लेफ्टिनेंट जनरल सगतसिंहजी के मूर्ति अनावरण समारोह में शिरकत की

सिक्किम के नाथुला दर्रे पर लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जी की मूर्ति का अनावरण किया गया।

राठौड़ ने कहा कि सगतसिंह जी का यह मूर्ति अनावरण कार्यक्रम हिंदुस्तान की सैन्य विरासत को अमरतत्व देने का एक ऐतिहासिक कार्य है। यह आने वाले समय में हमारे वीर सैनिकों के साथ साथ राष्ट्रवाद की सोच रखने वाले हर नागरिक के लिए मार्गदर्शक का कार्य करेगा। यह मेरे लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। मैं नाथूला की इस वीर भूमि पर खड़ा हूं, जहां हिमालय की बर्फीली चोटियों के बीच भारत के सबसे निर्भिक लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जी की प्रतिमा का अनावरण हो रहा है।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि अमेरिका के जनरल जॉर्ज पैटर्न और सगतसिंह जी को पढ़ता हूं तो मैं यह कह सकता हूं कि सगतसिंह जी का शौर्य, पराक्रम, सूझबूझ और नेतृत्व क्षमता अद्धितीय थी। उनका विपरीत परिस्थिति में यह कहना कि मातृभूमि की मैं एक इंच भूमि भी बिना लड़े नहीं दूंगा। उनके मातृभूमि के प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने अपने सैन्य कार्यकाल में पाकिस्तान को हराया, चीन को झुकाया और बंगलादेश को जन्म देने का कार्य किया। ब्रिगेडियर के रूप में सगतसिंहजी ने वर्ष 1961 में ऑपरेशन विजय के दौरान 450 वर्षों तक पुर्तगाली शासन के अधीन रहे गोवा को आज़ाद कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसके लिए उन्हें गोवा का मुक्तिदाता कहा जाता है। राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगतसिंहजी के पराक्रम को शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। मैं स्वयं उन्हीं की धरती राजस्थान से आया हूं। राजस्थान को वीरों की भूमि कहा जाता है। यह भक्ति भी है और शक्ति भी है। मुझे आज कन्हैया लाल सेठिया जी की प्रसिद्ध कविता याद आ रही है... आ धरती गोरा धोरां री, आ धरती मीठा मोरां री, ई धरती रो रुत्बो ऊँचो, आ बात कवै कुंचो कुंचो, आं फोगां में निपज्या हीरा, आं फोगां में नाची मीरा। सगत सिंह ने अपने सैन्य अनुभव और नेतृत्व से नाथूला को बचाया था जिसके फलस्वरूप नाथूला आज भी भारत के कब्जे में है। सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने कहा कि नाथुला विजय दिवस भारत के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। यह मेरा सौभाग्य और गर्व है कि आज के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में उपस्थित हूं, विशेषकर तब जब 1967 के युद्ध के नायक लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह उसी राजस्थान राज्य से हैं, जहां से मैं स्वयं आता हूं। उनका साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणा है। समारोह में सिक्किम मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग कहा यह कार्यक्रम लेफ्टिनेंट जनरल सगतसिंहजी की वीर गाथाओं को पुन: जीवित करने की, और उनकी वीरगाथा को सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। साथ ही समारोह में 17 माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल एम. एस. राठौर (एसएम, वीएसएम) ने स्वागत भाषण दिया।

नकल कर महिला सुपरवाइजर बनी महिला रिमांड पर

बीकानेर, (निसं)। सुपरवाइजर (महिला अधिकारिता) भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कराने वाले गिरोह से पूछताछ के बाद बीकानेर की एक महिला मंजू कुमारी विश्नोई को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उससे अब जयपुर के एसओजी मुख्यालय में पूछताछ होगी। मंजू को अदालत में पेश करके रिमांड लिया गया है।

भर्ती परीक्षा में नकल कर परीक्षा पास करने के संबंध में प्रकरण में एसओजी जयपुर थाने में जांच चल रही थी। जांच में फर्जीवाड़े से नौकरी पाने वालों की लिस्ट बनी तो इसमें मंजू का नाम भी था। बीकानेर के मुक्ता प्रसाद नगर में रहने वाली मंजू को बुधवार को एसओजी टीम ने गिरफ्तार कर लिया। एसओजी ने इस कार्रवाई में बीकानेर एसपी कावेंद्र सिंह सागर, थानाधिकारी मुक्ताप्रसाद नगर विजेन्द्र कुमार सिला, एएसआई हनुमान सिंह और महिला कॉन्स्टेबल संजू की भूमिका की सराहना की है। मंजू कुमारी पत्नी प्रेमरतन विश्नोई वर्तमान में पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता) बज्जू, बीकानेर पर भर्ती परीक्षा 2018 की लिखित परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल करने का आरोप है। नकल गैंग के माध्यम से ब्लूटूथ डिवाइस की मदद से प्रश्न पत्र हल किया गया। आरोपिता मंजू कुमारी ने इस भर्ती परीक्षा में अन्य मुल्जिमों के समान ही प्रश्न हल किये, जिससे उक्त आरोपिता का उक्त परीक्षा में चयन हुआ। इस प्रकार सार्वजनिक भर्ती परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग किया है, जिससे सुपरवाइजर महिला अधिकारिता भर्ती 2018 के लिखित परीक्षा के पेपर नकल में संलिप्तता पाई गई है। अब मंजू से उक्त भर्ती परीक्षा में ब्लूटूथ से नकल कराने वाले गिरोह के संबंध में अनुसंधान किया जा रहा है।

■ मंजू कुमारी विश्नोई से जयपुर के एसओजी मुख्यालय में पूछताछ होगी

सीसी रोड निर्माण में अनियमितता का आरोप

पावटा, (निसं)। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा क्षेत्र में पावटा से कुनेड तक सीसी रोड का निर्माण कार्य किया गया है। इसमें ठेकेदार द्वारा जमकर अनियमितता बरती गई है। सीसी रोड बनने के कुछ महीनों बाद रोड में जगह-जगह से दरार पड़ने लगी है व जगह जगह से क्षतिग्रस्त हो गया है। गुणवत्ताविहिन निर्माण के चलते राहगीरों व ग्रामीणों में आक्रोश है। सीसी रोड निर्माण मानक को दरकिनार कर किया गया है, जिससे अब सड़क में दरारें पड़ने लगी है।

तहसील पावटा में ग्रामीण सड़क मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2023-24 अंतर्गत बनने वाली सड़क का निर्माण कार्य जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते लापरवाही का शिकार हो गया है। वर्ष 2023-24 में पावटा से कुनेड मार्ग तक 80 लाख की लागत से 2 किमी लंबी सड़क निर्माण के लिए 16 जुलाई 2023 मे निर्माण कार्य शुरू करने के आदेश जारी हुए थे, लेकिन करीब दो साल बीत जाने के बाद भी सड़क निर्माण कार्य पूरा भी नहीं हो सका है। वही जो सड़क बनाई गई है उसमें गड्ढे भी पड़ने शुरू हो गए हैं। ठेकेदार की मनमानी और लापरवाही के कारण स्थानीय जनता में आक्रोश पनप रहा है। सड़क टूटने व दरारें आने की सूचना विभाग के अधिकारियों को दीं, लेकिन मामले से अनजान बने हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क तो भ्रष्टाचार का महज एक बानगी है। सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि योजना स्थल पर लगे बोर्ड के अनुसार काम हुआ ही नहीं। ग्रामीणों ने संवेदक एवं अभियंता पर गुणवत्ताहीन सड़क बनाने का आरोप लगाया है। अब सड़क का निर्माण कार्य अधूरा रहने से राहगीर लगातार चोटिल हो रहे हैं। आम जनमानस इस बात से बेहद नाराज है कि इस लापरवाह ठेकेदार के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

अति. प्रशासनिक अधिकारी व चपरासी रिश्वत लेने के आरोप में डिटेन

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा एसीबी की टीम ने श्रम विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी व चपरासी को 33 हजार रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में डिटेन किया है।

■ दोनों पर 33 हजार की रिश्वत राशि लेने का आरोप है

एसीबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक्सीडेंट क्लेम की राशि की करवाई गई 2-2 लाख की दो अलग-अलग एफडी तुड़वाने की श्रम विभाग से स्वीकृति लेनी थी। इसके लिए सरदार नगर निवासी मोइनुद्दीन ने श्रम विभाग से संपर्क किया। इस काम के बदले रिश्वत राशि की डिमांड की गई। परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने सत्यापन करवाया। इसके बाद गुरुवार को एसीबी टीम ने श्रव विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी नरेंद्र कुमार लखारा व चपरासी अशोक आचार्य को डिटेन किया है। इन पर 33 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेने का आरोप है। फिलहाल कार्रवाई जारी है।

श्रम विभाग के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी व चपरासी को रिश्वत लेने के आरोप में डिटेन किया।

बैंकों के ताले तोड़ नकबजनी के प्रयास का खुलासा, तीन गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा बड़गांव एवं एयू फाईनेंस बैंक प्रताप सर्कल शाखा में ताले तोड़कर नकबजनी का प्रयास करने के मामले का खुलासा करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सदर थानाधिकारी बुद्धाराम विश्नोई ने बताया कि गत 15 मई को राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा बड़गांव के मैनेजर प्रार्थी विक्की भाउसाहेब तुरकने ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 15 मई की सुबह लगभग छह बजे मकान मालिक के बेटे दिलीप यादव ने सूचना दी कि बैंक के ताले टूटे हुए हैं और शटर ऊंचा किया हुआ है। जिस पर प्रार्थी ने बैंक में जाकर देखा तो ताले टूटे हुए थे और शटर भी खुला था, जिस पर उसने पुलिस को सूचना दी। उसके बाद बैंक के अंदर जाकर देखा तो स्ट्रॉग रूम का ताला टूटा हुआ था वहीं केश सेफ को लोहे के सरिये से तोड़ने का प्रयास किया गया मगर वह टूटा नहीं। पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया।

■ राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा बड़गांव एवं एयू फाईनेंस बैंक प्रताप सर्कल शाखा में ताले तोड़कर नकबजनी का प्रयास करने का मामला

सदर थाना पुलिस ने बैंकों के ताले तोड़ नकबजनी के प्रयास करने के आरोपियों को पकड़ा।

इधर जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी, एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज व पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निर्देशन में थानाधिकारी बुद्धाराम विश्नोई के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। इस टीम ने मुखबीरी तंत्र को सक्रिय किया। वहीं तकनीकि संसाधनों से हाइवे पर लूट-डकैती, मोबाइल खींचने की घटनाएं करने वाले संदिग्धों पर निगरानी रखी। बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज व्हाट्सएप ग्रुपों में भेजकर पहचान कराई गयी तो मुखबीरों व तकनीकि संसाधनों से पता चला कि अनिल उर्फ अनिया पुत्र लालु चरपोटा निवासी नादिया के रूप में पहचान हुई, जिस पर उसे डिटेन कर पूछताछ की गई तो उसने अपने साथी दिनेश पुत्र हिरालाल निवासी सारेल व मंगलेश्वर उर्फ मंगला पुत्र रकमा निवासी पानीवाला गढ़ा के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया। पूछताछ में तीनों ने प्रताप सर्किल स्थित एयू फाईनेंस बैंक में भी खिड़की तोड़कर लॉकर तोड़ने के प्रयास का अपराध भी स्वीकार किया। पुलिस टीम में थानाधिकारी बुद्धाराम विश्नोई, उपनिरीक्षक रामलाल, सहायक उपनिरीक्षक महेन्द्र कुमार, हैड कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, केशव, खुशपाल सिंह, नानुलाल, कांस्टेबल मुकेश, पूंजीलाल, विजय, यशवर्धन सिंह, गौरव सुथार, सायबर सेल प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक प्रवीण सिंह, कांस्टेबल मोहित जोशी व साइबर सेल कांस्टेबल धीरज शामिल रहे।

कार्यशाला का हुआ आयोजन : सरवाड़ महिला अधिकारिता विभाग अजमेर की उपनिदेशक मेघा रतन के निर्देशानुसार उपखण्ड कार्यालय में महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। वहीं कार्यशाला में महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न के निवारण प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम 2013 पर विभिन्न जानकारी प्रदान की गई। वहीं उपखण्ड अधिकारी द्वारा सभी कार्यालयों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर शी बॉक्स पर पंजीकृत कराने हेतु निर्देश दिए। बालिकाओं, युवतियों, महिलाओं तक अधिकारों सावधानियों जागरूकता का प्रचार प्रसार करने हेतु प्रोत्साहित किया।

शातिर चोर गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। पुलिस ने शहर में ज्वैलरी की दुकान में हुई चारी की वारदात को खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के जेवरात बरामद किये हैं।

आठ सितंबर को पुलिस थाना सिटी पर एक रिपोर्ट हुई कि जिसमें पीड़ित ने बताया कि मेरी ब्यावर शहर में सोने चांदी के ज्वैलरी की दुकान है। मेरी दुकान पर आरव बंगाली काम करता था। दो सितंबर को मैं किसी काम से बाजार गया तो दुकान पर आरव बंगाली ही था। मैं थोडी देर बाद बाजार से वापस दुकान आया तो आरव बंगाली दुकान पर नहीं था। मैने फोन लगाया तो उसका फोन बन्द आ रहा था। मैने मेरी दुकान चैक की तो दराज का ताला टूटा हुआ था उसमें रखी सोने की चेन वजनी 60 ग्राम नहीं मिली। जिस पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान व आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने मुखबीर से सूचना के आधार पर ाारोपी हारू जाना पुत्र स्व. निर्मलेन्दु जाना निवासी भगवनपुर पुलिस थाना श्यामपुर जिला हावडा कोलकाता (पश्चिम बंगाल) से गहनता से पूछताछ करने पर चोरी करना स्वीकार किया।

सिंगवाव क्षेत्र से हुई स्कूटी चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

एक विधि से संघर्षरत किशोर को डिटेन कर चोरी हुई स्कूटी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की

बांसवाड़ा, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने शहर के सिंघवाव कॉलोनी से स्कूटी चोरी का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं एक विधि से संघर्षरत किशोर को डिटेन कर चोरी की गई स्कूटी व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं पुलिस मामले को लेकर गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

कोतवाली थानाधिकारी रूपसिंह ने बताया कि जिले में बढ़ती चोरियों की घटनाओं एवं संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोषी के निर्देशन में एएसपी डॉ. राजेश भारद्वाज के सुपरविजन व पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के पर्यवेक्षण में कोतवाली थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गयी। थानाधिकारी ने बताया कि गत 23 जुलाई को प्रार्थी भुवन पुत्र अवधबिहारी भट्ट ने रिपोर्ट दी कि वह पुणे में नौकरी करता है और उसके माता-पिता कनाड़ा गये हुए हैं। गत चार माह से मकान में कोई नहीं रहता है और मकान के प्रांगण में स्कूटी पड़ी हुई थी, जिसे 21 व 22 जुलाई की मध्य रात्रि में कोई अज्ञात बदमाश चुरा ले गया। पुलिस ने टीम गठित करते हुए गिरफ्तारशुदा अभियुक्त राहुल पुत्र राजेश निवासी निचला घंटाला एवं रमेश उर्फ रमिया पुत्र भाणजी निनामा निवासी खेरडाबरा एवं डिटेनषुदा विधि से संघर्षरत किशोर से गहनता से पूछताछ की तो इन्होंने अपने साथी सूरज पुत्र बबु मईड़ा निवासी पिपलवा के साथ मिलकर घटना कारित करना स्वीकार किया।

अभियुक्त राहुल एवं विधि से संघर्षरत किशोर को जरिये प्रोडक्शन वारंट से प्राप्त कर अनुसंधान किया गया। विधि से संघर्षरत किशोर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गयी। वहीं रमेश उर्फ रमिया के कब्जे से स्कूटी बरामद की गयी। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश व अनुसंधान जारी है। पुलिस टीम में थानाधिकारी रूपसिंह, उनि गोविन्दसिंह, कांस्टेबल तिलकराज सिंह, खुशपाल सिंह, वासुदेव एवं योगेन्द्र सिंह शामिल रहे।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/610 चूंकि प्रार्थी श्री ANAND AGARWAL 63 A J TONK ROAD MILAP NAGAR, DURGAPURA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास अपैक्स स्वाथ्य कल्याण ब्लड बैंक सोसायटी SP 6 MALVIY INDESTRAL AREA MALVIY NAGAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/611 चूंकि प्रार्थी श्री ANAND AGARWAL 63 A J TONK ROAD MILAP NAGAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्वास्थ्य कल्याण एजुकेशन सोसायटी SWASTHYA KALYAN BHAWAN JAY VILL NARAYAN SINGH ROAD TRIMUTRI CERCIL KE PASS JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/612 चूंकि प्रार्थी श्री SANJAY KUMAR KHAWAD, 601 SINDHI COLONY RAJA PARK JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्वास्थ्य कल्याण सोसायटी जयपुर SWASTHYA KALYAN BHAWAN TRIMURATI CIRCAL NARAYAN SINGH ROAD JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/607 चूंकि प्रार्थी श्री KEDAR PRASAD SHRIMAL VILL THALI TEHSIL CHAKSU DISTRICT JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास गुमोदर सामाजिक संस्थान VILL THALI TEHSIL CHAKSU DISTRICT JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 19.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/626 चूंकि प्रार्थी श्री TRILOK CHAND JAIN 226-227 VARDHMAN SAROVAR A SANGANER GANPATPURA, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास स्वास्थ्य एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी 101/189 NEW SANGANER ROAD, NEAR PATEL MARG, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.11.2025

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ईसरदा बांध पर क्रशर मशीन से मजदूर की मौत

ईसरदा बांध परियोजना के निर्माण कार्य में श्रमिक की क्रशर मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई।

■ ग्रामीणों का प्रदर्शन, मुआवजा और सरकारी नौकरी देने की मांग

टोंक। बनेठा क्षेत्र के पास से बह रही बनास नदी पर बने ईसरदा बांध परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्य में बुधवार को एक श्रमिक की क्रशर मशीन की चपेट में आने से मौत हो गई। इस दौरान परिजन व ग्रामीणों ने ईसरदा बांध पर ही मृतक के परिजनो को मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर मौके पर हीं पड़ाव डालकर बैठ गए है तथा मांगे पूरी करने पर मृतक का शव नहीं उठाया गया है।

सूचना पर पंहुचे उनियारा तहसीलदार व उपखण्ड अधिकारी शत्रुघ्न सिंह गुर्जर ने ग्रामीणो से समझाइश की लेकिन शाम तक कोई समाधान नहीं निकला। जहां बनेठा थाना पुलिस मय जाप्ता मौके पर तैनात है। इस दौरान बनेठा पुलिस ने बताया कि चौथ का बरवाड़ा निवासी रामबिलास केवट पुत्र गिर्राज केवट उम्र 35 साल जो बुधवार को क्रेशर मिक्सर मशीन पर कार्य कर रहा था, वही दोपहर को उसका नियत्रंण बिगडे से वह मशीन की चपेट में आ गया, तथा उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर कंपनी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिजनों ने मुआवजे को लेकर चचा की गई।

लोकार्पण पट्टिका तोड़ने वालों के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

टोंक। जिला कांग्रेस कमेठी द्वारा गुरूवा को जिला पुलिस अधीक्षक को विभिन्न क्षेत्रों में लगे लोकार्पण पट्टिकाओं को तोड़ने वालों के खिलाफ कार्यवाही हेतु ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में बताया कि टोंक शहर के क्षेत्र बरखड़ा बाबा चौराहा, आशिष होस्पिटल के सामने सिविल लाईन रोड व ईदगाह आर.ए.सी. वाले रोड पर, बहीर कब्रिस्तान के सामने एवं ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर राजस्थान सरकार द्वारा अनावरण व लोकार्पण पट्टिका लगाई जाती है, जो कि सार्वजनिक सम्पत्ति है। उक्त लोकार्पण पट्टिकाओं को जानबूझकर असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़ा जा रहा है, जो कि जनप्रतिनिधि और सरकार का अपमान ही नही अपितु सार्वजनिक सम्पत्तियों का नुकसान भी है। इससे आमजन की भावनाओं को भी ठेस पहुँच रही है। इन आरोपियों पर नियमानुसार कार्यवाही कर दण्ड देने हेतु मांग की है।

खैरथल में भर्तृहरि नगर को लेकर बरकरार है असमंजस

■ खैरथल में करीब एक महीने से चल रहा है प्रदर्शन धरना

खैरथल। अलवर सांसद केंद्र सरकार में पर्यावरण व वन एवं जलवायु परिवर्तन मत्री भूपेंद्र यादव देश के बढ़े नेता हैं। संसद से लेकर शहर गांव में उनके विकास की लोग मिशाल देते हैं ऐसे में बडा सवाल यह है कि वह अपने संसदीय क्षेत्र खैरथल में करीब एक माह से आंदोलन कर धरने पर बैठे लोगों को भर्तृहरि नगर की स्थिति से स्पष्ट क्यों नहीं कर पा रहे हैं और ऐसा क्या कारण है जो वह खैरथल नहीं आ रहे हैं। 7 अगस्त 2025 को खैरथल जिला मुख्यालय पर लोग जिला स्थापना दिवस मना रहे थे इस बीच केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के ट्वीट ने खैरथल के लोगों के होश उडा दिए जेसे पांवों के निचे से जमीन खिसक गई हों। ट्वीट कर मंत्री भूपेंद्र यादव ने खैरथल तिजारा जिले का नाम भर्तृहरि नगर करने के निर्णय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त कर अपनी ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की थी। इसके बाद जब मुंडावर विधायक ललित यादव ने विधानसभा में सवाल पूछा तो उसके जवाब में सरकार ने बता दिया है कि सरकार की ओर से खैरथल के नाम और मुख्यालय को लेकर राजस्व विभाग स्तर पर कोई परिपत्र या अधिसूचना वर्तमान में जारी नहीं की गई है। इसके बाद भी खैरथल के लोग अभी भी डरे और सहमय हुए हैं और घरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जब तक सांसद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री खैरथल के लोगों को स्थिति स्पष्ट नहीं करते हैं तब तक उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है। खैरथल बचाओ संघर्ष समिति के ओमप्रकाश रोघा का कहना है। 2 साल पहले खैरथल को जिले का नाम और मुख्यालय यहां के क्षैत्रिय विधायक दीपचंद खैरिया की वफादारी और सरकार के प्रति ईमानदारी की बदौलत मिला है। जिसे अब प्रदेश की भाजप सरकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव नाम और मुख्यालय दोनों को ही खैरथल से छिनकर के कहीं और ले जाना चाह रहे। यह सजा खैरथल को दुसरी बार दीपचंद खेरिया के पक्ष में वोट करने की मिल रही है या फिर भूपेंद्र यादव को जिताने में कोई गलती खैरथल से हुई है उसकी है नही तो कांठोस ने और भी जिले बनाए हैं उनमें खैरथल का ही नाम मुख्यालय बदलने की जरूरत क्यों पड़ा खैरथल में जिले की स्थापना को हुए 2 साल से अधिक का समय हो चुका है। इसके बाद भी अभी तक ना बस स्टैंड है और ना ही सभी शहर कस्बों के रूठ के लिए बसें है।

जन कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी आयोजित

टोंक में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

टोंक। महिला एवं बाल विकास विभाग व शिक्षा विभाग के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे, विशेष प्रचार अभियान के तहत सोहेला ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) भंवरलाल कुम्हार ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन को विकास की मुख्यधारा में जोडने के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है, लेकिन सम्पूर्ण जानकारी के अभाव में आज भी उन्हे योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा की आमजन को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए सरकार अपने स्तर पर प्रयास कर रही हैं, लेकिन युवा पीढ़ी को भी उन्हे लाभ दिलाने के लिए अपनी भागीदारी निभानी होगी।

प्रारम्भ में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा की संविधान के 75 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में पूरे देश में एक साल तक कार्यक्रम आयोजित किए जाने है। उन्होने कहा की इसी श्रंखला मे हमारा-संविधान, हमारा स्वाभिमान विषय पर यह कार्यक्रम आयोजित कर संविधान में दिए गये मौलिक अधिकार और कर्तव्यो के साथ-साथ अनेक जन कल्याणकारी योजनाओ के बारे में जानकारी देकर आमजन को खासकर युवा पीढ़ी को जागरूक किया जा रहा है।

बैंक का पूर्व मैनेजर गिरफ्तार

जयपुर। चौमूं थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे साइबर शिल्ड अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए म्यूल अकाउंट और कमीशन पर खाता बेचने वालों का खाता खोल कर देने वाले आईडीएफसी बैंक के पूर्व मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है। इस अभियान में दो मामले दर्ज कर आरोपितों को पकडा है और सात लोगों को कमीशन पर खाता बेचने पर कार्रवाई की गई है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद ने बताया कि चौमूं थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पुलिस मुख्यालय की ओर से चलाए जा रहे साइबर शिल्ड अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए म्यूल अकाउंट और कमीशन पर खाता बेचने वालों का खाता खोलकर देने वाले आईडीएफसी बैंक के पूर्व मैनेजर शिवा खांडल निवासी चौमूं को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित शिवा खांडल ने 4 सितम्बर 2024 को सहायक मैनेजर के पद पर जॉइन किया और उसके बाद आरोपित ने संदीप शर्मा के लाए हुए फर्जी बैंक धारकों के खाते खुलवाए और साइबर धोखाधड़ी का पैसा डलवाता । आरोपित ने अब तक 10 से ज्यादा फर्जी खाते खुलवाए है। जिसमें 10 करोड से ज्यादा लेन-देन सामने आया है।

नशामुक्ति शिविर

टोंक। मुख्यालय स्थित नवीं बटालियन आरएसी में गुरुवार को मनोरोग एवं नशामुक्ति हेतु शिविर लगाया गया है, जिसमें 50 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का मनोरोग एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. योगेश कुमार दासोदिया ने चेकअप कर इलाज किया।

दीपावली से पहले अलवर में 100 से अधिक सड़कें होगी दुरूस्त

■ जिला कलेक्टर ने समीक्षा कर बैठक में दिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिशा निर्देश

कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में अलवर शहर की साफ-सफाई आदि विषयों पर समीक्षा बैठक की।

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने गुरूवार को मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में अलवर शहर की साफ-सफाई, सड़क, रोड लाइट आदि विषयों समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। बैठक में उन्होंने निर्देश दिये कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के लिए एक 100 दिवसीय कार्य योजना बनाकर उसे मूर्त रूप दिया जाए।

जिला कलेक्टर ने बिन्दुवार समीक्षा कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि शहर की आमजन से जुड़ी मूलभूत सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होवे, इसके लिए अंतर विभागीय समन्वय के साथ गहन मॉनिटरिंग की जावे। शहर में बरसात एवं अन्य कारणों से क्षितठास्त हुई 100 से अधिक सड़कें चिन्हित की गई हैं, जिनमें पेचवर्क कराने के साथ नई सड़कें बनाने के भी कार्य हैं। इसके लिए नगर विकास न्यास, नगर निगम व पीडब्ल्यूडी को उन्होंने निर्देशित किया है कि यथासंभव दीपावली से पूर्व सभी सड़कें दुरूस्त कर दी जावे। इसके लिए विभागीय समन्वय बनाने के साथ सभी प्रकार की तकनीकी, वित्तीय प्रक्रियाओं को टाइमलाइन निर्धारित कर इस कार्य को पूर्ण करें। उन्होंने नगर निगम व नगर विकास न्यास को सभी रोड लाइटों का सर्वे कराकर खराब रोड लाइटों को दुरूस्त करावे तथा चिन्हित स्थानों पर 4 हजार नई रोड लाइट लगाने का कार्य दीपावली से पूर्व करने के दिशा-निर्देश दिये। साथ ही नई लगाई जाने वाली रोड लाइटों की सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण की जावे।

नाम परिवर्तन

मैंने (महेन्द्र सिंह) अपने पुत्र का नाम पुष्पेन्द्र सिंह से बदलकर पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी कर लिया है भविष्य में इसे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पता मकान नं. 40बी राम विहार कल्यापुरा, मानसरोवर जयपुर-302020

I Vikram Kumar Alias Vikram Kumar Meghwal S/o Mava Ram R/o Home No. 23 Dabhi Vas, Kotra, Kotra, Village Kotra Post, Jetawara Tehsil Reodar District Sirohi, Jetawara, Po-Jetawara, Dist-Sirohi, Rajasthan-307513 have changed my name to Vikram Kumar Dabhi

उठावना

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है की हमारे प्रिय **आशीष जी भंडारी** पुत्र (स्वर्गीय श्री विनोद जी भंडारी) का स्वर्गवास दिनांक 10.09.2025 को हो चुका है। उठावना व शोक निवारण दिनांक 12.09.2025 को दिन के 12 बजे, स्थान चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर दुर्गापूरा पर रखा गया है।
शोकाकुल- निर्मला (माता जी), रीटा (पत्नी), आदर्श-मनीषा (भाई-भाभी), काव्य (भतीजा) एवं समस्त भंडारी परिवार इंदौर व जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायलय ADJ10, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर
लक्ष्मीनारायण विरुद्ध प्रभुदेवी वगै.
वाद बाबत् विशिष्ट अनुपालना इकरारनामा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद सं. 200 सन् 2025
नाम नानगी देवी पुत्र स्व. श्री देवाराम स्थान ग्राम नृसिंह पुरा पो. मुकुन्दपुर तह. सांगानेर, अजमेर रोड, जयपुर राज.
... प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा । यह वाद ता 09 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर — अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर, न्यायालय सांगानेर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 व 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी दूदू जिला जयपुर राज.
... यह आज तारिख 27 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर — न्यायालय उपखण्ड अधिकारी दूदू जिला जयपुर राज.

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 व 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी दूदू जिला जयपुर राज.
... यह आज तारिख 27 माह 08 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर हो और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर — न्यायालय उपखण्ड अधिकारी दूदू जिला जयपुर राज.

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ज्योति कुमार मिश्रा पुत्र श्री हेम कुमार मिश्रा के स्वामित्व का प्लाट नम्बर ए-405, करधनी गोविन्दपुरा स्कीम, जयपुर बाबत् मूल मुख्त्यारनामा आम दिनांक 10.07.2001 (कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर-तृतीय द्वारा दिनांक 10.07.2001 को रजि. नं. 661 पर निष्पादित), जो कि श्री ओमवीर सिंह राणा पुत्र श्री महिपाल सिंह द्वारा श्रीमती पदमा देवी पत्नी श्री गणपत राम अरोड़ा के हित में निष्पादित किया गया था। उपरोक्त मूल मुख्त्यारनामा आम कही गुम, हो गया है, जिसके बाबत् एक गुमशुदगी रिपोर्ट एल.आर. नम्बर 2892474/2025 दिनांक 10.09.2025 को दर्ज करवा दी गई है। यदि किसी व्यक्ति, आम खास को मिले तो 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालय पर लौटा देवें, उपरोक्त मूल दस्तावेजों का कोई दुरूपयोग नहीं करें।
मनोज कुमार शर्मा, एडवोकेट, 203, द्वितीय फ्लोर, गायत्री मार्ग, जवाहर टॉवर, बनीपार्क, जयपुर मो. 9928586174
दिनांक 11.09.2025

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6922 दिनांक-10.09.2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, योजना में आवास/फ्लैट संख्या 82/495 (LIG), का आवंटन श्रीमती रितू आहूजा पत्नी श्री घनश्याम आहूजा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 613 दिनांक 13.06.2003 को जारी किया गया था। जिसका नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1370/2490 दिनांक 30.03.2010 के द्वारा श्री विक्की ग्रोवर पुत्र श्री चरन लाल ग्रोवर के पक्ष में किया गया। जिसके पंजीयन प्रपत्र श्री विक्की ग्रावर पुत्र श्री चरन लाल ग्रोवर के नाम दिनांक 26.04.2010 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर में पंजीकृत किया गया है। श्री विक्की ग्रोवर द्वारा उक्त आवास को श्री गंगाराम पुत्र श्री तमाकीमल को विक्रय कर इनके पक्ष में विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2014 को उप पंजीयक सांगानेर प्रथम जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री गंगाराम की मृत्यु दिनांक 29.05.2024 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती बीना पत्नी स्व. श्री गंगाराम द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत हक त्याग के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती बीना पत्नी स्व. श्री गंगाराम का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायलय ADJ10, जयपुर महानगर प्रथम, सांगानेर
लक्ष्मीनारायण विरुद्ध प्रभुदेवी वगै.
वाद बाबत् आदेश 7 नियम वशिष्ट अनुपालना इकरारनाम एवं स्थायी निषेधाज्ञा वाद सं. 200 सन् 2025
नाम बजरंग लाल बैरवा पुत्र बलदेव बैरवा जाति बैरवा स्थान ग्राम नृसिंह पुरा पो. मुकुन्दपुर तह. सांगानेर, अजमेर रोड, जयपुर राज हाल निवासी 277, मुकुन्दपुरा रोड जिला जयपुर, खासरा बस्सी ...
... यह वाद ता 09 माह 09 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर — अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश संख्या 10, जयपुर महानगर, न्यायालय सांगानेर

खोया पाया

मेरा मकान नं. 263/467 प्रताप नगर, सांगानेर का मूल कब्जा पत्र (डिक्लेरेशन) कहीं गुम हो गया है मिलने पर सूचित करें-मंजू जोपट-9414064206

मेरे प्लाट नं. आर-41 सेक्टर 24 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का आवंटन पत्र क्रमांक 1944 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 1380 कहीं खो गया है। यदि किसी को मिले तो सूचित करें-संतोष मीणा मो-8955693100

श्री छतपति शिवाजी गृह निर्माण सहकारी समिति की योजना देवी नगर जयपुर के भूखण्ड सं. 130 का पंजीकृत जेडीए पट्टा साईट प्लान और संलग्न स्टाम्प पेपर कही गुम हो गए है सूचित करें-पूनम चन्द बुचा मो.9435713695

मेरा प्लाट नं. 33/97 रा.आ.म. मानसरोवर जयपुर द्वारा जारी मूल दस्तावेज आवंटन पत्र, कब्जा देने संदर्भ में जारी किये जाने वाला पत्र रोवन डेज, भौतिक कब्जा पत्र (डिक्लेरेशन), अदेय प्रमाण पत्र, लीज मुक्ति पत्र कहीं गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें। मो. 7877799936

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (विद्याधर जोन)
नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी जयपुर)
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/201 दिनांक :- 10/09/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 185 से 190/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।
SPPP Portal UBN No. JMC2526WSOB01293 To JMC2526WSOB01298
राज.संवाद/सी/25/9764 — अधिशाषी अभियंता, विद्याधर जोन

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (झोटवाड़ा जोन)
नगर निगम, ग्रेटर जयपुर
(सामुदायिक भवन, तारा नगर डी, खिरणी फाटक रोड, जयपुर)
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/196 दिनांक :- 08/09/2025
निविदा सूचना सं.- 54 से 57/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (झोटवाडा जोन) से सम्बन्धित विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जा रही है। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण दिनांक 06.09.2025 09.00 A.M. से नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है व अपलोड की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल का Unique Bid Number (UBN) JMC2526WSOB01280 To JMC2526WSOB01283 हैं।
राज.संवाद/सी/25/9759 — अधिशाषी अभियंता (झोटवाडा जोन), नगर निगम ग्रेटर जयपुर

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक
(भारत सरकार का एक उपक्रम)
कॉर्पोरेट कार्यालय, स्पीड पोस्ट सेंटर बिल्डिंग, भाई वीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक से सेवानिवृत्त महाप्रबंधक/उप महाप्रबंधक की अनुबंध आधार पर सलाहकार के रूप में नियुक्ति
विज्ञापन क्रमांक- IPPB/CO/HR/RECT/2025-26/02
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधकों (टीईजीएस-VI) और सेवानिवृत महाप्रबंधकों (टीईजीएस-VII) से अनुबंध के आधार पर पूर्णकालिक आधार पर परामर्शदाता के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है।

पद	रिक्तियों की संख्या	रोजगार के प्रकार	आयु	अनुभव
सलाहकार	01	अनुबंध के आधार पर	01.07.2025 को से अधिक नहीं 65वर्ष	1. सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक (TEGS-VI) या सेवानिवृत्त महाप्रबंधक (TEGS-VII) होना चाहिए 2. बैंक के विभिन्न विभागों जैसे परिचालन, जोखिम, अनुपालन, मानव संसाधन, लेखा परीक्षा, सहित बैंकिंग वित्त प्रशासनिक कार्यालयों और शाखा में काम करने का कम से कम 30 वर्षो का गहन कार्यात्मक ज्ञान और विविध अनुभव होना चाहिए।

महत्वपूर्ण तिथियॉ-
विज्ञापन खुलने की तिथि 18 अगस्त 2025 है। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र और सहायक दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रति careers@ippbonline.in पर भेजनी होगी। आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी, विज्ञापन में दिए गए आवश्ययक दस्तावेजों के साथ 25 सितम्बर 2025 शाम 5.00 बजे तक आईपीपीबी कॉर्पोरेट कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। समय सीमा के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
विस्तृत विज्ञापन के लिए कृपया हमारी आधिकारिक वेबसाइट https://ippbonline.com/web/ippb/current-openings पर जाएं
स्थान-नई दिल्ली — मानव संसाधन अधिकारी
दिनांक- 18.08.2025 — CBC 06346/12/0005/2526

50 करोड़ की एम.डी. ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़, 25 हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और प्रतापगढ़ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने प्रतापगढ़ जिले की थाना पीपलखूंट और डीएसटी के सहयोग से एम.डी. ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। मौके से 25 हजार रुपये इनामी मोस्ट वांटेड आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला निवासी देवल्दी को गिरफ्तार कर फैक्ट्री से भारी मात्रा में एमडी पाउडर, केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद किये है। जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 50 करोड रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि टीम को आरोपी के बारे में इनपुट मिले थे। इस सूचना पर इन्होंने कई दिनों तक रैकी कर पुष्टि की। जिसमे टाण्डा बड़ा, सरहद बोरी मोजल के ईश्वर मीणा के झोंपड़े में इनामी तस्कर जमशेद उर्फ जम्मू लाला द्वारा एमडी ड्रग बनाने की जानकारी मिली। जिसके बाद जिसके बाद स्थानीय थाना पीपलखूंट और डीएसटी को सूचना देकर छापा मारा गया।

अवैध फैक्ट्री से पुलिस ने आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला को

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और प्रतापगढ़ पुलिस ने एम.डी. ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का खुलासा करते हुए तस्कर को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार कर करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की 17.4 किलोग्राम एमडी पाउडर, 70 किलो ग्राम से अधिक केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया।

- 17.4 किलो एम.डी. पाउडर और 70 किलो केमिकल व उपकरण जब्त
- हाल ही में आरोपी की 1 करोड़ की संपत्ति भी हुई थी फ्रीज

यह मामला 16 दिसंबर 2024 का है, जब एजीटीएफ और थाना अरनोद पुलिस ने देवल्दी गाँव में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 40 करोड़ रुपये कीमत के 11.450 किलोग्राम लिक्विड एमडीएमए, 14.770 किलोग्राम अन्य लिक्विड केमिकल, 4.900 किलोग्राम केमिकल और 2.500 किलोग्राम सफेद पाउडर सहित एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण जब्त किए थे। इस मामले में आरोपी याकुब पुत्र फकीरगुल, जमशेद उर्फ जम्मू लाला और साहिल पुत्र सलीम निवासी देवल्दी थाना अरनोद प्रतापगढ़ फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी प्रतापगढ़ द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी याकूब खां मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध संपत्ति अर्जित कर रहा था। वित्तीय जांच में यह सामने आया कि उसने वर्ष 2024 में अपनी पत्नी बखमीना बी के नाम पर मध्य प्रदेश के जावरा स्थित हुसैन टेकरी क्षेत्र में एक होटल/लॉज खरीदा था। जिसकी बाजार कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है। इसके बाद प्रतापगढ़ पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी भारत सरकार के निर्देश पर एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ(1) के तहत उक्त सम्पत्ति को 28 अगस्त को फ्रीज कर दिया।

इस संयुक्त कार्रवाई में एजीटीएफ के हेड कांस्टेबल महावीर सिंह कांस्टेबल नरेंद्र पाटीदार की विशेष भूमिका रही।

वहीं प्रतापगढ़ डीएसटी के प्रभारी उप निरीक्षक रविंद्र पाटीदार सहित टीम के सदस्यों उप निरीक्षक पन्नालाल, एएसआई प्रताप सिंह, कांस्टेबल विनोद, नरेंद्र सिंह, पंकज, रमेश चंद, हेमेन्द्र सिंह, संदीप, रमेश चंद व अरविंद सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसएचओ पीपलखूंट नरेश पाटीदार और उनकी टीम भी इस कार्रवाई का हिस्सा रही।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से केन्द्रीय रेल मंत्री वैष्णव की शिष्टाचार भेंट

प्रदेश में ट्रेन कनेक्टिविटी बढ़ाने एवं रेलवे विकास कार्यों को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अशिवनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को केन्द्रीय रेल मंत्री अशिवनी वैष्णव ने मुख्यमंत्री निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय रेल मंत्री ने राजस्थान में रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान लॉजिस्टिक हब के लिए भरतपुर रेलवे स्टेशन के मास्टर प्लान, दिल्ली से जैसलमेर, उदयपुर से जोधपुर, बांसवाड़ा से दिल्ली एवं डूंगरपुर से मुंबई की रेल कनेक्टिविटी सुविधा में विस्तार पर चर्चा हुई। शर्मा ने पचपदरा रिफाइनरी को भी रेलवे सुविधा से जोड़ने को लेकर वैष्णव से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय रेल मंत्री से प्रदेश में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के कार्यों में गति लाने एवं अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की।

केन्द्रीय विधि मंत्री के वायरल वीडियो से बीकानेर में बेंच स्थापना को हवा

जयपुर (कासं)। सोशल मीडिया पर केन्द्रीय विधि मंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे सीजेआई बीआर गवई की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा की जानकारी दे रहे हैं। शहर का वकील समुदाय वायरल वीडियो में केन्द्रीय मंत्री की ओर से कही बात को बीकानेर में बेंच स्थापना की कवायद से जोड रहा है। वहीं इसी आधार पर शहर के वकीलों ने शुक्रवार को न्यायिक कामकाज से दूर रहने का निर्णय लिया है।

राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, दी बार एसोसिएशन और दी डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की ओर से गुरुवार को इस संबंध में आपात बैठक बुलाई गई। बैठक में तीनों बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने एक दिन न्यायिक कामकाज से दूर रहने का निर्णय लिया है। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव रमित पारीक ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री के वीडियो से बीकानेर में हाईकोर्ट की पीठ स्थापित करने को लेकर वकीलों में भ्रम पैदा हो गया है। विधि मंत्री ने अपने बयान में सीजेआई कार्यालय को लेकर भी अपने कुछ कहा है। जिसके चलते पूरा विधिक समुदाय दुखी है। ऐसे में शुक्रवार को न्यायिक कामकाज में शामिल नहीं होने का निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर केन्द्रीय विधि मंत्री का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे कह रहे हैं कि सितंबर माह में सीजेआई बीआर गवई बीकानेर दौरे पर आ रहे हैं।

- शहर के वकील आज नहीं करेंगे न्यायिक कामकाज

मामले में कोई प्रोग्रेस हुई है और धरातल पर कुछ काम हुआ है। वे आएंगे उस समय ही इसकी जानकारी दी जाएगी। वकीलों का कहना है कि केन्द्रीय विधि मंत्री बीकानेर में हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने के संबंध में यह जानकारी दे रहे हैं।

कॉलेज जा रही छात्रा से छेड़छाड़ के बाद अपहरण का प्रयास

जयपुर। बस्सी थाना इलाके में एक परिचित ने कॉलेज छात्रा से छेड़छाड़ कर उसके अपहरण का प्रयास किया। पीड़िता ने घटना की जानकारी घर पहुंच आने परिजनों को दी। जिसके गुस्साए परिजनों ने पीड़िता को थाने ले जाकर आरोपी परिचित के खिलाफ छेड़छाड़ व जबरन कार में बैठाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

पुलिस ने बताया कि कोटखावदा निवासी 20 वर्षीय युवती का आरोप है की वह एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ाई करती है। सुबह करीब 9 बजे वह कॉलेज जाने के लिए निकली थी। रास्ते में एक कार सवार बार-बार आगे-पीछे होकर उसका पीछा कर रहा था। रास्ते में आरोपी परिचित ने कार आगे लगाकर उसे रोक लिया। उसके साथ छेड़छाड़ कर जबरन कार में बैठाने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपी ने युवती को जाने से मारने की धमकी दी। जिसके बाद राहगीरों की भीड़ घटना स्थल पर जमा हो गई।

बीटेक अभ्यर्थियों को राहत, मैरिट में आएं तो नियुक्ति दें

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में मामले में बीई, बीटेक व कंप्यूटर कॉन्सेप्ट सर्टिफिकेट रखने वाले अभ्यर्थियों को मेरिट में आने पर समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति देने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा ने यह आदेश अभिषेक शाह, परविन्दर कौर व अन्य की याचिकाओं को मंजूर करते हुए दिया। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार की कमेटी ने 10 जून 2025 को हुई मीटिंग में यह निर्णय लिया था कि इंजीनियरिंग की किसी भी शाखा में बीई, बी.टेक की डिग्री व सीसीसी वाले अभ्यर्थी आरएससीआईटी के समकक्ष है। ऐसे में जहां पर भी आरएससीआईटी की अनिवार्यता होगी वहां पर बीई-बीटेक वालों को भी इसके समकक्ष माना जाएगा। इसलिए याचिकाकर्ताओं को भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया जाए।

मामले से जुड़े आरपी सैनी ने बताया कि याचिकाकर्ताओं ने इस भर्ती में भाग लिया था। वे भर्ती की अंतिम कट ऑफ मेरिट में भी आ गए, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के दौरान उन्हें नियुक्ति से यह कहते हुए वंचित कर दिया कि उनके पास आरएससीआईटी प्रमाण पत्र नहीं है। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि उनके पास इस प्रमाण पत्र से उच्च डिग्री है। इसलिए उन्हें सभी सेवा परिलाभ सहित नियुक्ति दी जाए।

योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य, संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने किया राजस्थान दौरा

जयपुर (कासं)। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने 2 से 10 सितंबर तक पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में 2500 किलोमीटर की निरंतर सड़क मार्ग यात्रा करते हुए 8 दिवसीय नि:शुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर और 7 जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठकें व अनेकों स्कूलों में संगोष्ठी की। उन्होंने करीब 20 हजार से अधिक योग साधकों व जनमानस को योगऋषि स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण के संकल्पों को पूरा करने के लिए मार्गदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय योग परंपरा विश्व की सबसे अर्वाचीन और प्राचीन योग परम्परा है, यह महर्षि पतंजलि के तप से वरदान स्वरूप हमें प्राप्त हुई है। जिसे विश्वयोग गुरू स्वामी रामदेव और आयुर्वेद आचार्य बालकृष्ण महाराज ने पुनर्स्थापित करने का प्राण प्रण संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य-संस्कार और समृद्धि का बीजारोपण करें। प्रतिदिन के योग से जब स्वस्थ शरीर और विचारों से परिपूर्ण मनुष्य होगा, तभी यह देश विकसित भारत बनकर संसार को नेतृत्व प्रदान

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी परमार्थदेव ने पश्चिमी राजस्थान के 6 जिलों में 8 दिवसीय नि:शुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर लगाया।

कर सकेगा। स्वामी परमार्थदेव ने जोधपुर, जैसलमेर, तनोट, चौहटन, बाड़मेर, सांचौर, सुमेरपुर और पाली में विशेष इंटिग्रेटेड योग शिविर में लोगों को संबोधित किया और योगाभ्यास कराया। जैसलेर के तनोट माता मंदिर में बीएसएफ के जवानों के साथ भी योगाभ्यास किया गया।

कार्यक्रम के दौरान भारत स्वाभिमान न्यास के राज्य प्रभारी करनाराम चौधरी, पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी समदर सिंह, पतंजलि किसान सेवा समिति के राज्य प्रभारी हुकमाराम राव, पतंजलि युवा भारत के राज्य प्रभारी नरेन्द्र परिहार, पतंजलि सोशल मीडिया के राज्य प्रभारी दिलीप कुमार तिवाड़ी तथा मदन मोहन मौजूद थे।

संसद में लगे मीरा बाईसा की प्रतिमा

जयपुर/दिल्ली। युवा शक्ति संयोजन के तत्वावधान में दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित क्षत्राणी समागम में सैकड़ों क्षत्राणियों ने एक स्वर में मीरा बाईसा की प्रतिमा संसद भवन परिसर में स्थापित करने की मांग उठाई। कार्यक्रम के मुख्य ध्वजवाहक शक्ति सिंह बांदीकुई ने कहा कि मीरा बाईसा त्याग, भक्ति और नारी आत्मबल की प्रतीक हैं, उन्हें राष्ट्र स्तर पर सम्मानित किया जाना चाहिए। मुख्य अतिथि मेघराज सिंह रॉयल ने इसे मातृशक्ति की चेतना को जागृत करने वाला आयोजन बताया।क्षत्राणी ध्वजवाहकों - कमोद राठौड़, सुनीता कंवर और सीमा कंवर - ने बलिदानी वीरांगनाओं को नमन करते हुए समाज की एकजुटता का आ ान किया। समागम में हाड़ी रानी, बाला सती माता और सती रूप कंवर के बलिदान व तप को भी श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया।

केन्द्रीय विद्यालय को अन्य जगह शिफ्ट करने की कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

दौसा जिले की महवा तहसील के गांव हडिया में साल 2022 में स्वीकृत हो चुके केन्द्रीय विद्यालय का मामला

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले की महवा तहसील के गांव हडिया में साल 2022 में स्वीकृत हो चुके केन्द्रीय विद्यालय को मौजूदा जगह से 15 किमी दूर वीरपुर में शिफ्ट करने की कार्रवाई शुरू करने पर सीएस, जिला कलेक्टर दौसा व केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त सहित अन्य से जवाब माना है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश विष्णु कुमार कुशवाहा व अन्य की याचिका पर दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रशांत कुमार ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के प्रयास से गांव हडिया केन्द्रीय विद्यालय को मंजूर किया गया। इसकी लैंड एवं बिल्डिंग सूटेबिलिटी रिपोर्ट भी केंद्र सरकार को भेजने के बाद केन्द्र सरकार ने भी इस जगह पर केन्द्रीय विद्यालय शुरू करने की घोषणा की। इस दौरान तत्कालीन एमएलए ने भी विधायक कोष से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 10 कमरे बनवाने के लिए स्वीकृति दी। जिससे कि केन्द्रीय विद्यालय के भवन का निर्माण पूरा होने तक तक उसे यहां पर शुरू किया जा सके। याचिका में कहा गया कि राजनीतिक कारणों से इस केन्द्रीय विद्यालय को करीब पन्द्रह किलोमीटर दूर शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में जिला कलेक्टर ने भी गत 29 जनवरी को केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त को पत्र लिखकर स्कूल के लिए दूसरी जगह तलाशने के लिए कहा। इसे चुनौती देते हुए कहा है कि जब पूर्व में केन्द्रीय विद्यालय को तय जगह पर मंजूरी मिल गई है तो अब इसे किसी अन्य जगह पर शिफ्ट करने का प्रयास क्यों किया जा रहा है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सफाई कर्मचारी पद पर परिवार के तीन सदस्य चयनित हुए हैं तो नियुक्ति सिर्फ एक को ही क्यों?

राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख स्वायत्त सचिव, आयुक्त और नगर निगम कोटा-दक्षिण से जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नगर निगम कोटा की सफाई कर्मचारी भर्ती-2012 में एक ही परिवार से तीन सदस्यों के चयनित होने पर उनमें से केवल एक को ही नियुक्ति देने पर प्रमुख स्वायत्त सचिव, विभाग के आयुक्त और नगर निगम कोटा-दक्षिण से जवाब मांगा है। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि चयनित होने के बाद भी याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति से वंचित क्यों किया गया है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश सीता चौहान व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं ने साल 2012 की सफाई कर्मचारी भर्ती में भाग लिया था।

इसमें याचिकाकर्ताओं के परिवार के तीन सदस्यों का चयन हुआ, लेकिन नियुक्ति एक सदस्य को ही दी गई। मामले में हाईकोर्ट ने 11 फरवरी 2025 को याचिकाकर्ताओं को संबंधित पक्षकारों के समक्ष प्रतिवेदन देने और अधिकारियों को प्रतिवेदन का निस्तारण करने के निर्देश दिए थे। जिस पर नगर निगम कोटा-दक्षिण ने 9 जुलाई 2025 को याचिकाकर्ताओं का प्रतिवेदन अस्वीकार कर दिया और खाली पदों का हवाला देकर उन्हें कार्यठाहण नहीं कराते हुए कहा कि एक परिवार से एक ही व्यक्ति को नियुक्ति दी जाएगी। इसे याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में पुन: चुनौती देते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने 12 अप्रैल 2017 व 11 मई 2017 के आदेश में स्पष्ट किया है कि नगर निगम की ओर से नियुक्ति के लिए ऐसी कोई पाबंदी नहीं लगाई जाएगी।

वहीं नगर निगम ने समान मामले में ही 2012 में चयनित 11 सफाई कर्मचारियों को 20 जनवरी 2025 को कार्यठाहण कराया है। इसके अलावा नगर निगम में 836 पद अभी भी खाली हैं। इसलिए उन्हें नियुक्ति दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

बाजरा खरीद शुरू करे सरकार, नहीं तो होगा आंदोलन : रेड्डी

जयपुर। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. साई रेड्डी ने राज्य सरकार पर किसानों से किए वादे पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव से पहले बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की घोषणा की थी, लेकिन अब तक खरीद प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है। यह घोषणा केवल एक चुनावी वादा बनकर रह गई है। रेड्डी बुधवार को संघ के प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की प्रमुख मांग है कि बाजरा खरीद प्रक्रिया को तुरंत शुरू किया जाए, जिससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके।

विवादित राशि के बजाए पूरा खाता फ्रीज किया

हाईकोर्ट ने डी-फ्रीज करने के आदेश दिए

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी को लेकर विवादित राशि के बजाए कचौड़ी बेचने वाले का पूरा बैंक खाता फ्रीज करने के मामले में राहत दी है। अदालत ने याचिकाकर्ता का खाता डी-फ्रीज करने के आदेश देते हुए इस बिंदु पर समान प्रकृति के मामलों से जुड़े वकीलों को अक्टूबर माह के पहले सप्ताह में अदालत का सहयोग करने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश पदम कुमार जैन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता जांच एजेंसी की अनुमति के बिना खाता बंद नहीं करेगा और यदि याचिकाकर्ता की भूमिका सामने आए तो उस पर कार्रवाई की जाए। अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और आरबीआई के वकीलों को भी इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों से कोर्ट को अवगत कराने को कहा है।

याचिका में अधिवक्ता अक्षत शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता कचौड़ी विक्रेता के बैंक खाते में पांच हजार रुपए का संदिग्ध लेनदेन बताकर बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने बैंक खाता फ्रीज कर दिया। बैंक प्रशासन ने बताया कि तेलंगाना पुलिस में दर्ज साइबर अपराध को लेकर दिए निर्देश पर उसका खाता बंद किया गया है। खाता बंद होने से उसे व्यवसाय चलाने में कठिनाई हो रही है। ऐसे में उसका खाता डी-फ्रीज किया जाए। इसका विरोध करते हुए बैंक की ओर से अधिवक्ता हिमांशु ठोलिया ने कहा कि मामले में राष्ट्रीय पोर्टल पर हुई शिकायत पर तेलंगाना पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अज्ञात साइबर अपराधियों ने करोडों रुपए की ठगी की है। जिसकी याचिकाकर्ता के बैंक खाते में भी राशि जमा हुई है। मामले में जांच एजेंसी और गृह मंत्रालय की एसओपी के आधार पर खाता बंद किया गया है। यदि ऐसे मामले में पूरा खाता फ्रीज नहीं किया जाए और बाद में ठग खाते से पूरी राशि दूसरे खातों में जमा कर दें तो मूल खाता धारक इसके लिए बैंक प्रशासन को जिम्मेदार ठहराएगा। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता का बैंक खाता डी-फ्रीज करने के निर्देश देते हुए समान प्रकृति से जुड़े मामलों के वकीलों को अदालत का सहयोग करने को कहा है।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पंचम चरण में निवेशकों को 7000 भूखंड़ उपलब्ध करवाएगा रीको प्रशासन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। रीको प्रशासन द्वारा प्रत्यक्ष आवंटन योजना के 4 चरणों की अप्रत्याशित सफलता के पश्चात् पंचम चरण की शुरूआत 12 सितंबर से की जायेगी। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अंतर्गत 27 अगस्त 2025 तक राज्य सरकार के साथ एम.ओ.यू निष्पादित करने वाले निवेशक 12 से 26 सितंबर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा तथा आवेदन कर सकेंगे। इस चरण के अंतर्गत ई-लॉटरी 3 अक्टूबर को निकाली जायेगी।

प्रत्यक्ष आवंटन योजना के पंचम चरण में निवेशकों को रीको के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों (नये एवं पुराने) में करीब 7000 भूखण्ड उपलब्ध करवाये जाएंगे। योजना में विभिन्न श्रेणियों-वर्गों जैसे एससी-एसटी महिला वर्ग, भूतपूर्व सैनिक, बेंचमार्क दिव्यांगता तथा सशस्त्र बलों तथा अर्ध सैनिक बलों के मृतकों के आश्रितों के लिये भी भूखण्ड आरक्षित किये गये है।

- राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के अंतर्गत 27 अगस्त 2025 तक राज्य सरकार के साथ एम.ओ.यू निष्पादित करने वाले निवेशक 12 से 26 सितंबर तक ऑनलाइन ईएमडी जमा तथा आवेदन कर सकेंगे। इसकी ई-लॉटरी 3 अक्टूबर को निकाली जायेगी।

मार्च-2025 में प्रारंभ हुई इस योजना के अंतर्गत रीको ने निवेशकों को प्रत्येक चरण में विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रो में 6 हजार से अधिक भूखण्डों में से अपनी रूचि एवं आवश्यकतानुसार आरक्षित दर पर सही भूखण्ड का चयन करने का अवसर दिया है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना- 2025 के पूर्ववर्ती चार चरणों में अब तक बड़ी संख्या में उद्यिमयों को भूखण्डों के लिये ऑफर लेटर दिये जा चुके हैं। रीको को इस योजना के अंतर्गत अब तक 1100 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके है।

रीको प्रशासन ने आवंटन प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि, 50 हजार वर्गमीटर तक एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने की दशा में ई-लॉटरी के माध्यम से सफल आवेदक को आवंटन किया जायेगा।

इसी प्रकार 50 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल से अधिक/विशेष औद्योगिक क्षेत्रों व पार्कों में आवेदक की पात्रता, भूमि की आवश्यकता इत्यादि के गुणावगुण के आधार पर आवंटन किया जायेगा। भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाईन जमा होगी। प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के तहत औद्योगिक भूखण्ड आवंटन हेतु आवेदन करने वाले निवेशकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जिस कंपनी अथवा व्यक्ति के द्वारा एमओयू किया गया है, भूखण्ड उसी कंपनी अथवा व्यक्ति को आवंटित किया जा सकेगा।

मेरा मानना है कि ये कांबिनेशनल आगे चलकर मजबूत टीम के खिलाफ कारगर साबित नहीं होगा। साथ ही सवाल है कि क्या डेथ ओवर्स में हार्दिक पंड्या कारगर साबित हो सकते हैं?

– इरफान पठान

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, हार्दिक पांड्या के चयन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

जापान की राजधानी टोक्यो में 13 सितंबर से 21 सितंबर के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन होना है। इसमें भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम प्रतिस्पर्धा करेंगे। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में फिर से पेरिस ओलंपिक भाला फेंक फाइनल की तरह मुकाबले के लिए तैयार है। वहीं इस टूर्नामेंट में भारत की तरफ से 19 सदस्यीय भारतीय टीम हिस्सा लेगी जबकि पाकिस्तान की तरफ से नदीम एकमात्र एथलीट हैं। नीरज चोपड़ा और नदीम के बीच प्रतिद्वंद्विता पड़ोसी मुल्कों के बीच प्रतिस्पर्धा का नया अध्याय होगा।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम पूर्ण सदस्य देश के रूप में टी-20 फॉर्मेट वाले एशिया कप में सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है।

सचिन ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद की दौड़ की अफवाहों को किया खारिज

मुम्बई, 11 सितंबर। दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल होने अफवाहों को सिरे से खारिज किया है। तेंदुलकर के बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने की अटकलों के बीच, एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा है, "हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या उन्हें नामित किए जाने की अफवाहें फैल रही हैं। हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।"

तेंदुलकर स्वयं टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं थे, लेकिन उनकी टीम ने मीडिया से इस तरह की अटकल बाजी से बचने का अनुरोध किया। बयान में कहा गया, "हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।"

बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव 28 सितंबर को होने हैं, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष के पदों के लिए मतदान होगा। बोर्ड के भीतर आम धारणा के अनुसार मौजूदा सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव रोहन गौंस देसाई और कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटी अपने पदों पर बने रहेंगे।

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों के साथ-साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष की भूमिका को लेकर भी बड़े सवाल उठ रहे हैं। राजीव शुक्ला वर्तमान उपाध्यक्ष हैं, और हो सकते है कि वे किसी न किसी रूप में बीसीसीआई का हिस्सा बने रहें। शुक्रवार को राज्य संघों के लिए वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के लिए अपने प्रतिनिधियों के नाम दाखिल करने की अंतिम तिथि है। इस सूची से यह संकेत मिल सकता है कि बड़े पदों के लिए कौन-कौन दावेदार हैं।

बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में पहला मैच जीता, हांगकांग को 7 विकेट से हराया

अबु धाबी, 11 सितम्बर। बांग्लादेश ने एशिया कप 2025 में जीत से शुरुआत की है। टीम ने गुरुवार को हॉन्ग कॉन्ग को 7 विकेट से हराया। टीम ने 144 रन का टारगेट 17.4 ओवर में 3 विकेट पर चेज किया। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए थे। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने 59 और तौहीद हृदॉय नाबाद 35 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी की।

परवेज हुसैन इमोन 19 और तंजीद हसन 14 रन बनाकर आउट हुए। अतीक इकबाल और आयुष शुक्ला को एक-एक विकेट मिला। आयुष ने हॉन्ग कॉन्ग की ओर से 50 विकेट भी पूरे कर लिए। हॉन्ग कॉन्ग के निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए। बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। हॉन्ग कॉन्ग ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 143 रन बनाए। निजाकत खान 42 रन, जीशान अली 30 रन और कप्तान यासिम मुर्तजा 28 रन बनाकर आउट हुए।

बांग्लादेश से तस्कीन अहमद, तंजीम हसन साकिब और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट झटके। रिशाद ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 विकेट पूरे किए। हॉन्गकॉन्ग की ओर से सबसे बड़ी पारी निजाकत खान ने खेली। उन्होंने 40 गेंदों पर 42 रन बनाए।

कार्यालय नगरपालिका पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान (345021)

क्रमांक/नपापो/25/3019 दिनांक :- 04.09.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

नगरपालिका पोकरण की ओर से नगरपालिका पोकरण सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन द्वि-पक्रमी बोली अनुसार निविदाएं आमत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगरपालिका पोकरण में सक्षम संवेदकों द्वारा 2 प्रतिशत का बैंक ड्राफ्ट/ बैकर चैक अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण एवं टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार/- रू0 M.D. RISL JAIPUR के नाम से देना होगा। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB NO-DLB 2526A5497

UBN NO-DLB2526WSOB16768 TO 16771

अध्यक्ष नगरपालिका पोकरण — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण

राज.संवाद/सी/25/9724

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः- ननिको द./वि0/2025/550-558 दिनांक 08.09.2025

-:: संशोधित ई-निविदा सूचना ::-

तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको द./वि0/2025/499-507 दिनांक 21.08.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है –

1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस
3. प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
4. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 15.09.2025 (दोपहर 3 बजे तक)
5. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्

उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है एवं निविदा की कार्य संख्या 2 (स्वागत द्वारों पर LED VIDEO WALL) की शेड्यूल के आइटम डिस्क्रिप्शन में विडियो वॉल, आउटडोर P-3.9 की जगह P-4.8 पढ़ा जावे।

शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

अधिशाषी अभियंता (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9779

नहीं बिक रहे भारत-पाक मैच की टिकट, 14 को महामुकाबला

दुबई, 11 सितंबर। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर, रविवार को एशिया कप 2025 का महामुकाबला खेला जाएगा। अक्सर भारत-पाकिस्तान मैच की टिकट चंद घंटों में ही बिक जाती हैं, लेकिन इस बार लगता है कि इस मैच के लिए फैंस के अंदर बिल्कुल भी क्रेज नहीं है। इस मैच के अभी तक सारे टिकट नहीं बिके हैं ऐसा होने का मुख्य कारण टिकटों की कीमत है। लोगों को 2 टिकट खरीदने के लिए 2.5 लाख तक खर्च करने पड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो महंगे टिकट प्राइज के कारण बिक्री पर फर्क पड़ा है। ईस्ट स्टैंड में दो वीआईपी टिकटों की कीमत 2.5 लाख रुपये है। इस टिकट को खरीदने पर बढ़िया व्यू वाली सीट मिलेगी, जिसके साथ खाने-पीने की व्यवस्था होगी। इस टिकट को खरीदने पर पार्किंग पास, वीआईपी लाउंज और रेस्टरूम भी मिलेगा।

खबरों की मानें तो रॉयल बॉक्स में टिकट की कीमत 2.3 लाख, स्काई बॉक्स के लिए 1.6 लाख रुपये देने होंगे। यहां तक कि प्लैटिनम टिकट की कीमत भी आसमान छू रही है, जो 75,659 रुपये में मिल रही है। सबसे सस्ती टिकट की बात करें तो दो सीट बुक करने के लिए आपको लगभग 10,000 रुपये खर्च करने होंगे।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान मैच के टिकों की कम ब्रिकी से सभी अधिकारी चौंक गए हैं। उन्होंने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी के टिकट मात्र4 मिनट के भीतर बिक गए थे, लेकि इस बार स्थिति बहुत खराब है। अधिकारी ने आशंका जताते हुए कहा कि टिकटों की ब्रिकी कम होगा।

भारत-पाक क्रिकेट मैच रद्द करने की याचिका पर तत्काल सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इंकार

नई दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने एशिया कप के तहत 14 सितंबर को दुबई में होने वाले भारत-पाकिस्तान टी-20 क्रिकेट मैच को लोगों की भावना के खिलाफ बताते हुए इसे रद्द करने की मांग वाली एक याचिका पर शीघ्र सुनवाई के अनुरोध को गुरुवार को ठुकरा दिया। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने याचिकाकर्ता उर्वशी जैन और अन्य का अनुरोध ठुकराते हुए कहा, "मैच जारी रहना चाहिए। यह एक मैच है। इसे होने दीजिए।" याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता ने इस मामले को महत्वपूर्ण बताते हुए शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध किया था। याचिका में कहा गया है, "पाकिस्तान के साथ खेलने से यह संदेश गया है कि जहाँ हमारे सैनिक अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं, वहीं हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। इससे उन पीड़ितों के परिवारों की भावनाएं भी आहत हो सकती हैं जिन्होंने पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथों अपनी जान गंवाई। राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा मनोरंजन से पहले आती है।"

भारत से मुकाबले से पहले ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करना चाहेगा पाकिस्तान

दुबई, 11 सितंबर। पाकिस्तान एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत शुक्रवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले टूर्नामेंट के चौथे मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत हासिल करने उतरेगा।

संयुक्त अरब अमीरात टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान शुक्रवार को टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहा है।सलमान आगा की अगुवाई में टीम पिछले छह टी-20 मैचों में केवल एक बार हारी है और उसने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में शानदार प्रदर्शन किया है। ओमान के साथ मुकाबला पाकिस्तानियों के लिए भारत के साथ होने वाले अहम मुकाबले से पहले आत्मविश्वास बढ़ाने और लय बनाए रखने का एक अच्छा अवसर है।

टीम की बल्लेबाजी लाइनअप में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। सलामी बल्लेबाज सैम अयूब और साहिबजादा फरहान से आक्रामक शुरुआत की उम्मीद है, जबकि मध्यक्रम के दिग्गज फखर जमान और सलमान आगा पारी को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। वहीं निचले क्रम की बात की जाये तो हसन नवाज, मोहम्मद हैरिस, मोहम्मद नवाज और फहीम अशरफ का कौशल टीम को अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने की सुविधा देता है।

पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई शाहीन अफरीदी करेंगे। अफरीदी की तेज गति, अबरार अहमद, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज और सूफियान मुकीम के सहयोग के साथ पाकिस्तान दुबई की परिस्थितियों का फायदा उठाना चाहेंगा। पिच की अगर बात की जाये तो पारंपरिक रूप से सपाट और तेज आउटफील्ड वाली यह पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार है, हालाकि स्पिनर बीच के ओवरों में अहम भूमिका निभाने सकते है। इस पिच को लक्ष्य का पीछा करने वालों के लिए मददगार माना जाता है। पिछले दस टी-20 मैचों में से आठ में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीत हासिल की है। पहली पारी का स्कोर आमतौर पर लगभग 170 होता है।

वहीं अगर ओमान की बात की जाये तो पाकिस्तान उसके सामने कड़ी चुनौती है। कप्तान जतिंदर सिंह अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों, आमिर कलीम और हम्माद मिर्जा से स्थिरता की उम्मीद करेंगे।

कार्यालय नगरपालिका आकोला जिला चित्तौड़गढ (राज.)

क्रमांक/न.पा.आ./निर्माण/2025-26/1475-1476 दिनांक : 08.09.2025

निविदा सूचना नं. 05/2025-26

नगरपालिका आकोला द्वारा निम्नांकित कार्यो के लिये नगरीय निकायों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं निविदा प्रपत्र संवेदक sppp.rajasthan.gov.in, & eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें। उक्त निविदा वेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A5643 पर देखे तथा निविदा का विवरण निम्न प्रकार है:-

कार्य निविदा के कार्य	कुल 01 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 49.90 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	दिनांक 15/09/2025 प्रातः 10.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 24/09/2025 सायं 06:00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक व समय	दिनांक 25/09/2025 दोपहर 3.00 बजे

	Unique Bid Number
1	DLB2526SLOB17279

राज.संवाद/सी/25/9662 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला-पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/5368 दिनांक : 09.09.2025

-: अल्पकालीन ई-निविदा 10/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 13 विकास कार्यो की कुल लागत 195.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्ते कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढ़ी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

1. DLB2526WSOB17175
2. DLB2526WSOB17179
3. DLB2526WSOB17181
4. DLB2526WSOB17185
5. DLB2526WSOB17186
6. DLB2526WSOB17188
7. DLB2526WSOB17189
8. DLB2526WSOB17191
9. DLB2526WSOB17192
10. DLB2526WSOB17193
11. DLB2526WSOB17194
12. DLB2526WSOB17196
13. DLB2526WSOB17197

Bid Selling Last Date	16-09-2025/10.00 AM

राज.संवाद/सी/25/9679 प्रशासक अधिशाषी अधिकारी

राज्य स्तरीय अंडर-19 ट्रॉफी
कुशाग्र ओझा, असद उमर का शतक

जयपुर, 11 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 – 26 की अंडर 19 प्रतियोगिता में में भाग लेने वाली राजस्थान टीमों के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 19 प्रतियोगिता के आज जयपुर में खेल गए मैचों का परिणाम व स्कोर :- जयपुर, बीकानेर, सवाईमाधोपुर, कोटा, राजसमंद, धौलपुर, चित्तोड़, करौली, बांसवाड़ा, जालोर, श्रीगंगानगर, झुंझनू, सीकर, भरतपुर जीती। सचिन लखेसर, वरदान शर्मा शतक से चुके, आर्यमान शर्मा, सुमित सालवी, अंशु, पृथ्वी सिंह, शौर्य शाह, आदित्य भाम्भू चिराग व अभिषेक मूँद की शानदार गेंदबाजी। हर्षित शर्मा व रक्षित श्रीमाल का आल राउंडर प्रदर्शन।

महिला एशिया कप 2025 के सुपर 4 मैच में भारतीय टीम मेजबान चीन से 1-4 से हारी

हांगझोऊ (चीन), 11 सितंबर। भारतीय महिला हॉकी टीम गुरुवार को महिला एशिया कप 2025 के अपने दूसरे सुपर4 पूल मैच में मेजबान चीन से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही चीन ने टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारतीय टीम आगामी मुकाबले में जापान को हराकर फाइनल में पहुंच सकती है। आज यहां खेले गये मुकाबल में भारत की ओर से मुमताज खान (38वें मिनट) में एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं, जबकि ज़ू मीरोंग (4वें मिनट, 56वें मिनट), चेन यांग (31वें मिनट) और टैन जिनझुआंग (47वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए। पहला क्वार्टर बेहद रोमांचक रहा, इस दौरान दोनों टीमों ने सर्कल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया और अच्छे मौके बनाए, हालांकि, शुरुआत में ही चीन ने चौथे मिनट में पहला गोल कर दिया। इस दौरान भारत ने एक अच्छा बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर गेंद ज़ू मीरोंग के पास पहुंची और उन्होंने उसे खाली पड़े गोलपोस्ट में डाल दिया। भारत ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए। भारत ने 10वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वे गोल करने में विफल रहे। दूसरे क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई। पहले हाफ के आखिरी पांच मिनटों में भारत ने खेल की गति बढ़ा दी और चीनी रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाया और गेंद पर कब्जा जमाकर अपना पहला गोल करने की कोशिश की। 27वें मिनट में भारत ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन वह भी गोल नहीं कर पाये। तीसरे क्वार्टर के पहले ही मिनट में चीन ने एक और गोल करके अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। यह गोल चेन यांग (31वें मिनट) में किया। मुमताज खान (38वें मिनट) ने भारत के लिए एक शानदार मैदानी गोल करके स्कोर 1-2 से बराबर कर दिया। लालरेम्सियामी ने सर्कल के किनारे गेंद उन्हें पास की, जहाँ से उन्होंने दूर से एक शक्तिशाली बैक-हैंड शॉट लगाकर भारत के लिए पहला गोल दागा।

अरावली क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 11 सितंबर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में रामेश्वर क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 96 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं विराट शर्मा ने 29 और दीपेश ने 20 रनों का योगदान दिया! अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन ने तीन विकेट लिए लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी ने 34 ओवर में 97 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली रीना ने सर्वाधिक 22 रनों का योगदान दियारामेश्वर क्रिकेट अकादमी की ओर से विराट शर्मा ने दो विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच लखन को चुना गया।

पूजा रानी, जैस्मीन लाम्बोरिया सेमीफाइनल में, भारत के लिए दो पदक पक्के किए

लिवरपूल, 11 सितंबर। दो बार की एशियाई चैंपियन पूजा रानी और जैस्मीन लाम्बोरिया ने विपरीत जीत दर्ज करते हुए विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसी के साथ इन दोनों मुक्केबाजों ने भारत के लिए दो और पदक पक्के कर दिये है। पूजा रानी ने महिलाओं के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पोलैंड की एमिलिया कोटर्सका को 3:2 से हराया।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

क्रमांकः- एफ.10/2025-26/5132 दिनांकः- 09.09.2025

:: अल्पकालिन ई-निविदा सूचना ::

(UB NO. DLB2526WSOB17120)

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

महापौर नगर निगम जोधपुर-दक्षिण — आयुक्त नगर निगम जोधपुर-दक्षिण

राज.संवाद/सी/25/9797

धमाकेदार एक्शन वाले मुकाबलों के लिए जयपुर लौटा प्रो कबड्डी लीग सीजन-12

जयपुर, 11 सितंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 गुलाबी नगरी जयपुर में अपनी बहुप्रतीक्षित वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि मौजूदा सीजन का एक्शन विशाखापट्टनम से एसएमएस इंडोर स्टेडियम में शिफ्ट हो रहा है। शुक्रवार से जयपुर इस सीजन के दूसरे चरण की मेजबानी करेगा।

आखिरी बार पीकेएल का आयोजन जनवरी 2024 में जयपुर में हुआ था, और शहर के उत्साही कबड्डी प्रशंसक अपने प्रिय जयपुर पिंक पैंथर्स को एक बार फिर घरेलू मैदान पर खेलते देखने के लिए उत्सुक हैं। 2014 में पहला पीकेएल खिताब और सीजन 9 में अपनी दूसरी चैंपियनशिप जीतने वाली यह टीम घरेलू मैदान पर अपने फायदे और अपने वफादार प्रशंसकों के अटूट समर्थन का फायदा उठाने का प्रयास करेगी।

पीकेएल सीजन 12 का जयपुर चरण 12 सितंबर से 27 सितंबर तक चलेगा, जिसमें 12 टीमों के बीच कई मैच खेले जाएंगे। यह चरण 11 सितंबर को विशाखापत्तनम चरण के समापन के बाद आया है, जिसमें पुनेरी पलटन, दबंग दिल्ली के.सी., तेलुगु टाइटन्स और यू मुंबा ने सीजन 12 में अपने दबदबे के शुरुआती संकेत दिए हैं।

जयपुर लेग के शुभारंभ पर मशाल स्पोर्ट्स के बिज़नेस हेड और पीकेएल के लीग चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, भारत खेल जगत में विकसित हो रहा है, विभिन्न खेलों में नई लीग उभर रही हैं। प्रासंगिक बने रहने के लिए, हमें इनोवेशन करना होगा। यही वजह है कि पीकेएल ने अपने फॉर्मेट में बदलाव किया है ताकि इसे प्रशंसकों के लिए और अधिक रोमांचक और खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके। अब हम इस गति को जयपुर में भी जारी रखने के लिए उत्सुक हैं। घरेलू टीम जयपुर पिंक पैंथर्स के कप्तान नितिन रावल ने कहा, हमने सीजन की शानदार शुरुआत की है – दो जीत पहले ही हासिल कर ली हैं और दो बेहद करीबी मैच जो हमारे पक्ष में जा सकते थे। टीम संतुलित और आत्मविश्वास से भरी दिख रही है।

कार्यालय नगर निगम कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी0ए0डी0 सर्किल, कोटा

Website : www.kotamc.org, Email : nnksouth@gmail.com , Tel. pho. 0744-2502142

क्रमांकः- ननि (दक्षिण) को/उपा.रा./2025/7667-79 दिनांकः- 08.09.2025

-:: ई-निविदा सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा कार्यादेश से एक वर्ष (2025-26) तक के लिये 2 Bid 2 Stage (पद्धति) के अनुसार ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा शुल्क	प्रोसेसिंग फीस	धरोहर राशि 2%	ठेका आरक्षित राशि
1	डिवाईडर पोल एवं साईड विद्युत पोल पर लघु विज्ञापन पट्ट कियोस्क पार्ट "ए" (साईज 30" X 40") वर्ग इंच दो तरफा सूची संलग्न	1500/-	500/-	27390/-	13,69,500/-

इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म/ऐजेन्सी निविदा प्रपत्र एवं शर्ते नगर निगम की वेब साईट https://urban.rajasthan.gov.in/content/raj/udh/nagar-nigam-kota-south/en/home-html एव http://sppp.rajasthan.gov.in तथा https://eproc.rajasthan.gov.in/ से देख एवं डाउनलोड कर सकते है तथा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में निगम कार्यालय में देखी जा सकती है।

ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की दिनांक	11.09.2025 से 01.10.2025 तक सांय 06.00 बजे तक
अपेक्षित डी0डी0 एवं दस्तावेज जमा कराने की दिनांक	03.10.2025 सांय 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा की तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	06.10.2025 सांय 03.00 बजे तक
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड की प्रशासनिक स्वीकृति के उपरांत

उपरोक्त कार्य के लिये निर्धारित निविदा शुल्क एवं धरोहर राषि का डी.डी. आयुक्त नगर निगम कोटा दक्षिण के नाम तथा प्रोसेसिंग फीस का डी0डी0 "मैनेजिंग डायरेक्टर" आर0आई0एस0एल0 जयपुर के नाम निर्धारित दिनांक 03.10.2025 को सांय 4.00 बजे तक अनुसार राजीव गांधी भवन नगर निगम कोटा दक्षिण के "ए" ब्लॉक में प्रथमतल पर कमरा नं0 238 में पहुंच जाना चाहिये। उक्त निविदा नियत तिथि को ऑनलाईन खोली जावेगी। स्वीकृत ठेका राशि पर 18% GST एंव किसी भी प्रकार का प्रचलित कर संवेदक स्वंय को वहन करना होगा।

नोटः-

1. उक्त राशि एक वर्ष हेतु निर्धारित है जिसके लिये संवेदक को सम्बन्धित कार्य की एक मुश्त राशि जमा करानी होगी। तत्पश्चात् ही कार्य की अनुमति प्रदान की जावेगी, अन्यथा ठेका निरस्त करते हुए पुनः निविदा जारी कर दी जावेगी जिसके लिए किसी तरह का कोई अभ्यावेदन/आपत्ति स्वीकार नही होगी।
2. केन्द्रीय/राज्य सरकार/स्वायत्तशासी निकायों/निगम/बोर्ड/सार्वजनिक उपक्रम का बकायादार एवं ब्लैक लिस्टेड फर्म/संवेदक निविदा में भाग नही ले सकेगा।

उपायुक्त राजस्व नगर निगम कोटा (दक्षिण)

राज.संवाद/सी/25/9776

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

RISING™ RAJASTHAN REPLETE • RESPONSIBLE • READY

प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025

राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर

औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट

पाँचवाँ चरण

ऑनलाइन पोर्टल पर दिनांक 12.09.2025 (प्रातः 10:00 बजे) से 26.09.2025 (सायं 6 बजे) तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का आवंटन आरक्षित मूल्य पर | ई-लॉटरी | 03 अक्टूबर, 2025

103 औद्योगिक क्षेत्र | 6,350 कुल औद्योगिक भूखण्ड | 5,522 अनारक्षित भूखण्ड | 40 लॉजिस्टिक भूखण्ड

विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड

247 अनुसूचित जाति/जनजाति | 236 महिला वर्ग | 123 भूतपूर्व सैनिक | 153 बेंचमार्क दिव्यांगता | 69 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित

आवंटन की प्रक्रिया

एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन

आवेदन हेतु स्कैन करें

EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।

पात्रता - निवेशक जिन्होंने 27/08/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।

भूखण्ड की राशि का भुगतान

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान

या

RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ

औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।

इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।

*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005

हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | व्हाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in

riico.rajasthan.gov.in • riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen

राज.संवाद/सी/25/9787

मुख्यमंत्री भजन लाल ने शहरी सेवा शिविर के लिए निर्देश दिये

उन्होंने कहा कि इन शिविरों में नागरिकों से जुड़े प्रकरणों का मौके पर समाधान किया जायेगा

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी शहरी क्षेत्रों में आमजन तक योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शहरी सेवा शिविर का आयोजन करने जा रही है। 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत शहरों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के साथ ही शिविर में जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता से किया जाएगा।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर शहर-कस्बे में इसका व्यापक असर दिखाई दे, इसके लिए अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना और उनसे जुड़े प्रकरणों का मौके पर ही समाधान करना है। इसके लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर के संबंध में विभाग द्वारा समग्र जानकारी की मार्गदर्शिका भी तैयार की जाए।

उल्लेखनीय है कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर और मैनहोल की मरम्मत की जाएगी एवं प्रमुख चौराहों, पार्कों, सामुदायिक केन्द्रों और सार्वजनिक स्थलों का सौन्दर्यीकरण होगा।

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर स्वीकृति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को शहरी सेवा शिविर के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर चलने वाले इस अभियान में सभी अधिकारी गंभीरता एवं सेवाभाव के साथ कार्य करें।

■ शिविर से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अभियान के दौरान शहरों में व्यापक स्तर पर सफाई व्यवस्था, सुनिश्चित करें तथा नालियों, सीवर लाइन, फेरो कवर व मैन होल की मरम्मत करायें।

उल्लेखनीय है कि पहले 15 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक शहरी सेवा शिविर का आयोजन प्रस्तावित था, लेकिन अब इस अभियान की अवधि में विस्तार किया गया है, जिसके तहत अब यह शिविर15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक आयोजित किए जाएंगे। बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

'खुले बाजार में पदों की नीलामी हो रही है'

हैदराबाद, 11 सितंबर। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार ग्रुप-एक के पदों को बेचकर तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं को धोखा दे रही है।

राव ने गुरुवार के अपने बयान में कथित घोटाले के लिए एक न्यायिक जांच और पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा कराने की मांग की। राव ने रिपोर्टों

■ बीआरएस के अध्यक्ष, के.टी. रामाराव ने तेलंगाना सरकार पर नौकरियां बेचने का आरोप लगाया।

और छात्रों के आरोपों को लेकर चिंता व्यक्ति की, जिनमें कहा गया है कि नौकरियों के लिए भारी मात्रा में धन की मांग की गई थी और दावा किया कि सरकार ने "खुले बाजार में पदों की नीलामी की।"

उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी, जिन्होंने अपने सालों की मेहनत और संसाधन लगाये हैं, को अपनी उम्मीदें कुचली नजर आ रही हैं। उच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए राव ने मांग की कि ग्रुप-एक प्रारंभिक परीक्षा बिना अनियमितता के दोबारा करायी जाये।

सीआरपीएफ का आरोप, सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे राहुल

कांग्रेस ने सीआरपीएफ की रिपोर्ट को राहुल का आंदोलन रोकने की कोशिश करार दिया

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि गांधी विदेश यात्रा पर जाते हैं लेकिन इसकी सूचना नहीं दी जाती है जो सरासर सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस संबंध में सीआरपीएफ की तरफ से पत्र लिखकर कहा गया है कि गांधी सुरक्षा प्रोटोकॉल को नहीं मान रहे हैं और बिना सूचना दिये विदेश यात्रा कर रहे हैं। सुरक्षा बल ने इसे सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन बताते हुए स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि इससे परेशान होकर यह पत्र लिखना पड़ रहा है।

सीआरपीएफ के वीवीआईपी सुरक्षा प्रमुख सुनील जून ने खड़गे को बुधवार को लिखे पत्र में लिखा है कि गांधी अपनी सुरक्षा को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

गांधी की इस साल की विदेश यात्राओं का विस्तारपूर्वक जिक्र करते हुए जून ने कहा है कि पिछले नौ माह में

■ सीआरपीएफ ने कहा, राहुल विदेश यात्रा की जानकारी भी नहीं देते हैं और भीड़ से मिलते हैं।

■ कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा यह राहुल को डराने की कोशिश है असल में सरकार राहुल की वोट चोरी विरोधी मुहिम से डर गई है।

गांधी छह बार विदेश यात्रा कर चुके हैं। पत्र में बताया गया है कि गांधी 30 दिसंबर 2024 से नौ जनवरी 2025 तक इटली की यात्रा पर गये थे। फिर 12 से 17 मार्च तक वियतनाम, 17 से 23 अप्रैल तक दुबई, 11 से 18 जून तक कतर, 25 जून से छह जुलाई तक लंदन और हाल ही में चार दिन के लिए मलेशिया की यात्रा पर गये थे।

सीआरपीएफ द्वारा पत्र को सार्वजनिक करने और इसकी टाइमिंग को लेकर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे गांधी को डराने की कोशिश करार दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने गुरुवार को पत्र का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआरपीएफ के पत्र भेजने का समय और उसे तुरंत सार्वजनिक करने की मंशा परेशान करने वाली है। उनका कहना है कि गांधी के सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर लिखे पत्र और उसे सार्वजनिक करने का समय सवाल खड़े करता है।

उन्होंने कहा, """"यह पत्र ऐसे समय में आया है जब गांधी चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा द्वारा की जा रही वोट चोरी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं। क्या यह विपक्ष के नेता को डराने की एक छिपी हुई कोशिश है, जिन्होंने पहले ही एक और खुलासे की घोषणा कर दी है। क्या सरकार उनके द्वारा उजागर किये जाने वाले सच से घबरा गयी है।""""

गौरतलब है कि गांधी को ज़ैड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है जो गंभीर खतरे की आशंका वाले व्यक्तियों को प्रदान की जाती है।

ट्रम्प के प्रबल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई और कई घायल हुए और कई गिरफ्तार किए गए। हिंसा और सरकारी संस्थाओं पर हमले की निंदा करने के बजाय ट्रंप ने डेमोक्रेट्स और चुनाव व्यवस्था पर यह आरोप लगाया कि उन्होंने 2016 में उनका चुनाव "चुरा" लिया, जब जो बाइडन विजेता घोषित किए गए।

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति में एक अलग तरह का वैमनस्य भर दिया। इससे पहले तक वहां राजनीति में विचारों और मुद्दों पर मतभेद होते थे, लेकिन निजी जीवन में राजनीतिक विरोधी भी आपस में दोस्त बने रहते थे। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति की इस परंपरा को बदल डाला।

ट्रंप ने अपनी राष्ट्रपति पद की दौड़ 2015 में शुरू की थी, जिसमें उन्होंने प्रवासियों और मैक्सिकन नागरिकों पर ज़हरीले हमले किए और आरोप लगाया कि ये लोग हिंसा, अपराध और अन्य बुराइयां फैला रहे हैं। लेकिन मुख्यधारा की राजनीति ने इस तरह की बयानबाज़ी पर कोई ध्यान नहीं दिया।

धीरे-धीरे पूरी रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के आगे झुक गई और उन्हें नफरत और टकराव भरे भाषणों की पूरी छूट दे दी। इसी बीच, अश्वेतों की पुलिस के हाथों मौत पर देशभर में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़क उठे। ऐसी घटनाओं की एक लंबी श्रृंखला पूरे अमेरिका में देखने को मिली। बराक ओबामा के राष्ट्रपति बनने के बाद, जो अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे, ट्रंप ने अश्वेतों के प्रति नफरत को और हवा दी। उसके बाद से यह लहर और भी तेज़ होती गई।

लेकिन अब आम अमेरिकी नागरिक घटनाओं की इस दिशा को लेकर गहराई से चिंतित हो रहे हैं। लोग अमेरिकी राष्ट्रपति की हरकतों को नकारात्मक रूप से देखने लगे हैं और हाल ही में उनकी लोकप्रियता तेजी से गिर गई है।

चुनाव आयोग पूरे देश में मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा करेगा

चुनाव आयोग ने बताया, यह सारी प्रक्रिया 3-4 माह में पूरी हो जाएगी

नयी दिल्ली, 11 जुलाई। बिहार के बाद अब चुनाव आयोग देश भर में राज्यों और केन्द्र शासित क्षेत्रों की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी कर रहा है और यह काम सभी जगह एक साथ कराने का विचार है।

आयोग के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, अब पूरे देश में एसआईआर एक साथ करने का ही विचार बन रहा है। एसआईआर की पूरी प्रक्रिया तीन से चार महीने के बीच सम्पन्न हो जाती है।" आयोग के अधिकारियों के अनुसार, देश भर में एसआईआर शुरू करने के कार्यक्रम को तय किया जाना है।

आयोग सूचियों की समीक्षा शुरू करने के लिए साल में जनवरी, अप्रैल, जुलाई अथवा अथवा अक्टूबर की कोई तिथि चुनता है। इससे लगता है कि इस साल अक्टूबर-नवंबर में कराये जाने

■ चुनाव आयोग ने कहा कि इस प्रक्रिया में बूथ लैवल ऑफिसर की अहम भूमिका है हमारे पास देशभर में 10.5 लाख बीएलओ हैं जिनकी संख्या जल्दी ही 12 लाख की जाएगी।

वाले बिहार के चुनावों के बाद, आयोग पूरे देश में सभी राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की सूचियों के एसआईआर के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है।

एक अधिकारी ने कहा, राज्यों के सीईओ अपने यहां पिछली एसआईआर के बाद बनी मतदाता सूचियों को अपने वेबसाइट पर डालने की तैयारी में हैं। कुछ ने सूची को डाल भी दिया है। ज्यादातर राज्यों में पिछली एसआईआर 2002 से 2004 के बीच कराई गयी थी। दिल्ली में सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण 2008 में हुआ था।

अधिकारियों ने कहा कि पुनरीक्षण के लिए तीन महीने का समय पर्याप्त है और अब डिजिटल प्रौद्योगिकी ने इस काम को और आसान बना दिया है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। आयोग के अनुसार, इस समय एक बीएलओ को सूची की समीक्षा या विशेष पुनरीक्षण के लिए मतदाताओं को छपा हुआ गणना प्रपत्र पहुंचाने और उसे प्राप्त करने के लिए औसन 950 मतदाताओं (करीब ढाई सौ घरों) से सम्पर्क करना होता है। इस समय देश में 10.5 लाख बीएलओ हैं और आयोग इनकी संख्या 12 लाख करने जा रहा है। इससे यह औसत और कम होगा।

भारतीय नागरिक रूसी सेना में शामिल होने के झांसे में नहीं आयें

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। रूस की सेना में कुछ भारतीय नागरिकों की भर्ती की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रूसी सेना में शामिल होने के किसी भी प्रस्ताव के झांसे में न आए, क्योंकि इसमें कई जोखिम हैं।

■ विदेश मंत्रालय ने नागरिकों को इसके खतरों से फिर आगाह किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती से संबंधित मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि, हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस तरह की कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और तदनुसार भारतीय नागरिकों को आगाह किया है।

उन्होंने कहा कि भारत ने मास्को और यहां, दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है और अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त कर हमारे नागरिकों को वापस भेजा जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यशाला छोड़कर निकल गए। गृह राज्य मंत्री जवाहर बेढ़म उन्हें मनाने भी पहुंचे, लेकिन वे नहीं माने। बाद में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उन्हें भाजपा नेताओं श्रवण बगड़ी और गजेन्द्र सिंह खींवसर से पूर्व निर्धारित मुलाकात के लिए निकलना था। उन्होंने कहा कि "मंत्री बेढ़म ने रुकने का आग्रह किया, लेकिन तय कार्यक्रम के चलते मुझे जाना पड़ा।'

कार्यशाला में मुख्यमंत्री शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, केन्द्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, सांसद दामोदर अग्रवाल, वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल, पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी सहित अन्य वरिष्ठ नेता मंच पर उपस्थित रहे। कार्यशाला के अंत में युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित चेची द्वारा युवा मैराथन के पोस्टर व टी-शर्ट का विमोचन किया गया। मंच संचालन कुलदीप धनकड़ व मुकेश दाधीच ने किया। सेवा पखवाड़ा अभियान के संयोजक संतोष अहलावत ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी।

केदारनाथ, 2500 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक लाख रुपये खर्च हो चुके थे। डेढ़ सौ रुपये में पानी की बोतल, 2,500 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से जबरन कराए गए पूजा-पाठ, और मंदिर स्टाफ द्वारा चलाए जा रहे आवास घोटालों ने पूरी तस्वीर को और भी गंभीर बना दिया।

ऐसी ही कहानियाँ बैद्यनाथ, हरिद्वार और द्वारका जैसे अन्य पवित्र स्थलों से भी सामने आ रही हैं, जहां दलाल, बिकाऊ कतारें और जर्जर बुनियादी ढांचा श्रद्धालुओं की आस्था की अग्निपरीक्षा ले रहे हैं। यह रिपोर्ट बताती है कि कैसे भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों की गरिमा छीनी जा रही है... और क्यों वैश्विक मानकों पर आधारित एक "टैंपल चार्टर" ही इसका स्थायी समाधान हो सकता है।

ब्लूटूथ से नकल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निवासी रावतसर जिला हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया गया है।

सिंह ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर की ओर से कनिष्ठ न्यायिक, सहायक लिपिक ग्रेड-द्वितीय एवं लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पदों पर सीधी भर्ती के संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2022 12 मार्च 2023 एवं 19 मार्च 2023 को 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित की गई थी, जिसमें आरोपी राम प्रकाश जाट का परीक्षा केन्द्र विजयन डी. सूरी जैन विद्यापीठ सी. सै. स्कूल, नागौर (राजस्थान) था और आरोपी सुनील विश्नोई का परीक्षा केन्द्र श्री नेहरू मेमोरियल चिल्ड्रन सी. सै. स्कूल हनुमानगढ़ (राजस्थान) था। संगठित नकल गिरोह के मुख्य आरोपी पौरव कालेर निवासी छापर जिला चूरू द्वारा सालासर से मोबाइल फोन के माध्यम से राम प्रकाश जाट और सुनील विश्नोई को ब्ल्यूटूथ डिवाइस से नकल करवाई थी। इसके लिए 4 लाख रूपये में सौदा तय हुआ था। आरोपी राम प्रकाश जाट नकल कर पास हो गया था और वर्तमान में पॉक्सो कोर्ट कम संख्या - 01 उदयपुर में पदस्थापित था तथा विगत 7 माह से फरार चल रहा था। सुनील विश्नोई जिला सैशन कोर्ट हनुमानगढ़ में पदस्थापित था तथा गिरफ्तारी के भय से गत 6 माह से स्वैच्छिक रूप से अनुपस्थित था एवं फरार चल रहा था।

तीन हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय कोलीजियम ने उच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों को पदोन्नत कर मुख्य न्यायाधीश बनाने की गुरुवार को सिफारिश की। शीर्ष अदालत

■ न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय, एम. सुंदर को मणिपुर तथा बजंथरी को पटना हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाया जायेगा।

की ओर से जारी बयान के मुताबिक, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है। इसी प्रकार मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम. सुंदर को मणिपुर उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. बी. बजंथरी को उसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गयी है।

मॉरीशस के प्र.मंत्री ने क्रूज से गंगा आरती देखी

वाराणसी, 11 सितंबर। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने गुरुवार शाम वाराणसी में विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती के दर्शन किये।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री और प्रतिनिधि मंडल आज शाम होटल ताज से रविदास घाट पहुंचा, जहां संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उनका स्वागत किया। विवेकानंद क्रूज से सभी लोग दशाश्वमेध घाट के लिए रवाना हुए। उन्होंने गंगा आरती का दर्शन-पूजन किया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। क्रूज के निदेशक विकास मालवीय ने बताया कि आरती के बाद सभी को बनारसी चाट में आलू की टिक्की, गोलगप्पे, पालक चाट, बनारसी लस्सी और कुल्फी खिलायी गयी। बनारसी चाट

■ क्रूज पर उनके लिए बनारस के विशेष व्यंजनों की व्यवस्था भी की गई थी।

सभी लोगों को खूब पसंद आया। आरती आयोजक अध्यक्ष (गंगा सेवा निधि) सुशांत मिश्र ने बताया कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम का आगमन काशी में हुआ है। दशाश्वमेध घाट पर नित्य होने वाली गंगा आरती को उन्होंने देखा। गंगा का जलस्तर बढ़ा हुआ है, इसलिए गंगा आरती कई दिनों से छत पर ही की जा रही है। कार्यालय के ऊपर छत पर आरती स्थल को फूलों और लाइटों से भव्य तरीके से सजाया गया था।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अप्रमाणित मान लिया, जबकि सुप्रीम कोर्ट राफेल केस में तय कर चुका है कि दस्तावेज किसी भी माध्यम से मिला हो, यदि वह सही है तो कोर्ट उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। वहीं, यदि दागियों को ट्रेनिंग दी जाएगी तो इससे आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास कम होगा। दूसरी ओर खंडपीठ के अपीलार्थी अमर सिंह व विक्रम पंवार की ओर से मामले में सुप्रीम कोर्ट में कैविएट पेश की गई है।

मोदी के जन्मदिन से गांधी जयंती तक भाजपा का सेवा पखवाड़ा

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से लेकर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती दो अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनायेगी।

इस अभियान में सेवा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रिनर्माण को केन्द्र में रखा गया है। इसके अंतर्गत रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच कैम्प, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण के लिए "एक पेड़ मां के नाम" अभियान, प्रदर्शनी, संवाद कार्यक्रम, दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, "मोदी विकास मैराथन", खेल महोत्सव और ड्रॉइंग प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। भाजपा मुख्यालय में गुरुवार को केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के तहत

■ सेवा पखवाड़े में मोदी के जीवन व उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जायेंगी।

विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन एवं उपलब्धियों पर प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी तथा समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद और सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत समाज के विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित करने के साथ-साथ 771 संवाद कार्यक्रम भी देशभर के सभी प्रांतों में आयोजित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का 17 सितंबर को जन्मदिवस है और उन्होंने भारत की राजनीति में सेवा, स्वच्छता जैसे मौलिक विषयों को सबके सामने स्थापित किया है।

'मोदी कार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

1500 सीसी डीजल) पर कर घटाकर, 18 प्रतिशत (पहले 29-31 प्रतिशत) कर दिया है, जबकि बड़ी कारों (4 मीटर से अधिक, 1500 सीसी से ऊपर की इंजन क्षमता और 170 मिमी से अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस) पर कर घटाकर, 40 प्रतिशत (पहले 50 प्रतिशत) किया गया है। इसके साथ ही, केन्द्र सरकार ने मुआवजा उपकर (कैम्पन्सैशन सैस) भी हटा लिया है। पूर्व पत्रकार और मीडिया प्रोफेसर प्रदीप माथुर ने टिप्पणी की, "ऐसी कवायद को आमतौर पर अनैतिक श्रेणी में रखा जाता, लेकिन वर्तमान सरकार इसे अपने विशेषाधिकार के रूप में देखती है।"

मोदी के लेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर उनके लिए लिखा गया "हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख" संघ नेतृत्व को रिझाने की "हताशा भरी कोशिश" है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भागवत की बौद्धिक गहराई और परोपकार से भरे नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि 2009 से आरएसएस प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल संगठन की 100 साल की यात्रा का सबसे परिवर्तनकारी दौर माना जाएगा।

गुरुवार (11 सितंबर 2025) को कई अखबारों में प्रकाशित एक प्रशंसात्मक लेख में, मोदी ने कहा कि भागवत 'वसुधैव कुटुंबकम' के जीवंत उदाहरण हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और सद्भाव व भाईचारे की भावना को सशक्त करने के लिए समर्पित किया है।

कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व की कृपा पाने की व्यग्रता में मोहन भागवत के 75 वें जन्मदिन पर हद से ज़्यादा स्तुतिपरक लेख लिखा है।"

रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने यह याद दिलाया है कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। उन्होंने यह भी याद दिलाया है कि 11 सितंबर 2001 को ही अमेरिका में अल कायदा के आतंकवादी हमले हुए थे।"

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर आगे लिखा, "लेकिन इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि प्रधानमंत्री ने यह उल्लेख नहीं किया कि महात्मा गांधी ने 11 सितंबर 1906 को जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आ ान किया था। उसी दिन दुनिया ने पहली बार इस क्रांतिकारी विचार को सुना था।"

रमेश ने कहा, "बेशक, यह उम्मीद करना बहुत ज़्यादा होगा कि प्रधानमंत्री सत्याग्रह की उत्पत्ति को याद रखें, क्योंकि उनके लिए तो सत्य शब्द ही पराया है।"

उन्होने कहा, "प्रधानमंत्री, जो खुद को "नॉन बायोलॉजिकल" बताते हैं, अपने प्रवचनों को ऐसे प्रस्तुत करते हैं, जैसे वे ईश्वरीय कथन हों।"

राष्ट्रपति व राज्यपाल की विधेयक मंजूरी की समय सीमा पर फैसला सुरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति के संदर्भ पर 10 दिन संबंधित पक्षों की दलीलें सुनीं

नयी दिल्ली, 11 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा निर्धारित करने के विवाद से जुड़े राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें 10 दिनों तक सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

राष्ट्रपति संदर्भ में संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत, राष्ट्रपति और राज्यपाल द्वारा विधेयकों को मंज़ूरी देने की समय-सीमा से संबंधित प्रश्न उठाए गए थे।

राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए यह संदर्भ प्रस्तुत किया गया था, जो सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख को किसी भी कानूनी प्रश्न या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर उच्चतम न्यायालय की राय लेने की अनुमति देता है।

राष्ट्रपति ने इस संदर्भ में 14 प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय मांगी। सवालों में यह भी शामिल है कि क्या देश के संविधान के अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संवैधानिक विवेकाधिकार का प्रयोग न्यायोचित है। संदर्भ में राय मांगी गई है, "क्या संविधान के अनुच्छेद 200 और अनुच्छेद 201 के अंतर्गत राज्यपाल और राष्ट्रपति के

■ राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट को भेजे रैफरेन्स में शीर्ष न्यायालय से 14 प्रश्नों पर राय मांगी थी।

निर्णय, कानून के लागू होने से पहले के चरण में न्यायोचित हैं? क्या न्यायालयों के लिए किसी विधेयक के कानून बनने से पहले, किसी भी रूप में, उसकी विषय-वस्तु पर न्यायिक निर्णय लेना अनुमन्य है?"

राष्ट्रपति की ओर से यह भी राय मांगी गयी है कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून संविधान के अनुच्छेद 200 के अंतर्गत राज्यपाल की स्वीकृति के बिना भी लागू कानून है।

इसमें यह भी राय देने को कहा गया है, "क्या संविधान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत वाद के माध्यम से छोड़कर, केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने के लिए शीर्ष न्यायालय के किसी अन्य अधिकार क्षेत्र को रोकता है?" राष्ट्रपति ने महसूस किया कि मौजूदा परिस्थितियों में जब राज्य सरकारें अक्सर संविधान के अनुच्छेद 32 और 131 का हवाला देते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाती हैं, कानूनी प्रश्नों पर शीर्ष अदालत की राय लेना समय की मांग है।

उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति संदर्भ के मामले में 22 जुलाई को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर इन सवालों पर अपना पक्ष रखने को कहा था। शीर्ष अदालत ने 29 जुलाई को कहा था कि वह 29 अगस्त से 10 सितंबर के दौरान सुनवाई संबंधित पक्षों की दलीलें सुनेगी।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ (शीर्ष अदालत में) ने आठ अप्रैल, 2025 के अपने एक फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि द्वारा 10 विधेयकों को पुनः अधिनियमित किए जाने के बाद राष्ट्रपति के लिए आरक्षित करने के फैसले को अवैध घोषित किया था।

छत्तीसगढ़ में एक करोड़ का इनामी नक्सली ढेर

गरियाबंद, 11 सितंबर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान को गुरुवार को तब बड़ी सफलता मिली, जब सुरक्षा बलों ने एक करोड़ के इनामी नक्सली समेत दस नक्सलियों को मार गिराया।

आज सुबह थाना मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की सक्रियता की सूचना मिलने के बाद ई 30, विशेष सुरक्षा बल और कोबरा की संयुक्त टीम घटनास्थल की ओर रवाना हुई। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच लंबी और तीव्र मुठभेड़ हुई। जिले के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने खबर की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ में माओवादी केन्द्रीय कमेटी के कई बड़े नक्सली मारे गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें एक प्रमुख नक्सली मनोज भी शामिल हैं, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। राखेचा ने बताया कि अभियान पूरी तरह से सुरक्षा बलों की रणनीति के तहत संपन्न हुआ।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908